- जीएसटी युक्तिसंगत बनाने से खपत में तेजी
- 12

- कमजोर प्रवासन नीतियां राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा : ट्रंप
- 13

- भारत-इंडोनेशिया मुक्त, शांतिपूर्ण और समृद्ध हिन्द प्रशांत के लिए प्रतिबद्ध
- 13

- दीप्ति शर्मा तीन करोड़ 20 लाख रुपये में यूपी वारियर्स में लौटी
- 14

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

अमृत विचार

कानपुर

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष अष्टमी 12:15 उपरांत नवमी विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 28 नवंबर 2025, वर्ष 4, अंक 98, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

विश्व विजेता बेटियों का सम्मान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को हाल ही में पहला टी-20 विश्वकप जीतने वाली भारतीय महिला दृष्टिबाधित क्रिकेट टीम की सदस्यों से मिले। इस दौरान मोदी ने उन्हें मिठाई खिलाकर बधाई दी और उनके लिए एक गेंद पर हस्ताक्षर भी किए।

अंतरिक्ष क्षेत्र में उम्मीदें जगा रहे हैं 300 से ज्यादा स्टार्टअप

मोदी ने स्काईरूट के रॉकेट का अनावरण किया, नई प्रौद्योगिकी तैयार करने के लिए जेन जी को सराहा

हैदराबाद, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बृहस्पतिवार को अंतरिक्ष स्टार्टअप स्काईरूट के पहले ऑर्बिटल रॉकेट का अनावरण किया और नई प्रौद्योगिकियां तैयार करने के लिए जेन जी पेशेवरों की तारीफ की। प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से हैदराबाद में 'स्काईरूट इन्फिनिटी कैंपस' का उद्घाटन किया। कंपनी का 'आर्बिटल रॉकेट विक्रम-1' उपग्रहों को कक्षा में स्थापित कर सकेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जेन जी इंजीनियर, डिजाइनर, कोडर और वैज्ञानिक नई प्रौद्योगिकियां तैयार कर रहे हैं। मोदी ने अपने संबोधन में सरकार के ऐतिहासिक अंतरिक्ष सुधारों को रेखांकित करते हुए कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलने के परिणामस्वरूप स्काईरूट और अन्य इकाइयां इस तरह के नवाचारों के साथ सामने आई हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्तमान में भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी क्षेत्र तेजी से उभर रहा है। 300 से ज्यादा अंतरिक्ष स्टार्टअप इस क्षेत्र को नई उम्मीदें दे रहे हैं। उन्होंने कहा, इन्फिनिटी कैंपस भारत की नई सोच, नवाचार और विशाल युवा शक्ति का प्रतिबिंब है। युवाओं का नवाचार, जोखिम उठाने की क्षमता और उद्यमिता नई ऊंचाइयों को छू रही है।

मोदी ने कहा, भारत की निजी अंतरिक्ष प्रतिभा दुनिया में अलग पहचान बना रही है। भारत का अंतरिक्ष क्षेत्र वैश्विक निवेशकों के लिए आकर्षण बन रहा है। दुनिया में छोटे उपग्रहों की मांग तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि साइकिल पर रॉकेट के पुर्जे ढोने से लेकर दुनिया के सबसे विश्वसनीय प्रक्षेपण यान विकसित करने तक भारत ने साबित किया है कि सपनों की ऊंचाई संसाधनों से नहीं बल्कि दृढ़ संकल्प से तय होती है।

अंतरिक्ष में रॉकेट लॉन्च करने वाली पहली भारतीय निजी कंपनी है स्काईरूट

स्काईरूट इन्फिनिटी कैंपस एक अत्याधुनिक केंद्र है, जिसमें लगभग 2,00,000 वर्ग फुट का कार्यक्षेत्र है और बहु-प्रक्षेपण यान के डिजाइन, विकास, एकीकरण और परीक्षण के लिए हर महीने एक आर्बिटल रॉकेट बनाने में सक्षम है। स्काईरूट भारत की अग्रणी निजी अंतरिक्ष कंपनी है, जिसकी स्थापना पवन चंदना और भरत ढाका ने की है, जो भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) के पूर्व-छात्र, इसरो के पूर्व वैज्ञानिक और अब उद्यमी हैं। नवंबर 2022 में, स्काईरूट ने अपना सब-ऑर्बिटल रॉकेट, विक्रम-एस का प्रक्षेपण किया, जिससे वह अंतरिक्ष में रॉकेट लॉन्च करने वाली पहली भारतीय निजी कंपनी बन गई।

ब्रीफ न्यूज

वारपोरा में जामिया इस्लामिया इंस्टीट्यूट पर पुलिस का छापा

श्रीनगर। प्रतिबंधित संगठन जमात-ए-इस्लामी से जुड़े सदस्यों और संगठनों के खिलाफ गुरुवार को की गई कार्रवाई के तहत हंदवारा पुलिस ने वारपोरा में जामिया इस्लामिया इंस्टीट्यूट पर छापा मारा। पुलिस के मुताबिक तलाशी के दौरान कई इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, दस्तावेज और रिकॉर्ड जब्त किए गए हैं। ऑपरेशन का मकसद संस्थान के कार्यों की जांच करना और प्रतिबंधित जमात से इसके संभावित जुड़ाव की पुष्टि करना है। पुलिस ने कहा, आतंकवाद के तंत्र को तोड़ने के लिए भविष्य में भी ऐसे अभियान जारी रहेंगे।

दिल्ली विस्फोट: मुख्य आरोपी बिलाल वानी 7 दिन की रिमांड पर

श्रीनगर। एनआईए ने गुरुवार को दिल्ली कार बम विस्फोट के मुख्य आरोपी जसीर बिलाल वानी को सात दिन की रिमांड पर ले लिया। दिल्ली की एक स्पेशल कोर्ट ने वानी को सात दिन की हिरासत में भेजने का फैसला किया। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के काजीगुंड के रहने वाले वानी को एनआईए ने 17 नवंबर को श्रीनगर से गिरफ्तार किया था। एजेंसी का दावा है कि वानी ने आतंकवादी गतिविधियों के लिए ड्रोन में टेक्निकल बदलाव किए और रॉकेट बनाने की भी कोशिश की ताकि उनका इस्तेमाल हमलों में किया जा सके।

दिव्यांगों का अपमान रोकने को एससी-एसटी जैसा सख्त कानून बनाने पर विचार करे केंद्र

शीर्ष कोर्ट ने दिया निर्देश, सूचना प्रसारण मंत्रालय ने दिया जल्द ही नियम बनाने का आश्वासन

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने दिव्यांगजनों की गरिमा की रक्षा के लिए एक सख्त कानून की आवश्यकता पर जोर दिया और बृहस्पतिवार को केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वह दिव्यांगजनों के खिलाफ उनका मजाक उड़ाने वाले और अपमानजनक बयान देने वालों के खिलाफ एससी/एसटी एक्ट जैसा दंडनीय कानून बनाने पर विचार करे।

एससी/एसटी एक्ट, 1989 अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति समुदायों के लोगों के खिलाफ किए जाने वाले जातिसूचक अपशब्दों, भेदभाव, अपमान और हिंसा को अपराध मानता है तथा इस कानून के तहत ऐसे मामले गैरजमानती होते हैं। सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने केंद्र की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा, एससी-एसटी अधिनियम में जातिसूचक टिप्पणियों को अपराध माना गया है और सजा का प्रावधान है, उसी तरह का कठोर कानून आप दिव्यांग लोगों के लिए क्यों नहीं ला सकते। मेहता ने भी कोर्ट की इस टिप्पणी की सराहना की।

पीठ को सूचना प्रसारण मंत्रालय ने बताया कि दिव्यांगों के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियों और उनका मजाक उड़ाने जैसे मामलों से निपटने के लिए कुछ दिशा-निर्देश तैयार किए जा रहे हैं। पीठ ने मंत्रालय से कहा कि वह इन्हें चर्चा के लिए सार्वजनिक करे। अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट दुर्लभ 'स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी' रोग से पीड़ितों के लिए काम करने वाले 'मेसर्स एसएमए क्योर फाउंडेशन' की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें 'इंडियाज गॉट लेटेंट' के होस्ट समय रैना और उसके सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर साथियों की ओर से किए गए मजाकिया बयानों को उठाया गया है।

दंड : दिव्यांगों की सफलता पर करने होंगे प्रोग्राम

पीठ ने हास्य कलाकार रैना और अन्य को भविष्य में आचरण के प्रति सावधान रहने का निर्देश देते हुए दिव्यांगजनों की सफलता की कहानियों के बारे में हर महीने दो कार्यक्रम आयोजित करने का निर्देश दिया, ताकि दिव्यांगों, विशेषकर एसएमए से पीड़ित लोगों के उपचार के लिए धन जुटाया जा सके। पीठ ने कहा कि यह सामाजिक दंड का हिस्सा है और उन्हें अन्य दंडात्मक उपायों से छूट दी गई है। उन्हें दिव्यांगों के बारे में उनके असंवेदनशील चुटकुलों के लिए क्षतिपूर्ति के रूप में ऐसा करने के लिए कहा गया है। सीजेआई ने कहा कि इन्फ्लुएंसर्स एसएमए जैसी दुर्लभ बीमारियों के पीड़ितों को समय पर उपचार प्रदान करने के मकसद से धन जुटाने के लिए अपने मंचों पर सक्षम व्यक्तियों को आमंत्रित कर सकते हैं।

एसआईआर पर कोर्ट ने पूछा सवाल...

क्या आधार रखने वाले घुसपैठियों को भी वोट देने का अधिकार मिलना चाहिए

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एसआईआर प्रक्रिया की संवैधानिक वैधता पर सुनवाई के दौरान गुरुवार को पूछा, क्या ऐसे लोग जो गैरकानूनी तरीके से भारत में आए हैं और जिनके पास कल्याणकारी योजनाओं के लाभों को लेने के लिए आधार कार्ड हैं, उन्हें भी वोट देने का हक होना चाहिए। सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने अलग-अलग राज्यों की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह बात कही।

यह टिप्पणी पश्चिम बंगाल और केरल की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल के इस तर्क के बाद आई कि आधार कार्ड होने के बावजूद मतदाताओं को बाहर रखा जा रहा है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने साफ किया कि आधार का मकसद इसे बनाने वाले कानून के तहत योजनाओं का लाभ पाने तक सीमित है। उन्होंने पूछा, मान लीजिए कि पड़ोसी देशों से लोग यहां आते हैं और यहां रिक्शा चलाने या मजदूरी करने लगते हैं। अगर आप आधार कार्ड इसलिए जारी करते हैं ताकि उन्हें सब्सिडी वाला राशन मिल सके, तो यह हमारे संवैधानिक मूल्यों के हिसाब से है। लेकिन क्या इसका मतलब यह है कि क्योंकि उन्हें यह फायदा दिया गया है तो अब उन्हें वोटर भी बना देना चाहिए।

बिहार में मतदाता सूची से नाम हटाने को लेकर जताई गई चिंताओं पर सीजेआई ने कहा कि बड़े पैमाने पर मीडिया कवरेज ने एसआईआर प्रक्रिया को पूरे राज्य में मशहूर कर दिया है। अगर दूरदराज के इलाकों के लोगों को जानकारी थी कि नई लिस्ट आ रही है तो क्या कोई कह सकता है कि उन्हें पता नहीं था। अधिवक्ता सिब्बल की इस बात पर कि एसआईआर प्रक्रिया का बोझ मतदाताओं पर नहीं पड़ना चाहिए और सॉफ्टवेयर फर्जी मतदाताओं का असरदार तरीके से पता लगा सकता है, न्यायमूर्ति बागची ने कहा कि तकनीकी उपकरण मृत मतदाताओं की पहचान नहीं कर सकते।

प्रदेश में रोहिंग्या और बांग्लादेशियों की पहचान के लिए चलेगा अभियान

- सरकार ने जारी किया आदेश, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, बदायूं में चलेगा सर्च ऑपरेशन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : राज्य सरकार ने प्रदेश में रोहिंग्या और बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान करने के लिए एक बड़ा अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। सरकार की तरफ से जारी निर्देश में खासतौर पर बरेली, पीलीभीत, बदायूं और शाहजहांपुर जिलों का जिक्र किया गया है और इन जिलों के अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में अवैध रूप से रह रहे रोहिंग्या और बांग्लादेशियों की पहचान को लेकर सर्च अभियान चलाने को कहा गया है। इस अभियान में मदद के लिए दूसरे राज्यों से भाषा विशेषज्ञ भी बुलाए जाएंगे।

बीते दिनों मुख्यमंत्री ने घुसपैठियों की तलाश करके उन्हें वापस भेजने और पहचान का सत्यापन होने तक उन्हें जिला स्तर पर अस्थाई हिरासत केंद्र में रखने का निर्देश दिया था। जिलाधिकारियों को अस्थाई हिरासत केंद्र बनाने के भी निर्देश दिए थे। ताजा निर्देश इसी क्रम में जारी किए गए है। संवेदनशीलता की नजर से बरेली के कमिश्नर और मंडल के सभी डीएम को खासतौर पर इस बारे में निर्देश जारी किए गए हैं। बरेली के कमिश्नर भूपेंद्र एस. चौधरी ने अपने अधीन सभी डीएम को अस्थाई हिरासत केंद्र बनाने का निर्देश भी दे दिया है।

आधार को जन्मतिथि प्रमाणपत्र न माना जाए

लखनऊ। नियोजन विभाग ने सभी विभागों के प्रमुख सचिवों और अपर मुख्य सचिवों को आदेश दिया है कि आधार कार्ड को जन्म तिथि प्रमाण के रूप में न स्वीकार किया जाए। ये आदेश भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण के पत्र के आधार पर दिया गया है। इसमें कहा गया था कि आधार में दर्ज जन्मतिथि अनुमानित होती है।, इसे प्रमाणिक नहीं माना जा सकता। नियोजन विभाग के विशेष सचिव अमित सिंह की ओर से जारी शासनादेश में कहा गया है कि गाइडलाइन के बावजूद कई विभाग आधार को जन्मतिथि प्रमाण स्वीकार कर रहे हैं। शासन का निर्देश है कि किसी भी सरकारी प्रक्रिया में नियुक्ति, प्रमोशन, सेवा रजिस्टर संशोधन या अन्य संवेदनशील दस्तावेजों में आधार को जन्मतिथि का प्रमाण न माना जाए।

मेडिकल कॉलेजों से जुड़े रिश्वतखोरी मामले में 10 राज्यों में ईडी के छापे

नई दिल्ली, एजेंसी

- राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग और स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों पर हैं रिश्वतखोरी के आरोप

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बृहस्पतिवार को देश के कुछ मेडिकल कॉलेजों से जुड़े रिश्वतखोरी और नियामक ढांचे में हेरफेर के मामले में धनशोधन जांच के तहत दस राज्यों में एक साथ छापेमारी की। अधिकारियों के मुताबिक जिन स्थानों पर छापे मारे गए हैं, उनमें मेडिकल कॉलेजों के सात परिसर और कुछ निजी लोगों के ठिकानें शामिल हैं। मामला राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय समेत कई सरकारी अधिकारियों को रिश्वत देने के आरोपों से संबंधित है।

ईडी की टीमों ने बृहस्पतिवार को आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, राजस्थान, बिहार, उत्तर प्रदेश और दिल्ली में लगभग 15 स्थानों पर एक साथ छापे मारे और तलाशी लेना शुरू किया। अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत की जा रही है। इसी मामले में सीबीआई ने 30 जून को प्राथमिकी दर्ज की थी, जिसमें आरोप था कि मेडिकल कॉलेजों के निरीक्षण से संबंधित गोपनीय जानकारी मेडिकल कॉलेजों से संबंधित प्रमुख प्रबंधकीय व्यक्तियों और बिचौलियों को देने के बदले में राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) के अधिकारियों सहित कई सरकारी अधिकारियों को रिश्वत दी गई थी। इससे उन्हें मापदंडों में हेरफेर करने और मेडिकल कॉलेजों में शैक्षणिक पाठ्यक्रम चलाने के लिए अनुमोदन प्राप्त करने में मदद मिली।

विंजो के दो संस्थापकों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली/बेंगलुरु। ईडी ने ऑनलाइन गेमिंग मंच विंजो की संस्थापक सौम्या सिंह राठौर और पावन नंदा को धनशोधन के आरोप में गिरफ्तार किया है। एजेंसी के जोनल कार्यालय में बुधवार को पूछताछ के बाद उन्हें बेंगलुरु में गिरफ्तार किया गया। उन्हें उसी रात बेंगलुरु की एक अदालत में पेश किया गया जहां से उन्हें एक दिन की हिरासत में भेज दिया गया। ईडी की ओर से सोमवार को जारी एक बयान में कहा गया था कि कंपनी ने 43 करोड़ रुपये अपने पास रखे थे, जिसे आदर्श रूप से 'गेमर्स' को वापस किया जाना चाहिए था क्योंकि भारत ने हाल ही में वास्तविक धन वाले गेमिंग (आरएमजी) पर प्रतिबंध लगा दिया था।

असम में बहुविवाह पर प्रतिबंध का रास्ता साफ

गुवाहाटी, एजेंसी

- विधानसभा में पारित हुआ विधेयक, एसटी व छठी अनुसूची में आने वाले क्षेत्र दायरे में नहीं

असम विधानसभा ने बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाने के लिए एक विधेयक बृहस्पतिवार को पारित किया, जिसके तहत इसे अपराध माना जाएगा और कुछ अपवादों को छोड़कर इसके लिए अधिकतम 10 वर्ष की कैद हो सकती है। विधेयक में अनुसूचित जनजाति (एसटी) श्रेणी के लोगों और छठी अनुसूची के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों को कानून के दायरे से बाहर रखा गया है।

असम बहुविवाह निषेध विधेयक, 2025 के पारित किए जाने के दौरान मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि यह कानून धर्म से परे है और इस्लाम के खिलाफ नहीं है जैसा कि एक वर्ग द्वारा माना जा रहा है। शर्मा के पास गृह और राजनीतिक विभागों का भी प्रभार है। उन्होंने कहा, हिंदू भी बहुविवाह से मुक्त नहीं हैं। यह हमारी भी जिम्मेदारी है। इस विधेयक के दायरे में हिंदू, मुस्लिम, ईसाई और सभी अन्य समाजों के लोग आएंगे। मुख्यमंत्री द्वारा सभी विपक्षी सदस्यों से अपने-अपने संशोधन वापस लेने का अनुरोध किया गया ताकि सदन में यह संदेश जाए कि महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए विधेयक सर्वसम्मति से पारित हो गया है। शर्मा के अनुरोध के बावजूद ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने अपने संशोधन सुझाव आगे बढ़ाए, जिन्हें ध्वनि मत से खारिज कर दिया गया।

86,000 तक पहली बार सेंसेक्स

मुंबई, एजेंसी

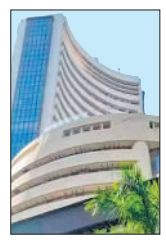

- निफ्टी भी पहली बार 26,300 के अंक तक पहुंचने में कामयाब
- आखिर में सेंसेक्स 85,720 और निफ्टी 26,215 पर हुआ बंद

आईटी, निजी बैंकिंग और वित्तीय कंपनियों में लिवाली से गुरुवार को घरेलू शेयर बाजारों में लगातार दूसरे दिन तेजी रही। इस दौरान बीएसई के सेंसेक्स पहली बार 86,000 अंक के अपने शिखर तक पहुंचा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक पहली बार 26,300 अंक तक पहुंचने में कामयाब रहा।

बाजार की शुरुआत गुरुवार को बढ़त के साथ हुई और बीच कारोबार में एक समय सेंसेक्स 446 अंक उछलकर 86,055.86 अंक पर पहुंच गया था। अंत में यह 110.87 अंक की बढ़त में 85,720.38 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी-50 सूचकांक भी बीच 105 अंक चढ़कर 26,310.45 अंक पर पहुंचा, लेकिन अंत में 10.25 अंक ऊपर 26,215.55 अंक पर बंद हुआ।

- दोनों सूचकांकों के लिए ये दूसरे सबसे ऊंचे बंद स्तर हैं। इससे पहले इनका ऐतिहासिक उच्चतम स्तर 24 सितंबर 2024 को दर्ज किया गया था।

उद्गार

मुख्यमंत्री योगी ने गाजियाबाद के तरुण सागरम् तीर्थ मुरादनगर में गुफा मंदिर का किया शुभारंभ

भारत की परंपरा संतों-महापुरुषों के त्याग-बलिदान की गाथा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- बोले- राम मंदिर में पूरी दुनिया ने भारत के सनातन वैभव को देखा

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत की परंपरा संतों, ऋषि-मुनियों व महापुरुषों के त्याग-बलिदान की महागाथा है। भारत के अंदर आज भी पवित्र उपासना विधियां श्रद्धाभाव के साथ कार्य करते हुए इस व्यवस्था को बढ़ा रही हैं।

कहा, तीन दिन पहले अयोध्या में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर के निर्माण कार्य को पूरा करने के महायज्ञ की पूर्णाहुति कार्यक्रम के साथ भगवा ध्वज का आरोहण संपन्न हुआ। देश के साथ पूरी दुनिया ने भारत के इस सनातन वैभव को देखा और अनुभव किया।

सीएम योगी गुरुवार को तरुण सागरम् तीर्थ, मुरादनगर (गाजियाबाद) पहुंचे। उन्होंने यहां पंचकल्याणक महामहोत्सव के अंतर्गत 100 दिन में निर्मित गुफा मंदिर का उद्घाटन किया। योगी ने भगवान पार्श्वनाथ जी और संत तरुण सागर जी महाराज का स्मरण किया। सीएम ने 'मेरी बिटिया' व 'अंतर्मना दिव्य मंगल पाठ' पुस्तक का विमोचन भी किया। योगी ने कहा कि ऋषि-मुनि परंपरा ने जो संदेश दिया है, हम उसे आत्मसात करते हैं तो यह विश्व मानवता के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है। उन्होंने कहा कि आचार्य प्रसन्न सागर जी महाराज व उपाध्याय मुनि पीयूष सागर जी महाराज की दिनचर्या को देखा। 557 दिन की कठोर साधना, 496 दिन का निर्जल उपवास, तप, अनुशासन व आत्मसंयम का अद्भुत उदाहरण देखने को मिला है। यह चीजें दिखाती हैं कि यदि हम संकल्प ले लें तो जो कुछ हमें बाहर दिखाई दे रहा है, वह सब कुछ इस शरीर में अनुभव होते हुए भी दिखाई देगा। प्रसन्न सागर जी महाराज की साधना के माध्यम से यह देखने व अनुभव करने का अवसर प्राप्त हुआ है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तरुण सागरम् तीर्थ में गुफा मंदिर का किया शुभारंभ।

सिक्योरिटी क्लियरेंस लेकर उद्घाटन की तैयारी करें

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को गौतम बुद्ध नगर के जेवर में निर्माणाधीन नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का निरीक्षण किया। इसके बाद उन्होंने शीघ्रातिशीघ्र सिक्योरिटी क्लियरेंस प्राप्त करने के साथ संबंधित एजेंसियों को उद्घाटन समारोह की तैयारियां पूरी करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने पाया कि एयरपोर्ट को अभी तक एयरोड्रम लाइसेंस प्राप्त नहीं हुआ है। उन्होंने निर्देश दिया कि ब्यूरो आफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी और सीआईएसएफ अधिकारियों के साथ समन्वय बनाकर सभी सुरक्षा मानकों को तत्काल पूरा किया जाए और शीघ्रातिशीघ्र सिक्योरिटी क्लियरेंस प्राप्त करने की प्रक्रिया पूरी की जाए।

- नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के निर्माण कार्यों की समीक्षा

अमृत विचार

कानपुर, शुक्रवार, 28 नवंबर 2025

जंबूरी में देश-विदेश की लड़कियों ने दिखाया हुनर, बनी वैश्विक पहचान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- लड़कियों की भागीदारी आयोजन की उपलब्धि के तौर पर दर्ज की जा रही

अमृत विचार: राजधानी के डिफेंस एक्सपो ग्राउंड में आयोजित 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी में एशिया-प्रशांत देशों व देश के कोने-कोने से 32,000 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए। इस दौरान लड़कियों की भागीदारी भी खास रही जो इस आयोजन की उपलब्धि के तौर पर दर्ज की जा रही है।

प्रतिभागी लड़कियों ने अभूतपूर्व आत्मविश्वास के साथ नेतृत्व किया, जो भारत की स्काउटिंग और गाइडिंग के लिए एक सकारात्मक परिवर्तन का प्रतीक है। आयोजन के दौरान, युवा स्काउट्स और गाइड्स ने हाई रोप चैलेंजेस, ग्राउंड-लेवल साहसिक गतिविधियों, रचनात्मक कला क्षेत्रों और आधुनिक क्षमताओं को विकसित करने के लिए डिजाइन की गई कई वर्कशॉप्स में उत्साहपूर्वक भाग लिया। जिसमें से कृत्रिम बुद्धिमत्ता, नवाचार, नेतृत्व और प्रौद्योगिकी के सत्रों में प्रतिभागी लड़कियों ने पूरे उत्साह के साथ भागीदारी की। जंबूरी को वैश्विक आयाम प्रदान करते हुए, सऊदी अरब, मालदीव, श्रीलंका, पोलैंड, अमेरिका, बांग्लादेश, मलेशिया और नेपाल से आये प्रतिनिधिमंडल भी शामिल हुए हैं। जिनमें से कई देशों की लड़कियों की मजबूत टुकड़ियां भी शामिल रहीं।

लखनऊ के डिफेंस एक्सपो ग्राउंड में आयोजित 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी में आयोजित गतिविधियों में शामिल प्रतिभागी।

गांवों में लगने वाले मेलों को भव्य बनाएगा बजट

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- नगर की तरह ग्राम पंचायतों को बजट देने की तैयारी
- पंचायती राज निदेशालय ने मांगी मेलों की रिपोर्ट

अमृत विचार : ग्रामीण मेलों के लिए ग्राम पंचायतों को बजट देने की तैयारी है, ताकि आयोजनों और भव्य तरीके से मनाया जा सके। पंचायती राज निदेशालय ने प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों से ऐसे 50 हजार से अधिक लोगों के शामिल होने वाले पारंपरिक मेलों की रिपोर्ट मांगी है, जो शासन को भेजी जाएगी।

ग्राम पंचायतों में गंगा स्नान मेला, महाशिवरात्रि एवं श्रावण मास मेला, जन्माष्टमी मेला, दशहरा मेला समेत अन्य पारंपरिक मेले आयोजित होते हैं। इनके लिए ग्राम पंचायतों के पास बजट नहीं होता। न ही वित्तीय संसाधन जुटा पाते हैं। वर्षों से चंदा व अन्य स्रोत से आयोजन होते आ रहे हैं। इन मेलों के लिए कोई बजट व प्राविधान नहीं है। जबकि नगर के नियम हैं और बजट की व्यवस्था है। ठीक नगर की तरह ग्राम पंचायतों में मेला के लिए बजट और नियम सरकार बना रही है। ताकि चंदा न करके बजट से पारंपरिक आयोजन भव्य तरीके से कराए जा सकें।

न्यूज ब्रीफ

इप्सेफ ने पीएम को दोबारा भेजा पत्र

अमृत विचार, लखनऊ : इंडियन पब्लिक सर्विस इंप्लाइज फेडरेशन (इप्सेफ) के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीपी मिश्र ने प्रधानमंत्री मोदी से आग्रह किया है कि देशभर के सरकारी कर्मचारी-शिक्षकों की समस्याओं का मिल बैठकर समाधान निकाला जाए। कर्मचारियों में निरंतर असंतोष बढ़ता जा रहा है। पढ़े-लिखे युवा वर्ग को आउटसोर्सिंग के माध्यम से रोजगार तो दिया जा रहा है, परंतु उन्हें जीने लायक वेतन व अन्य जीवन-यापन सुविधा नहीं मिल पा रही हैं। इप्सेफ की ओर से प्रधानमंत्री को दोबारा पत्र भेजा गया है। इप्सेफ अध्यक्ष ने गुरुवार को पत्र के माध्यम से प्रधानमंत्री मोदी से मांग की है कि यूपीएस-एनपीएस को समाप्त कर पुरानी पेंशन बहाल की जाए। देशभर के शिक्षकों को टीईटी परीक्षा से मुक्ति दिलाएं। आउटसोर्स कर्मचारी को पदवार न्यूनतम वेतन व अन्य सुविधाएं तथा रिक्त पदों पर नियुक्तियों में वरीयता दी जाए।

पीएफ सेवा शिविरों में सुनी शिकायत

अमृत विचार, लखनऊ : कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ की ओर से निधि आपके निकट 2.0 कार्यक्रम के अंतर्गत लखनऊ, हरदोई, सीतापुर, उन्नाव, रायबरेली और लखीमपुर खीरी समेत छह जनपदों में व्यापक पीएफ सेवा शिविरों का सफल आयोजन किया गया। इन शिविरों का उद्देश्य क्षेत्र के पीएफ सदस्यों, पेंशनरों और नियोक्ताओं की शिकायतों का स्थल पर ही निस्तारण करना तथा सेवाओं को सीधे हितधारकों तक पहुंचाना रहा। हरदोई के संडीला स्थित बालाजी वेफर्स परिसर में आयोजित विशेष शिविर में क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त प्रथम अश्विनी कुमार गुप्ता ने उपस्थित होकर प्राप्त शिकायतों की सुनवाई की और त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

17 जिलों में 50 प्रतिशत काम पूरा

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश के 17 जिलों में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन का 50 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। इन जिलों में औरैया, अम्बेडकरनगर, चित्रकूट, बाराबंकी, पीलीभीत, सहारनपुर, अमरोहा, मुरादाबाद, बस्ती, रामपुर, चंदौली, संतकबीरनगर, सिद्धार्थनगर, बरेली, आजमगढ़, फिरोजाबाद और एटा शामिल है, जहां 50 प्रतिशत से अधिक डिजिटाइजेशन का कार्य पूरा किया जा चुका है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि राज्य में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन का कार्य तेज गति से प्रगति पर है।

किसानों को अनुदान पर दिए जाएंगे सोलर पंप

40521 सोलर पंप का होगा वितरण, 15 तक करें आवेदन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: राज्य सरकार पीएम कुसुम योजना के तहत प्रदेश के किसानों को अनुदान पर 40521 सोलर पंप उपलब्ध कराने जा रही है। इसका लाभ लेने के लिए किसानों को 15 दिसंबर तक कृषि विभाग की वेबसाइट www.agriculture.up.gov.in पर आवेदन करना होगा। अनुदान पर सोलर पंप उन्हीं किसानों को मिलेगा, जो विभाग की इस वेबसाइट पर पंजीकृत होंगे। किसानों का चयन ई-लॉटरी के जरिए होगा।

इस योजना में किसानों को 9 प्रकार के सोलर पंप पर केंद्र व राज्य सरकार द्वारा अनुदान के रूप में बड़ी राशि की छूट मुहैया कराई जा रही है। इसमें केंद्र व राज्य सरकार का अलग-अलग अंश भी होगा। 2 एचपी डीसी, एसी सरफेस पंप पर राज्य सरकार द्वारा 56737 रुपये व केंद्र सरकार द्वारा 41856 रुपये का अनुदान मुहैया कराया जायेगा। दोनों पंपों पर कुल 98593 रुपये अनुदान स्वरूप किसानों को प्रदान मिलेंगे। 2 एचपी डीसी सबमर्सिबल पंप पर केंद्रांश व राज्यांश के रूप में किसानों को 1,00,215 रुपये का अनुदान प्राप्त होगा। 2 एचपी एसी सबमर्सिबल पंप 99,947 रुपये का अनुदान उपलब्ध कराया जाएगा।

3 एचपी डीसी सबमर्सिबल पंप पर 1,33,621 रुपये व 3 एचपी एसी सबमर्सिबल पंप पर 1,32,314 रुपये का अनुदान मिलेगा। इसमें राज्य की ओर से 77,618 रुपये व केंद्र सरकार की ओर से 54696 रुपये का अनुदान प्राप्त होगा। 5 एचपी एसी सबमर्सिबल पंप पर 1,88,038 रुपये का अनुदान किसानों को प्राप्त होगा। वहीं 7.5 एचपी एसी व 10 एचपी एसी सबमर्सिबल पंप पर किसानों को अलग-अलग अनुदान के रूप में सर्वाधिक 2,54,983 रुपये का लाभ मिलेगा। दोनों पंपों पर अलग-अलग अनुदान भी मिलेगा।

राज्य सरकार द्वारा 1,40,780 व केंद्र सरकार द्वारा 1,14,203 रुपये का अनुदान पंजीकृत किसानों को उपलब्ध कराया जाएगा।

प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा व उत्थान महाभियान (पीएम कुसुम) के अंतर्गत योगी सरकार ने किसानों से 15 दिसंबर तक आवेदन करने की अपील की है। किसानों को अनुदान पर सोलर पंप की ऑनलाइन बुकिंग www.agriculture.up.gov.in पर जाकर 'अनुदान हेतु सोलर पंप की बुकिंग करें' लिंक पर जाकर करनी होगी। ऑनलाइन बुकिंग के साथ किसानों को टोकन मनी के रूप में पांच हजार रुपये जमा करने होंगे। बुकिंग कन्फर्म होने के बाद पंजीकृत मोबाइल पर किसानों को सूचना प्राप्त हो जाएगी। इसके बाद किसानों को अनुदान के बाद बची अवशेष धनराशि ऑनलाइन जमा करनी होगी।

सत्यापन में बोरिंग न मिली तो धनराशि होगी जब्त

कृषि विभाग के मुताबिक, किसानों द्वारा बैंक से ऋण लेकर किसान अंश जमा करने पर कृषि अवस्थापना निधि (एआईएफ) के अंतर्गत केंद्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा तीन-तीन फीसदी (कुल छह फीसदी) की छूट ब्याज में प्रदान किए जाने का प्रावधान है। विभाग के मुताबिक 2 एचपी के लिए 4 इंच, 3 व 5 एचपी के लिए छह इंच व 7.5 एचपी व 10 एचपी के लिए 8 इंच की बोरिंग अनिवार्य है। यह बोरिंग स्वयं किसान की होगी। सत्यापन के समय बोरिंग न पाए जाने पर टोकन मनी की धनराशि जब्त होगी और आवेदन निरस्त माना जा सकता है।

फर्जी अंकपत्र मामले में पूर्व रजिस्ट्रार की भूमिका संदिग्ध

मंडलायुक्त बस्ती की जांच में खुलासा, शासन को भेजी गई रिपोर्ट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कुशीनगर में आलिम परीक्षा के टेबुलेशन रजिस्टर-2014 में सिर्फ 45 परीक्षार्थी के नाम

अमृत विचार: मदरसा शिक्षा परिषद में वर्ष 2014 के आलिम और कामिल अरेबिक परीक्षाओं से जुड़े फर्जी अंकपत्र प्रकरण में मंडलायुक्त बस्ती की जांच रिपोर्ट ने पूरे सिस्टम पर सवाल खड़ा कर दिया है। इस मामले में तत्कालीन रजिस्ट्रार जगमोहन सिंह बिष्ट की भूमिका भी संदिग्ध पाई गई। मंडलायुक्त बस्ती अखिलेश सिंह ने शासन को इसकी विस्तार से रिपोर्ट भेजी। जिसमें मदरसा गौसिया फैजुल उलूम मझहरवा कुशीनगर द्वारा पेश की गई टेबुलेशन रजिस्टर-2014 में केवल 45 परीक्षार्थियों के नाम व अनुक्रमांक दर्ज थे। जिसमें साबिर अली अंसारी का नाम और उनका अनुक्रमांक 4050266 मौजूद नहीं था। कामिल अरेबिक तृतीय वर्ष में भी जाकिर हुसैन का नाम तो दर्ज मिला, लेकिर परिणाम में फेल दर्शाया गया था। इसके बाद रजिस्ट्रार कार्यालय की प्रस्तुत टेबुलेशन रजिस्टर में उसे पास दिखाया गया।

रजिस्ट्रार कार्यालय से उपलब्ध टेबुलेशन रजिस्टर (टीआर) पर न किसी सक्षम अधिकारी के हस्ताक्षर थे, न पेज नंबरिंग, न प्रमाणीकरण था। लगता है कि यह दस्तावेज किसी आधिकारिक प्रक्रिया से गुजरा ही न हो। इसके विपरीत मदरसा प्रधानाचार्य द्वारा भेजी गई टीआर पूरी तरह हस्ताक्षरित और सत्यापित थी। प्रस्तुत अंकपत्रों पर भी परिषद कर्मियों के हस्ताक्षरों के बजाय मदरसा लिपिक अनवर हुसैन और प्रधानाचार्य अब्दुल शकूर के हस्ताक्षर मिले। इससे साफ है कि अंकपत्र कूटरचित थे। इन्हें मदरसे के भीतर ही तैयार किया गया। इस पूरे मामले में संदिग्ध पहलू तत्कालीन रजिस्ट्रार जगमोहन सिंह बिष्ट की कार्यशैली रही। 8 जुलाई 2022 को उनके कार्यालय द्वारा दोनों अंकपत्रों को असत्य बताते हुए पत्र जारी किया गया। मात्र 18 दिन बाद 26 जुलाई 2022 को वहीं रजिस्ट्रार ने इन अंकपत्रों को सत्य घोषित कर दिया। संबंधित कनिष्ठ सहायक ने टिप्पणी बदलकर इसे "टंकण त्रुटि" बताया, लेकिन न तो इस बदलाव के पीछे कोई तथ्य थे और न कोई कारण। तत्कालीन रजिस्ट्रार जगमोहन सिंह बिष्ट ने इस असंगति पर कोई सवाल उठाना तो दूर, बिना किसी जांच-पड़ताल के संशोधित सत्यापन आख्या पर हस्ताक्षर कर दिए। जांच रिपोर्ट ने इसे साफ शब्दों में "किसी कार्य के पश्चात विचार" की श्रेणी में रखा और कहा कि यह बदलाव न तो स्वाभाविक था, न प्रक्रियात्मक।

खुद को बताते हैं मुख्यमंत्री का सहपाठी

विभाग में इस बात की चर्चा है कि पूर्व रजिस्ट्रार व वर्तमान उपनिदेशक मुरादाबाद स्वयं को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सहपाठी बताते हैं। प्रशासनिक गलियारों और विभाग में इसी के दम पर अपनी धौंस दिखाते हैं। पूर्व रजिस्ट्रार जगमोहन सिंह बिष्ट का विवादों से पुराना नाता है। कई मामलों में उन पर गंभीर आरोप लग चुके हैं।

परीक्षा संबंधित अभिलेख मुख्यालय पर नहीं

जांच में यह सामने आया कि वर्ष 2014 की परीक्षाओं से संबंधित आवेदन पत्र, उत्तरपुस्तिकाएं और अन्य अभिलेख जिला मुख्यालय पर उपलब्ध ही नहीं हैं। परिषद के रजिस्ट्रार जगमोहन सिंह बिष्ट से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि अभिलेख "बेंडर को दे दिए गए थे और वापस नहीं मिले" जांच रिपोर्ट में न केवल असंतोषजनक बताया गया, बल्कि इसे गंभीर लापरवाही का उदाहरण माना गया। ऐसे अप्रमाणिक, बिना हस्ताक्षर वाले अभिलेखों के आधार पर तत्कालीन रजिस्ट्रार का दो-दो सत्यापन जारी करना उनकी भूमिका को और अधिक संदिग्ध बनाता है। इन तथ्यों के आधार पर प्रदेश शासन ने रजिस्ट्रार जगमोहन सिंह बिष्ट को 12 फरवरी 2024 को निलंबित कर दिया। उनके खिलाफ अनुशासनिक कार्यावाही का आदेश दिया। हालांकि बाद में जांच जारी रहते हुए जगमोहन सिंह बिष्ट को बहाल कर दिया गया। साथ ही उपनिदेशक मुरादाबाद के पद पर तैनाती दे दी गई।

यूपी पवेलियन के स्टालों से जमकर खरीदारी

अमृत विचार, लखनऊ: इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर (आईआईटीएफ) 2025 का गुरुवार को समापन हो गया। इस बार लगभग 150 से अधिक स्टॉलों के माध्यम से प्रदेश के उत्पादों का प्रदर्शन किया गया, जिससे लगभग 5 करोड़ रुपये की बिक्री। दरअसल, पिछले कुछ दिनों में आयोजित प्रदर्शन के दौरान लखनऊ की चिकनकारी, फिरोजाबाद का ग्लास वर्क, वाराणसी की रेशमी साड़ियां, सहारनपुर की लकड़ी की कारीगरी, भदोही-मिर्जापुर की कालीनें, खुर्जा की सिरेमिक्स और अलीगढ़ के मेटल उत्पादों ने दर्शकों को प्रदेश की विविध शिल्प पहचान से परिचित कराया। एमएसएमई मंत्री राकेश सचान ने मेले के समापन के अवसर पर इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर (आईआईटीएफ) 2025 में उत्तर प्रदेश पवेलियन का दौरा किया। मंत्री ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली इकाईयों व भागीदारों को पुरस्कृत भी किया।

इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर में उत्पादों को देखते हुए मंत्री राकेश सचान।

विद्यालयों में अर्द्धवार्षिक परीक्षाएं अब 10 से

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- एसआईआर के दबाव में बेसिक शिक्षा विभाग ने बदली तारीख

अमृत विचार : प्रदेश के बेसिक शिक्षा विभाग ने एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) प्रक्रिया के चलते परिषदीय विद्यालयों (कक्षा 1 से 8 तक) की अर्द्धवार्षिक परीक्षाओं का कार्यक्रम बदल दिया है। पहले यह परीक्षाएं 28 नवंबर से शुरू होने वाली थीं, लेकिन अब संशोधित तिथि के अनुसार परीक्षाएं 10 दिसंबर से आयोजित की जाएंगी। बेसिक शिक्षा विभाग के निदेशक द्वारा नई परीक्षा तिथि का आदेश बुधवार को सभी जिलों में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को जारी कर दिया गया है।

बेसिक शिक्षा विभाग के अनुसार, एसआईआर कार्य में बड़ी संख्या में शिक्षक, बीएलओ और अन्य विद्यालय स्तर के कर्मचारी लगे हुए हैं। ऐसे में शिक्षकों की उपलब्धता कम होने और विद्यालयों में परीक्षा संचालन पर संभावित प्रभाव को देखते हुए तिथि में परिवर्तन किया गया है। अधिकारियों का कहना है कि संशोधित समय-सारिणी से विद्यालयों को तैयारी का पर्याप्त अवसर मिलेगा और परीक्षाओं का संचालन भी सुचारू तरीके से हो सकेगा।

मतदाता गणना प्रपत्रों की जानकारी उपलब्ध कराए आयोग : श्याम लाल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सपा प्रदेश अध्यक्ष ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को सौंपा ज्ञापन, अनियमितता के आरोप

अमृत विचार : सपा ने राज्य मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर एसआईआर प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं की शिकायत की है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल द्वारा भेजे गए ज्ञापन पत्र में मांग की गयी है कि जिलों में मतदाताओं को वितरित तथा वापस लिये गए गणना प्रपत्रों की पूरी जानकारी उपलब्ध कराई जाए। ताकि पार्टी के बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) छूटे हुए मतदाताओं तक पहुंचकर 4 दिसंबर 2025 से पहले फॉर्म भरवा सकें।

प्रदेश अध्यक्ष द्वारा गुरुवार को भेजे गए ज्ञापन में सभी जिलों में बीएलओ ऐप के माध्यम से सबमिट किए गए प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी और तृतीय श्रेणी के मतदाताओं से जुड़ी पूरी रिपोर्ट तत्काल प्रदान की जाने की मांग की है। साथ ही आरोप लगाए हैं कि आजमगढ़ के निजामाबाद विधानसभा क्षेत्र में मतदेय स्थल 194 पर तैनात बीएलओ ने आधे मतदाताओं को ही गणना प्रपत्र उपलब्ध कराए। वहीं अलीगढ़ में ऑनलाइन सबमिशन के दौरान गड़बड़ियां और फतेहपुर के खागा और हुसैनगंज क्षेत्रों में बीएलओ मतदाताओं तक पहुंच ही नहीं रहे हैं और अधिकांश गणना प्रपत्र गलत तरीके से श्रेणी तृतीय में भरे जा रहे हैं।

इतना ही नहीं, अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने आरोपों में यह भी बताया कि सिद्धार्थनगर के इटवा क्षेत्र में 50 प्रतिशत से अधिक बूथों पर 2003 की मतदाता सूची ही उपलब्ध नहीं है, जिसके कारण सही श्रेणी वाले मतदाताओं को भी तृतीय श्रेणी में डाला जा रहा है। शाहजहांपुर की कटरा विधानसभा में मतदेय स्थल संख्या-26 पर अभी तक गणना प्रपत्र वितरित न होने की शिकायत की गई है।

एक करोड़ मुआवजे की मांग, सपा देगी 2 लाख

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- एसआईआर के दौरान जान गंवाने वाले कर्मचारियों के समर्थन में उतरे सपा प्रमुख

अमृत विचार : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि एसआईआर कार्य में लगातार दिए जा रहे असंभव लक्ष्य को प्राप्त करने में बीएलओ कर्मचारियों में मानसिक दबाव बढ़ रहा है और कई कर्मचारी गंभीर स्थिति में पहुंच रहे हैं। भारी दबाव कर्मचारियों को जान देने को मजबूर कर रहा है। इसलिए चुनाव आयोग से अपेक्षा है कि मृतक के परिवारजनों को एक-एक करोड़ का मुआवजा मिले, साथ ही सपा दो-दो लाख रुपये का आर्थिक सहयोग पीड़ित परिवार को देगी।

अखिलेश ने भरा एसआईआर फार्म : मतदाता सूची में एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) प्रक्रिया पर लगातार सवाल उठा रहे सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने गुरुवार को स्वयं एसआईआर फॉर्म भर दिया और दूसरों को भी फॉर्म भरने की सलाह दी। फार्म भरने की जानकारी सोशल मीडिया इंस्ट्राग्राम पर साझा करते हुए उन्होंने जनमानस से अपील करते हुए कहा कि सभी लोग अपना-अपना एसआईआर कराएं, कुछ भी समस्या या गड़बड़ी दिखाई दे तो हमें सूचित करें।

कफ सिरप तस्करी में मास्टरमाइंड का करीबी गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- एसटीएफ ने लखनऊ के ग्वारी चौराहे से पकड़ा
- आरोपी से जुड़ी है झारखंड की फर्म देवकृपा

अमित सिंह

अमृत विचार : फेंसेडिल कफ सिरप तस्करी मामले में सिंडिकेट के फरार मास्टरमाइंड शुभम जायसवाल का करीबी अमित सिंह टाटा लखनऊ से गिरफ्तार हो गया। एसटीएफ के एएसपी लालप्रताप सिंह की टीम ने आरोपी को ग्वारी चौराहे के पास से दबोचा। झारखंड की देवकृपा फर्म आरोपी की बताई जा रही है। इसके पिता अशोक सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज है। सिरप कांड में उसकी तलाश एसटीएफ काफी लंबे समय से कर रही थी। गिरोह का मास्टरमाइंड वाराणसी का शुभम जायसवाल है, जो वर्तमान में दुबई भाग गया है। इस गिरोह का खुलासा सोनभद्र पुलिस ने 18 अक्टूबर को किया। इसके बाद 4 नवंबर को गाजियाबाद से सौरभ त्यागी गिरफ्तार किया गया। इसकी जानकारी होते ही शुभम विदेश भाग गया।

एसटीएफ के एएसपी लाल प्रताप सिंह के मुताबिक, अमित सिंह टाटा मूलतः जौनपुर के सुरेरी स्थित सीटूपुर गांव का रहने वाला है। वर्तमान में उसने वरूणा इंक्लेव सिकरौल कैंट में अपना ठिकाना बनाया रखा था। आरोपी के पास से मोबाइल, फार्च्युनर, आधार कार्ड व नकदी समेत कई अहम दस्तावेज बरामद किये गये हैं। फेन्सेडिल कफ सिरप व कोडीन युक्त अन्य दवाओं को नशे के रूप में प्रयोग करने हेतु इनका अवैध भंडारण एवं व्यापार करने तथा उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, बिहार, झारखण्ड, असम, पश्चिम बंगाल व बांग्लादेश में आपूर्ति करने की सूचना एसटीएफ को मिल रही थी। इस पर टीम ने साक्ष्य जुटाने शुरू किये। गिरोह का सरगना कायस्थ टोला प्रह्लाद घाट वाराणसी का शुभम जायसवाल है। वह देश छोड़कर भाग चुका है।

वाराणसी को बनाया केंद्र : एसटीएफ के अनुसार अमित ने पूछताछ में बताया कि गिरोह के सरगना के इशारे पर वाराणसी में ड्रग लाइसेंस बनवाकर फर्म खोल दी। मेरे नाम से श्री मेडिकल फर्म खुलवाई। इसका भी सारा लेन-देन शुभम जायसवाल व उसके साथी देखते थे। बनारस की फर्म में दो-तीन महीने ही फेन्सेडिल का व्यापार होना बताया। उसके बाद एबॉट कंपनी द्वारा फेन्सेडिल कफ सिरप बनाना बंद हो गई।

जांच में खुलती गई तस्करी गिरोह की परतें

एएसपी लाल प्रताप सिंह ने बताया कि 12 नवंबर को सहारनपुर के सदर बाजार स्थित शास्त्री नगर निवासी विभोर राणा व विशाल सिंह को गिरफ्तार किया गया था। उनसे पूछताछ के बाद अमित कुमार सिंह उर्फ अमित टाटा का नाम सामने आया था। जांच में सामने आया कि आजमगढ़ के नरवे निवासी विकास सिंह के जरिए वाराणसी के कायस्थ टोला प्रहलाद निवासी शुभम जायसवाल से उसकी जान-पहचान हुई थी। विकास सिंह ने बताया था कि शुभम जायसवाल का एबॉट कंपनी की फेंसेडिल कफ सीरप का शैली ट्रेडर्स के नाम से बड़ा कारोबार रांची, झारखंड में है। कोडीन युक्त फेंसेडिल कफ सीरप नशे के रूप में प्रयोग होता है, जिसकी काफी डिमांड पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश में है। धनबाद में देवकृपा मेडिकल एजेंसी के नाम से जनवरी 2024 में फर्म बनवाई थी। फर्म का सारा लेन-देन शुभम जायसवाल, उसके पार्टनर व सीए देखता था। धनबाद के बिजनेस में उसने पांच लाख रुपये लगाए थे। उसे इन लोगों ने लगभग 20-22 लाख रुपये दिए। इस दौरान धनबाद दो से तीन बार ही गया था।

प्रतिबंधित दवाओं का व्यापार करने वाली 87 फर्मों के निरस्त होंगे लाइसेंस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कोडीन युक्त कफ सिरप एवं नारकोटिक्स के अवैध व्यापार के खिलाफ एफएसडीए की कार्रवाई

अमृत विचार : मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) उप्र. ने राज्य में कोडीन युक्त कफ सिरप और अन्य नारकोटिक एवं प्रतिबन्धित श्रेणी की दवाओं के अवैध भंडारण, क्रय-विक्रय और वितरण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। राज्यव्यापी छापेमारी के दौरान सबसे ज्यादा वाराणसी में 28 फर्मों के साथ कुल 87 फर्मों एवं व्यक्तियों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई, इन सभी के लाइसेंस निरस्त करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन उप्र. आयुक्त डॉ.रोशन जैकब ने गुरुवार को बताया कि सूचना मिलने पर औषधि विभाग की टीमों ने राज्यभर में औषधि विक्रय प्रतिष्ठानों का व्यापक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान खुलासा हुआ कि कई फर्में अस्तित्व में ही नहीं हैं, केवल अवैध बिलिंग पॉइंट के रूप में संचालित हो रही हैं। उन्होंने बताया कि कई प्रतिष्ठानों में भंडारण की पर्याप्त और मानकनुरूप व्यवस्था ही नहीं थी, क्रय-विक्रय अभिलेख नहीं मिले। इसके अलावा कई प्रतिष्ठानों में प्रतिबन्धित कोडीनयुक्त कफ सिरप एवं नशीली दवाओं की अनधिकृत बिक्री हो रही थी। आयुक्त डॉ.रोशन जैकब ने बताया कि पकड़ी गई फर्मों में वाराणसी की राधिका इंटरप्राइजेज, हरी फार्मा के अमित जैसवाल समेत कुल 28 फर्में शामिल हैं, इसके अलावा जौनपुर की 12, कानुपर नगर की आठ, राजधानी लखनऊ की तीन इसके अलावा चंदौली, बहराइच, सुल्तानपुर, भदोही, प्रयागराज व गाजीपुर आदि जिलों से कुल 36 फर्मों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की गयी है।

अमृत विचार

आज का मौसम

शुक्रवार को आसमान साफ रहने की संभावना है तथा धूप खिलने से दिन का तापमान राहत भरा रहेगा।

25.0° अधिकतम तापमान	11.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06:35	सूर्यास्त 05:17

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.
•ICU •NICU DIALYSIS • MODULAR OT
दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में
सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य
117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

100 अधिकारी 72 घंटे में करेंगे 100 बूथों को संतृप्त

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान

- अपेक्षाकृत कम कार्य करने वाले बूथों पर जिलास्तरीय अफसरों की तैनाती
- राजनीतिक दलों की बैठक में बूथ एजेंटों को सक्रियता से लगाने का आह्वान

अमृत विचार। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के अंतर्गत 100 अधिकारी 100 बूथों को 72 घंटे में संतृप्त करेंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री ने अभियान के अंतर्गत जिलास्तरीय अधिकारियों को अपेक्षाकृत कम कार्य करने वाले चिन्हित 100 बूथों पर शत प्रतिशत कार्य पूर्ण कराने के लिए लगाया है। यह अधिकारी प्रतिदिन चिह्नित कमजोर बूथों पर जाकर कार्य कराएंगे। वहीं कलेक्ट्रेट सभागार में राजनीतिक दलों के साथ हुई बैठक में उन्होंने बूथ एजेंटों को सक्रियता से लगाकर सहयोग करने का आह्वान किया।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने विधानसभा छिबरामऊ क्षेत्र में 30, कन्नौज में 30 तथा तिर्वा क्षेत्र में 40 बूथों पर अधिकारियों की तैनाती की है। उन्होंने नोडल अधिकारी मुख्य विकास अधिकारी को बनाया है तथा रोज शाम को इसकी समीक्षा भी करेंगे। सभी नियुक्त अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे अभियान को पूर्ण संवेदनशीलता और तत्परता के साथ संचालित करें तथा निर्धारित 72 घंटे के भीतर बूथों पर सभी कार्यों को शत-प्रतिशत पूर्ण कराएं।

इससे पहले हुई राजनीतिक दलों के साथ बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी ने बीएलओ को पुनरीक्षण अभियान की रीढ़ बताया। कहा कि राजनीतिक दल पूर्ण सहयोग देकर अधिक से अधिक पात्र नागरियों को मतदाता सूची में शामिल करने में अपनी भूमिका निभाएं। इस मौके पर सीडीओ रामकृपास चौधरी, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी बिनीत कटियार सहित पार्टियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

समय से पूर्ण करें फार्म जमा करने व फीडिंग का कार्य : जिलाधिकारी

संवाददाता गुरसहायगंज

कार्यालय में बीएलओ से जानकारी करते डीएम आशुतोष मोहन अग्निहोत्री।

अमृत विचार। जिलाधिकारी ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य में लगे कर्मियों को कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। कर्मियों से कार्य में आ रहे परेशानी की जानकारी ली तो बताया गया कि पोर्टल न चलने के कारण फीडिंग कार्य नहीं हो पा रहा है।

जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री ने गुरुवार की दोपहर नगर पालिका कार्यालय पहुंचकर बीएलओ व सुपरवाइजरों के कार्य की जानकारी ली। कहा कि सभी कर्मी समय से कार्य को पूर्ण कर लें। गौशाला का निरीक्षण कर प्रभारी प्रसन्नजीत मिश्रा को अलाव व झूल आदि की व्यवस्था के निर्देश दिए। मोहल्ला अफसरी में बूथ संख्या 507, 508 का निरीक्षण किया। मौजूद बीएलओ आदेश कुमार व शीला सिंह से फ़ार्म जमा करने व फीडिंग की जानकारी ली। रैन बसेरा के निरीक्षण में ईओ अनिल कुमार ने बताया कि बाहरी व्यक्ति के आने पर उसके रुकने की व्यवस्था है। डीएम ने नायब तहसीलदार रामप्रकाश को नगर पालिका व कोतवाली भवन के आसपास मौजूद सेना की भूमि की पैमाइश करने के निर्देश दिए।

- बूथ सहित गोशाला व रैन बसेरा का निरीक्षण किया

39 शिक्षक, शिक्षामित्र व अनुदेशकों को नोटिस

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

- अधिकारियों के निरीक्षण में परिषदीय स्कूलों में बिना अवकाश स्वीकृत कराए मिले गायब
- ऑनलाइन मांगा गया जवाब, न देने पर होगी विभागीय अनुशासनात्मक कार्रवाई

अमृत विचार। प्रेरणा एप के जरिए होने वाले परिषदीय स्कूलों के निरीक्षण में जिले के 39 शिक्षक, प्रधानाध्यापक, अनुदेशक व शिक्षामित्रों को नोटिस जारी कर जवाब-तलब किया गया है। बीएसए संदीप कुमार ने जारी किए आदेश में कहा है कि विभिन्न अधिकारियों व बीईओ ने प्राथमिक, जूनियर व कंपोजिट विद्यालयों का आकस्मिक निरीक्षण किया था। उसके बाद रिपोर्ट पोर्टल पर फीड की गई। उसके के तहत कार्रवाई हुई।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने बताया कि 23 अक्टूबर से 22 नवंबर तक की निरीक्षण में परिषदीय स्कूलों से शिक्षा मित्र प्रभा यादव, बेबी यादव, सपना कटियार, कंची सिंह, मोहम्मद जावेद खान, नीता यादव, अंगूरी देवी, पूनम यादव, ब्रिजरमन सिंह, पूनम मिश्रा, सत्यपाल सिंह, ज्ञानेंद्र सिंह, पप्पी देवी, मंजू लता, रीना वर्मा, सत्यपाल सिंह, अनुपम द्विवेदी, रानी देवी व ममता कुमारी निरीक्षण में गैरहाजिर मिलीं। सहायक अध्यापकों में परीक्षित सिंह चौहान, वैभव, गीता, सतेंद्र कुमार, संजीव कुमार, रचित कुमार, शैजा शर्मा, दीप शिखा, संतोष सिंह यादव, ऐश्वर्य सिंह, किस्मत अवस्थी, संतोषी द्विवेदी व पारुल कटियार को नोटिस जारी हुआ है। प्रधानाध्यापक महनूर फातिमा व जितेंद्र सिंह बैस, अनुदेशक बृजेंद्र सिंह, अरुणा यादव, एकता मिश्रा व शैलेंद्र कुमार और चतुर्थ श्रेणी कर्मी संतरूपा देवी से भी जवाब-तलब हुआ है। बीएसए का कहना है कि मानव संपदा पोर्टल के जरिए संबंधित सभी शिक्षक, शिक्षामित्र, अनुदेशक व प्रधानाध्यापकों को नोटिस जारी कर दी गई है।

न्यूज ब्रीफ

किसानों को अनुदान पर मिलेंगे सोलर

कन्नौज। उप निदेशक कृषि संतोष कुमार ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान (पी. एम. कुसुम) योजना के तहत किसानों को सोलर अनुदान पर दिए जाएंगे। 2 एचपी, 3 एचपी, 5 एचपी, 7 .5 एचपी एवं 10 एचपी सोलर पंप अनुदान के लिए ऑनलाइन बुकिंग कर सकते हैं। प्रक्रिया 26 नवंबर से 15 दिसंबर तक चलेगी। डीडी कृषि ने बताया कि इच्छुक किसान योजना का लाभ उठाने के लिए विभागीय पोर्टल https:// agriculture .up .gov .in पर पंजीकरण होना अनिवार्य है। बुकिंग के साथ पांच हजार रुपये टोकन मनी के रूप में ऑनलाइन जमा करना अनिवार्य है

एसडीएम ने धान क्रय केंद्र का किया निरीक्षण

तिर्वा। जिलाधिकारी के निर्देश पर गुरुवार को एसडीएम राजेश कुमार ने धान क्रय केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान मौजूद दो किसानों की 50 क्विंटल धान की तौल कराई। एसडीएम ने बताया कि केंद्र पर पंखे नहीं थे जिसकी व्यवस्था हो गई है। केंद्र प्रभारी ने बताया कि अभी तक 6000 क्विंटल लक्ष्य के सापेक्ष 1200 क्विंटल धान की खरीद की जा चुकी है।

मदरसा दारूल उलूम गौसिया का 26वां सालाना जलसा आज

छिबरामऊ। मदरसा दारूल उलूम गौसिया में 28 नवम्बर 2025 (शुक्रवार) को 26वां सालाना जलसा-ए-रसूले आज़म शानो-शौकत के साथ मनाया जाएगा। जलसा आवास विकास कालोनी के मैदान में होगा।

यह जानकारी देते हुए मीडिया प्रभारी मोहम्मद जैनुल ने बताया कि सुबह 11 बजे से अस्र की नमाज़ तक खवातीन-ए-इस्लाम का ख़ास इस्लाही प्रोग्राम होगा। नमाज़-ए-इशा (रात 8 :30 बजे) के बाद मुख्य कान्फ्रेन्स होगी। हजरत मौलाना मुस्तकीम अहमद कादरी, प्रधानाचार्य कारी शमसुल कमर और जलसा प्रभारी मौलाना अजमल ने तमाम अहले इस्लाम से जलसे में शिरकत की अपील की है।

सड़क दुर्घटना में हुई मौत की रिपोर्ट दर्ज

सौरिख। थाना क्षेत्र के गांव मिश्राबाद निवासी आशीष पुत्र अरविंद सिंह ने थाने पहुंच कर प्रार्थना पत्र दिया। इसमें बताया की उसके पिता 20 अक्टूबर 2025 को अपनी मोटरसाइकिल से सौरिख ड्यूटी के लिए जा रहे थे। आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे वे के किनारे सर्विस रोड पर पहुंचे तभी पीछे से एक ओमनी कार ने जोरदार टक्कर मार दी। इससे पिता बाइक सहित रोड पर गिर गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। कुछ देर रुकने के बाद कार चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। निजी वाहन से उन्हें मिनी पीजीआई सैफई ले जाया गया जहां डॉक्टर ने देखते ही मृत घोषित कर दिया।

स्वच्छता पखवाड़ा के तहत हुई साज सज्जा

जलालाबाद। पीएमश्री यूपीएस कंपोजिट विद्यालय गुगरापुर में गुरुवार को छात्र-छात्राओं के बीच सजावट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें छात्र-छात्राओं ने स्वच्छता, रचनात्मकता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। छात्र-छात्राओं ने अपनी अपनी कक्षा को सजाया। इसमें कक्षा 07 ने प्रथम, कक्षा 06 ने द्वितीय, कक्षा 04 ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रधानाचार्य राकेंद्र सक्सेना ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिता छात्र-छात्राओं को स्वच्छता, रचनात्मकता से प्रेरित करती हैं। इस दौरान रामकिशोर, सुदेश कुमार, नीरज कुमार आदि मौजूद रहे।

संगम सिटी के पार्टनर पर दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज

महिला कर्मचारी ने एसपी से की शिकायत में लगाए थे आरोप

संवाददाता तिर्वा

- कोतवाल ने कहा मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी

अमृत विचार। हाउसिंग सोसायटी संगम सिटी के पार्टनर पर महिला से कई बार दुष्कर्म करने, अश्लील वीडियो बनाने के आरोप लगे हैं। पीड़ित महिला ने पुलिस अधीक्षक के आदेश से तिर्वा कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

कोतवाली क्षेत्र निवासी महिला ने पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार को दिए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया कि वह तहसील के पास स्थित संगम सिटी में 2020 से कार्यरत है। इस दौरान संगम सिटी के पार्टनर हरियाणा के करनाल निवासी कृष्ण कुमार हाल पता ठठिया थाना क्षेत्र के बिहारीपुर सिमरिया ने आराम करते व बाथरूम आते जाते समय तथा अन्य रोजमर्रा की क्रियाओं के अश्लील फोटो चुपके से बना लिए। इसके बाद नवंबर 2024 में ऑफिस में अकेला पाकर दुष्कर्म किया। इसका भी वीडियो बना लिया। समाज में लोकलाज के डर से किसी से शिकायत नहीं कर सकी और चूंकि आर्थिक रूप से कमजोर हैं इसलिए नौकरी नहीं छोड़ सकी। आरोपी ने तीन माह का वेतन भी रोक रखा था। आरोप है कि अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देकर आरोपी ने कई बार दुष्कर्म किया। 29 अप्रैल 25 को उसने जब नौकरी छोड़ने और उसके वीडियो डिलीट करने को कहा तो आरोपी ने जान से मार देने की मंशा से उसका गला दबा दिया। मामले को लेकर पुलिस से शिकायत की लेकिन उसकी रिपोर्ट नहीं लिखी गई। एसपी के आदेश पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। कोतवाल संजय कुमार शुक्ला ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। मामले में जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

अज्ञात वाहन की टक्कर से डीसीएम चालक की मौत

जसोदा (कन्नौज)। अनियंत्रित गति से आ रहे अज्ञात वाहन ने डीसीएम चालक को टक्कर मार दी। चालक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

बुधवार की देर रात करीव 11:45 बजे कासगंज के थाना पटियाली के गांव रामनगर कारसेना निवासी नितेश यादव (29) पुत्र श्यामवीर कासगंज डीसीएम में कंबल लोड कर कानपुर जा रहा था। ग्रीन फील्ड हाईवे के हजरतपुर के पास पहुंचने पर सामने से आ रहे अज्ञात वाहन ने डीसीएम में जोरदार टक्कर मार दी। इससे डीसीएम चालक नितेश की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने नितेश को डीसीएम से बाहर निकाला और जिला अस्पताल भेजा। मौत की पुष्टि होने के बाद शव को मोर्चरी में रखवा दिया गया। मृतक के जेब में मिले मोबाइल से उसके परिजनों को सूचना दी गई। सूचना पर सुबह परिजन जसोदा चौकी पर आ गए। पुलिस ने परिजनों को पोस्टमार्टम हाउस भेजा। जांच की जा रही है।

स्थानीय फाल्टों में उलझी बिजली व्यवस्था, लोग हो रहे परेशान

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

- 18, 20 व 24 घंटे बिजली देने के विभागीय दावे खोखले
- दिन में कई-कई बार काटने के बाद नियमित कटौती भी

मकरंदनगर विद्युत उपकेंद्र पर ट्रांसफार्मर की खराबी ठीक करते कर्मचारी।

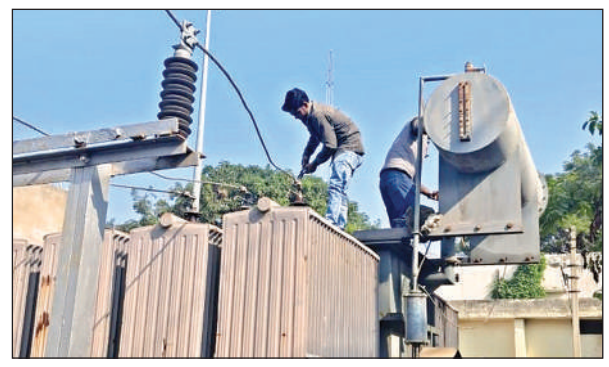

अमृत विचार। स्थानीय फाल्टों में बिजली विभाग उलझ कर रह गया है। गांव में 18 घंटे, तहसील मुख्यालय पर 20 व जिला मुख्यालय पर 24 घंटे बिजली देने के विभागीय दावे फेल हो रहे हैं।

स्थानीय फाल्टों में बिजली व्यवस्था उलझकर रह गई है। विभागीय उच्च अधिकारियों की लापरवाही से सरकार की मंशा के अनुसार गांव, तहसील व जिला मुख्यालयों पर बिजली नहीं दी जा रही है। फीडरों की बात करें तो एक एक फीडर पर दिन हो या रात, पांच से 10 वार कटौती की जा रही है। विभागीय आंकड़ों की बात करें तो विभाग निर्धारित घंटों में बिजली देने का दावा कर रहा है। स्थानीय फाल्ट होने पर लाइनमैन की ओर से शटडाउन लिया जाता है। खास बात तो यह है कि इन फाल्टों में काटी गई बिजली की भरपाई विभाग नहीं करता है। भले ही फाल्ट से कई घंटे कटौती हो लेकिन निर्धारित समय भी कटौती कर दी जाती है।

इससे शासन से निर्धारित घंटे बिजली आपूर्ति नहीं मिलती है। गुरुवार को दोपहर 1.43 बजे मानपुर विद्युत उपकेंद्र की सप्लाई फेल हो गई जो शाम 4 बजे तक बहाल नहीं हुई। इसी तरह मकरंदनगर विद्युत उपकेंद्र के ट्रांसफार्मर में आई खामी से सुबह शहर की बिजली 10:30 बजे काट दी गई। यही हाल जिला अस्पताल को सप्लाई देने वाले वहादुरपुर उपकेंद्र का रहा। यहां से भी दिन में कई बार कटौती की गई। इतने सबके बाद भी विभाग के अधिकारी सर्दियों में बिजली सप्लाई बेहतर होने का दम भर रहे हैं।

एक्सप्रेस वे पर हादसा, सुप्रीमकोर्ट के अधिवक्ता व कार चालक घायल

सौरिख। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर चालक को झपकी आने से कार अज्ञात वाहन में टकरा गई। हादसे में कार चालक व उसमें सवार सुप्रीम कोर्ट के वकील घायल हो गए। सूचना पर पहुंचे सुरक्षा अधिकारियों ने घायलों को तिर्वा मेडिकल कॉलेज भेज दिया।

जनपद हरदोई के थाना बिलग्राम के ग्राम बैफरिया निवासी रजनीश कुमार पुत्र अतर सिंह अपनी इनोवा क्रिस्टा कार में सुप्रीम कोर्ट के वकील अमित पवार पुत्र ओम प्रकाश पवार निवासी साकेत दिल्ली के साथ लखनऊ में 28 नवंबर 2025 को विकसित कांक्लेव सेंटम मीटिंग में जा रहे थे। कार थाना सौरिख के किलोमीटर संख्या 154 900 पर पहुंचे तभी चालक रजनीश कुमार को झपकी आ गई। इससे कार अनियंत्रित होकर अज्ञात वाहन में टकरा गई। हादसे में चालक और वकील अमित घायल हो गए। सूचना पर पहुंचे सुरक्षा अधिकारी मनोहर सिंह एवं सेफ्टी टीम ने घायलों को एंबुलेंस द्वारा तिर्वा मेडिकल कॉलेज भेज दिया। दुर्घटनाग्रस्त कार को क्रेन से हटाकर टोल प्लाजा पर खड़ा कराया गया।

नगर में कलश यात्रा निकालते महिला, पुरुष भक्त। अमृत विचार

भक्तों ने धूमधाम से नगर में निकाली कलश यात्रा

गुरसहायगंज। श्रीमद् भागवत कथा के शुभारंभ अवसर पर भक्तों ने धूमधाम से कलश यात्रा निकाली। गुरुवार को नगर के मोहल्ला आजाद नगर में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया गया। इसमें महिलाओं से सिर पर कलश रखकर व पुरुष भक्तों ने धर्म ध्वजा हाथों में लेकर कलश यात्रा निकाली। कलश यात्रा का नंगापुर्वा रोड, जीटी रोड, चौराहा, तिर्वा रोड होती हुई कथा स्थल पर समापन किया गया। इसके बाद विद्वानों ने हवन पूजन करा कर श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ कराया। कथा व्यास ज्ञानेश्वर दास महाराज ने भक्तों को प्रथम दिवस कथा का जीवन में महत्व बताया। इस दौरान परीक्षित सुनील सरल, सभासद सतेन्द्र कुमार, बलवीर, रामनिवास, सौरभ कुमार, सुरेंद्र राठौर, रामकरण, प्रभात, राजीव, सुनील आदि रहे।

बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत में 8 घायल, दो रेफर

संवाददाता सौरिख/छिबरामऊ

अमृत विचार। बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत की दो घटनाओं में 08 लोग घायल हो गए।

सौरिख संवाददाता के अनुसार जनपद इटावा के थाना ऊसराहार के गांव भगवंतपुर निवासी रामू पुत्र चंद्रपाल (25) बुधवार की शाम सौरिख थाना क्षेत्र के कस्बा नादेमऊ जा रहे थे। शाम लगभग 6:00 बजे टड़ा रायपुर के पास पहुंची तभी सामने से आ रही बाइक से टक्कर हो गई। इस पर ब्रजेश कुमार पुत्र रनवीर (45) निवासी नगला समाधान और उसका पुत्र मयंक (15) सवार थे। हादसे में तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पहुंची एंबुलेंस नेघायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। यहां से बृजेश व रामू को तिर्वा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। शाहजहांपुर जिले के ग्राम ननौरा निवासी प्रदीप (30) पुत्र गेंदन सिंह और लज्जाराम (30) पुत्र रामेश्वर मिघौली स्थित भट्ठे से काम निपटाकर छिबरामऊ से लौट रहे थे। उनकी बाइक सामने से आ रहे निगोह खास निवासी गुड्डू (35) पुत्र हृदय राम की बाइक से टकरा गई। गुड्डू अपनी बाइक पर बेटी अनामिका (15) और बेटे निखिल (6) को बैठाकर कहीं जा रहे थे। सभी पांचों सवार सड़क पर जा गिरे और गंभीर रूप से चोटिल हो गए।

खाद दुकानदार के दो नमूने फेल, निरस्त होगा लाइसेंस

कन्नौज। एक ही उर्वरक विक्रेता के दो नमूने प्रयोगशाला में हुई जांच के दौरान फेल हो गए हैं। उसका लाइसेंस निरस्त किया जाएगा। जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि माइक्रो न्यूट्रिएंट्स के दो नमूने फेल हुए और इतने ही खाद के नमूने सही मिले।

जिला कृषि अधिकारी संत लाल गुप्ता ने बताया कि उर्वरकों की जांच के लिए समय-समय पर नमूने लेकर उनकी गुणवत्ता की लैब में जांच कराई जाती है। शासन ने नमूने लेने के लिए लक्ष्य भी दिया है। जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि किसान की शिकायत पर 24 सितंबर को छिबरामऊ इलाके के गांव बहवलपुर स्थित चौहान खाद भंडार से दो माइक्रो न्यूट्रिएंट्स और दो डीएपी के नमूने लिए थे। नमूनों की जांच के लिए प्रयोगशालाओं में भेजा गया।

गुरुवार को इसकी जांच रिपोर्ट आई जिसमें माइक्रो न्यूट्रिएंट्स हरियाली और माइक्रो न्यूट्रिएंट्स वरदान का नमूना फेल हुआ है। इसको लेकर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

पहल — समेकित शिक्षा के तहत बीआरसी सदर से बस को हरी झंडी दिखाकर किया गया रवाना

दिव्यांग बच्चों ने किया चिड़ियाघर में सैरसपाटा

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अमृत विचार। बेसिक शिक्षा विभाग ने समेकित शिक्षा के तहत विशिष्ट आवश्यकता वाले दिव्यांग बच्चों को एक दिवसीय शैक्षिक एक्सपोजर विजिट कराई। इसमें विकास खंड कन्नौज, जलालाबाद, तालग्राम एवं गुगरापुर और कन्नौज नगर क्षेत्र के कुल 50 बच्चों व विशेष शिक्षकों ने प्रतिभाग किया।

गुरुवार को भाजपा जिलाध्यक्ष वीर सिंह भदौरिया व बीएसए संदीप कुमार ने बच्चों को शैक्षिक जागरुकता और वास्तविक पर्यावरण अनुभव से जोड़ने के उद्देश्य से बच्चों की बस को सदर बीआरसी कन्नौज से कानपुर चिड़ियाघर के लिए रवाना किया। चिड़ियाघर पहुंचकर विद्यार्थियों ने विभिन्न दुर्लभ वन्यजीव प्रजातियों, पक्षियों, सरीसृपों और प्राकृतिक आवासों को निकट से देखा। विशेष शिक्षकों ने उन्हें जीव-जंतुओं के संरक्षण, पर्यावरण संतुलन तथा जैव विविधता का महत्व बताया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि ऐसे भ्रमण बच्चों के आत्मविश्वास, व्यवहारिक ज्ञान और सामाजिक सहभागिता को बढ़ाते हैं। इस दौरान जिला समन्वयक समग्र शिक्षा (समेकित शिक्षा) सुबोध अवस्थी, आदि लोग मौजूद रहे।

बस रवाना करने से पहले हरी झंडी दिखाते भाजपा जिलाध्यक्ष वीर सिंह भदौरिया, साथ में खड़े बीएसए संदीप कुमार व बीईओ आनंद द्विवेदी। अमृत विचार

चित्रकला प्रतियोगिता में शामिल कंपोजिट स्कूल किनौरा के विद्यार्थी। अमृत विचार

चित्रकला प्रतियोगिता में सृष्टि प्रथम

कन्नौज। ब्लॉक उमर्दा क्षेत्र के कंपोजिट विद्यालय किनौरा में विद्यार्थियों को संविधान दिवस के बारे में जानकारी दी गई। चित्र कला प्रतियोगिता के जरिए छात्र-छात्राओं को जागरूक किया गया। कक्षाध्यापक वैभव राजपूत ने बताया कि प्रथम स्थान पर छात्रा सृष्टि, द्वितीय मानशी व तृतीय स्थान पर काजल रहीं। इस मौके पर मोहिनी, नैन्सी, अमन, अंकित, मंजेश, अभिषेक, कृष्णा, नीलम आदि बच्चों ने प्रतिभाग किया।

संविधान हमारा स्वाभिमान पर विशाल कवि सम्मेलन

संवाददाता,छिबरामऊ

- लोक भारती इंटर कॉलेज में कवि सम्मेलन का आयोजन हुआ

अमृत विचार। संविधान अंगीकृत होने की हीरक जयंती पर ''हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान'' विषय पर स्वामी ब्रह्मानंद लोधी सभागार लोक भारती इंटर कॉलेज में विशाल कवि सम्मेलन का आयोजन हुआ।

शुरुआत डॉ नरेंद्र संगम की बुद्ध वंदना से हुई। उन्होंने पढ़ा- 'गीत ने एक प्रश्न किया, हिंदू राष्ट्र बनाने वाले बहुत बुरा पछताओगे, बिस्मिल के अशफाक मित्र को आप कहां पर पाओगे'। संचालन कर रहे विख्यात कवि हरिगोविंद शाक्य ''हरि'' ने कहा-' संविधान पर बंद हों भाषण लच्छेदार, संवैधानिक कार्य हों संविधान से प्यार।' कवयित्री दीपमाला शाक्य ''दीप'' ने पढ़ा- 'बाबा ने हमको दिया संविधान यह प्यारा सा, अधिकार दिया हमको जीने का सहारा सा।' देवेंद्र यादव देव ने कहा 'संविधान के मूल में छिपे मूल अधिकार। इसके अलावा शीलू यादव, साधना यादव, कवि रूप लाल ''रूप'', मदन वर्मा ''फलक'', डॉ घनाराम आर्य,ज्ञानेंद्र, वैभव, शिवेंद्र डॉ सीबी सिंह, संत तुलाराम आर्य, भारत सिंह प्रजापति, श्रीपाल वर्मा, आलोक वर्मा आदि ने भी अपनी प्रस्तुति दी। पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष तहसीन सिद्दीकी ने भी संदेश दिया। मुख्य अतिथि डॉ सुलेमान और अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ योगाचार्य सत्यराम यादव ने संबोधित किया। संरक्षक पूर्व सांसद रामबक्श सिंह वर्मा ने सभी कवियों साहित्यकारों को माल्यार्पण, शाल ओढाकर एवं बाबा साहब का प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया।

अमृत विचार
कानपुर, शुक्रवार, 28 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

सीएससी संचालकों को दिए निर्देश

महोबा। सदर तहसील सभागार में गुरुवार को अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व कुंवर पंकज ने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 (एसआईआर) एवं फसल बीमा के सम्बन्ध में जिले के समस्त जन सेवा केन्द्र, संचालकों के साथ बैठक की। बैठक में सीएससी केन्द्र संचालकों को निर्देशित किया गया है कि निर्वाचन आयोग के दिये गये निर्देश के क्रम में वर्तमान में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण का महत्वपूर्ण कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है। उक्त एसआईआर के कार्य में समस्त सीएससी संचालक सहयोग प्रदान करें।

संविधान समतावादी ढांचे का है आधार

महोबा। विधानसभा चरखारी के ग्राम बम्हौरी खुर्द में संविधान दिवस के अवसर पर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष तुलसीदास लोधी के नेतृत्व में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शुरुआत डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण से हुई। इस दौरान पूर्व ब्लाक अध्यक्ष नंदराम, हरिशंकर व्यास, हरिचरन यादव, बाल किशोर, भागबली अहिरवार, रामरतन राजपूत, अच्छेलाल अनुरागी, जयराम विश्वकर्मा, पवन अनुरागी, मदन राजपूत, हरनारायण राजपूत आदि मौजूद रहे।

एसपी ने फरियादियों की सुनीं समस्याएं

महोबा। पुलिस अधीक्षक प्रबल प्रताप सिंह ने गुरुवार को पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई की। जनसुनवाई दौरान पुलिस अधीक्षक ने प्राप्त शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी शिकायतों का निस्तारण समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से किया जाए। ताकि आमजन का पुलिस पर विश्वास और अधिक मजबूत हो। एसपी ने मिशन शक्ति अभियान 5.0 के तहत महिलाओं को सशक्त बनाने एवं उन्हें सुरक्षित वातावरण प्रदान किये जाने के उद्देश्य से उपस्थित महिला फरियादियों से संवाद कर उनको जागरूक करते हुए महिलाओं को उनकी सुरक्षा, अधिकारों एवं शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया के संबंध में जानकारी दी गई तथा उन्हें निडर होकर अपनी बात रखने के लिए प्रेरित किया गया।

33 कीटनाशक दुकानों पर छापा, दो को नोटिस

फर्रुखाबाद। कृषि विभाग की टीम ने छापे मारकर कीटनाशक के पांच नमूने संगृहीत किए एवं 33 प्रतिष्ठानों पर छापेमारी की कार्यवाही की। नमूनों की जांच हेतु प्रयोगशाला में भेजा गया। परीक्षण परिणाम अमानक पाए जाने पर संबंधित विक्रेता के विरुद्ध विधिक कार्यवाही की जाएगी। जांच के समय बिना कारण प्रतिष्ठान बंद किया गया तो कारण बताओ नोटिस दिए जाएंगे। मां वैष्णो बीज भण्डार अंतर एवं कुशवाहा खाद एवं बीज भण्डार सलेमपुर राजेपुर दुकान बन्द होने के कारण नोटिस दिए गए।

बाइक दुर्घटना में युवक गंभीर

फर्रुखाबाद। नवाबगंज में भटासा नहर के पास एक बाइक दुर्घटना में मई राशीदपुर निवासी अतुल उर्फ राजा गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे नवाबगंज सीएचसी से लोहिया अस्पताल रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार, अतुल उर्फ राजा (पुत्र अखिलेश) को दुर्गेश (पुत्र महिपाल) भटासा से बाइक पर बुलाने आया था। दोनों बाइक से जा रहे थे, जिसमें अतुल उर्फ राजा बाइक चला रहा था। अतुल उर्फ राजा टेंट की दुकान पर काम करता है और गुरुवार सुबह काम पर गया था। दुर्घटना के बाद आसपास के लोगों ने गांव वालों को सूचना दी और एम्बुलेंस को बुलाया गया। चालक दल सिंह और ईएएमटी अंकित ने घायल अतुल उर्फ राजा को नवाबगंज सीएचसी में भर्ती कराया। सीएचसी में फार्मासिस्ट राजीव कुमार ने उसका प्राथमिक उपचार किया। उसे बेहतर इलाज के लिए लोहिया अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

चेकिंग के दौरान पांच ट्रक सीज

फर्रुखाबाद। खनन सामग्री ढोने वाले 5 ट्रकों को सीज किया गया है। इनमें से 2 ट्रक बिना हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट के खनन सामग्री ले जा रहे थे और खनन विभाग के पोर्टल पर पंजीकृत नहीं थे। वहीं, तीन अन्य ट्रक कर बकाया में संचालित पाए गए। यह कार्रवाई जिला प्रशासन द्वारा चलाए गए सघन चेकिंग अभियान के तहत की गई चेकिंग के दौरान, बिना एचएसआरपी वाले दो ट्रकों को जब्त कर उन पर 35,000 रुपए का जुर्माना लगाया गया। इन दोनों ट्रकों का खनन विभाग के पोर्टल पर पंजीकरण नहीं था।

चार दिनों में जमा कराएं एसआईआर फार्म

डीएम ने शहर के बूथों पर पहुंचकर एसआईआर कार्य का किया निरीक्षण

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। जिले में बूथ लेवल पर चल रहे विशेष मतदाता पुनरीक्षण कार्य का जिलाधिकारी बूथों पर पहुंचकर बीएलओ के कार्य का निरीक्षण कर जायजा ले रही हैं। साथ ही कार्य को तेजी के साथ पूर्ण करने के निर्देश भी दिए जा रहे हैं। इसी क्रम में गुरुवार को जिला निर्वाचन अधिकारी गजल भारद्वाज ने विशेष मतदाता पुनरीक्षण 2026 कार्य में प्रगति लाए जाने के उद्देश्य से नेहरु इंटर कालेज, तहसील भवन व किसान सेवा केंद्र के बूथ लेवल आफिसर के कार्यों का निरीक्षण किया।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने शहर स्थित 230 महोबा विधानसभा की भाग संख्या 113, 114, 115, 116 नेहरू इंटर कालेज एवं 117 तहसील भवन कक्ष व 121 किसान सेवा केंद्र गल्ला मण्डी के बूथ लेवल ऑफिसर के कार्यों का निरीक्षण कर जायजा लिया। निरीक्षण दौरान बीएलओ के कार्य में सहयोग में लगाये गये नगर पालिका कर्मी, आंगनबाडी, कोटेदार व सहायक शिक्षक उपस्थित थे, जो गणना प्रपत्र भरने व जमा करने में सहयोग करते पाए गए।

इस मौके पर जिला निर्वाचन अधिकारी ने उपस्थित मतदाता व उनके पारिवारिक सदस्यों से कहा गया कि सभी लोग एसआईआर के काम को शीघ्र पूरा करने के लिए अपने व अपने परिवार के मतदाताओं के गणना प्रपत्र भरकर बूथ लेवल ऑफिसर एवं उनके सहयोग में लगाये गये नगर पालिका कर्मी, आंगनबाड़ी कर्मी कोटेदार व सहायक शिक्षक के माध्यम से अग्रिम चार दिनों में प्रत्येक दशा में जमा कर दें, जिससे भारत निर्वाचन आयोग के दिये गये निर्देश के अनुपालन मे एसआईआर का काम समय पर पूर्ण हो जाए और सभी वैध मतदाता ड्राफ्ट रोल में शामिल हो जायें। इस दौरान तहसीलदार दिवाकर मिश्र, नगर पालिका परिषद के अधिशाषी अधिकारी अवधेश कुमार, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी 230 उपजिलाधिकारी शिवध्यान पाण्डेय उपस्थित रहे।

बूथ में चल रहे कार्य का निरीक्षण करतीं डीएम। अमृत विचार

ऑनलाइन भी भर सकते हैं गणना प्रपत्र

महोबा। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी व जिला निर्वाचन अधिकारी गजल भारद्वाज की अध्यक्षता में समस्त मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के अध्यक्ष, प्रतिनिधियों के साथ बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 4 नवम्बर से 4 दिसम्बर तक विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 का कार्यक्रम चलाया जा रहा है, जिसमें बीएलओ ऐप के माध्यम से डिजिटाइजेशन कराया जाना है। बैठक के मौके पर डीएम ने जिले के समस्त मतदाताओं से अपील की है कि वह बीएलओ के माध्यम से प्राप्त गणना प्रपत्रों को वास्तविकता के आधार पर स्वयं अथवा अपने किसी परिवार के वयस्क अभिभावक के माध्यम से भरकर तत्काल उपलब्ध कराएं, जिससे बीएलओ अपने ऐप के माध्यम से आपके गणना प्रपत्रों को डिजिटाइजेशन कराते हुए आगे की कार्रवाई निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत पूर्ण कराई जा सके। जिलाधिकारी अनुरोध किया गया है कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार आपके स्तर से नियुक्त कराए गए बूथ लेवल एजेंट भी अपने क्षेत्र के मतदाताओं से गणना प्रपत्र पर हस्ताक्षर के उपरान्त स्वयं भी अपने हस्ताक्षर बूथ लेवल एजेंट के रूप में करते हुए संबंधित बीएलओ को अधिकतम 50 गणना प्रपत्र प्रतिदिन हस्तगत करा सकते हैं। जिलाधिकारी ने राजनीतिक प्रतिनिधियों को अवगत कराया कि भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी उप्र लखनऊ की वेबसाइट व वोटर हेल्पलाइन एप के माध्यम से वोटर लिस्ट में खोज सकते और आप अपना गणना प्रपत्र ऑनलाइन भी भर सकते हैं। यदि मतदाता को किसी भी प्रकार की समस्या गणना प्रपत्र भरने में आती है तो जिले स्तर पर जिला निर्वाचन कार्यालय में स्थापित डिस्ट्रिक्ट कॉन्टेक्ट सेन्टर के दूरभाष नंबर 05281-254918 व टोल फ्री नंबर 1950 पर संपर्क कर सकते हैं। उक्त कन्ट्रोल रूम के नम्बरों पर आम जनमानस अपनी शिकायतों का निदान करा सकते हैं।

दबंगों ने युवक को पीटकर छुड़ा लिए 7 हजार रुपये

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। सिजहरी गांव में दबंगों ने शराब के नशे में एक युवक को मारपीट कर घायल कर दिया और घायल की जेब से सात हजार रुपये छीन कर लिए। युवक ने जब इसकी शिकायत संबंधित ने थाने में दी तो पुलिस ने टालमटोल की नीति अपनाते हुए दबंग पर कोई कार्रवाई नहीं की। युवक ने गुरुवार को एसपी से शिकायत की।

थाना श्रीनगर क्षेत्र के सिजहरी गांव निवासी खलक सिंह पुत्र मातादीन ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में दिए गए शिकायती पत्र में बताया कि वह दिल्ली में रहकर मजदूरी करता है और कुछ दिनों पहले गांव वापस आ रहा था। बताया कि वह घर से गांव में किसी काम से जा रहा था तभी शराब के नशे में धुत आरोपी युवक अपने साथियों के साथ बैठा था और उसे बुलाया, लेकिन उसने अनसुना कर आगे बढ़ने लगा, तभी दबंग गाली गलौज करने लगे, जिसका विरोध किया तो उपरोक्त दबंगों ने पकड़ लिया और एक दुकान के अंदर बंद कर लात घूंसों से बुरी तरह पीटना शुरू कर दिया। मारपीट के कारण उसके कानों से खून बहने लगा और वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पीड़ित ने आरोप लगाते हुए बताया कि आरोपियों ने उसकी जेब से सात हजार रुपये भी निकाल लिए साथ ही धमकी देकर भाग गए।

पीड़ित ने घटना की रिपोर्ट श्रीनगर थाने में दर्ज कराई थी, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। पीड़ित परिवार का आरोप है कि आरोपी प्रभावशाली हैं और पुलिस पर दबाव बनाए हुए हैं। कार्रवाई न होने और दोबारा हमले की आशंका को देखते हुए पीड़ित अपनी पत्नी व परिजनों के साथ एसपी कार्यालय पहुंचा और न्याय की गुहार लगाई। परिवार ने आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी और निकाले गए रुपये वापस दिलाए जाने की मांग की है। इस संबंध में श्रीनगर थाना प्रभारी का कहना है कि मारपीट की शिकायत मिली है और मामले की जांच की जा रही है।

भूमि अधिग्रहण के बाद भी नहीं मिला मुआवजा, एमएलसी ने उठाया मुद्दा

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। लखनऊ सचिवालय में आश्वासन समिति की बैठक में बतौर समिति सदस्य शामिल हुए एमएलसी जितेंद्र सिंह सेंगर ने सिंचाई विभाग और माध्यमिक शिक्षा विभाग से संबंधित प्रस्तावों पर चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में क्षेत्र के किसानों की अधिग्रहीत की गई भूमि के एवज में मुआवजा राशि दिलाए जाने का मुद्दा उठाया।

जनपद हमीरपुर बांदा और महोबा में अर्जुन सहायक परियोजना एव कबरई बांधक के लिए किसानों की अधिग्रहीत की गई भूमि के बाद भी तमाम किसान अभी भी मुआवजा से वंचित हैं। किसान अधिकारियों के सालो से चक्कर काट रहे हैं, इसके बाद भी उन्हें आज तक मुआवजा नहीं दिया गया। एमएलसी ने समिति के माध्यम से सिंचाई विभाग के अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराया। बैठक में मुआवजे से वंचित किसानों को मुआवजा राशि दिलाए जाने का आश्वासन दिया गया।

विधान परिषद सदस्य ने माध्यमिक शिक्षा विभाग में शासन द्वारा स्वीकृत उच्चीकृत हाईस्कूल भवन कार्य अति शीघ्र पूर्ण कराने की बात कही। कहा जब तक विद्यालय भवन निर्माण शीघ्र पूर्ण नहीं हो जाते वह इस मुद्दे को उठाते रहेंगे। बैठक में सिंचाई विभाग एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव, निदेशक और जिले स्तर के उच्चाधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में मौजूद सदस्य। अमृत विचार

पत्रकार पर रिपोर्ट काली पट्टी बांधकर जताएंगे विरोध

पनवाड़ी। ललितपुर में पत्रकार देवेंद्र कौशिक ने गौशाला में फैली भ्रष्टाचार को उजागर किया, जिस पर नाराज जिला प्रशासन ने उल्टा पत्रकार पर मुकदमा दर्ज कर दिया। मुदकमा दर्ज होने से नाराज पत्रकारों ने राष्ट्रीय पत्रकार कल्याण परिषद के बैनर तेल गुरुवार को मीडिया कार्यालय पनवाड़ी में परिषद के जिलाध्यक्ष वेदप्रकाश नायक की अध्यक्षता में बैठक की। कहा गया कि ललितपुर प्रशासन पत्रकारों का उत्पीड़न कर उसको दबाने की कोशिश कर रहा है। सभी पत्रकार संगठन इसके खिलाफ आवाज बुलंद कर रहे है और जल्द ही प्रशासन को पत्रकार पर लगाए गए झूठे मुकदमों को वापस लेना होगा। राष्ट्रीय पत्रकार कल्याण परिषद ने निर्णय लिया है कि पीड़ित पत्रकार प्रकरण में सभी पत्रकार बंधू काली पट्टी बांधकर विरोध जताएंगे।

ट्रक और ऑटो की टक्कर से 10 यात्री घायल

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। कानपुर सागर हाइवे पर किराड़ी फाटक के पास ट्रक और ऑटो की जोरदार टक्कर होने से चार महिलाओं सहित दस लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई। शोर शराबा सुनकर आसपास के लोग दौड़ पड़े और टेंपो में फंसे घायलों को बाहर निकालकर पुलिस को सूचना दी।

शहर के मोहल्ला भटीपुरा निवासी 30 वर्षीय चालक सुरेश ऑटो में 10 यात्रियों को लेकर कबरई से महोबा आ रहा था। ऑटो यात्रियों से ओवरलोड होने के कारण ऑटो चालक संतुलन खो बैठा और सामने से आ रहे ट्रक से टकरा गया, जिससे ऑटो पलट गया और यात्री ऑटो के नीचे दब गए, जिससे चीख पुकार मच गई। आसपास के दुकानदारों और राहगीरों ने ऑटो में फंसे घायलों को बाहर निकालकर पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को आनन फानन में जिला अस्पताल पहुंचाया जहां पर उनका इलाज चल रहा है।

जिला अस्पताल में भर्ती घायल। अमृत विचार

- कबरई से ओवरलोड सवारी लेकर आ रहा था ऑटो चालक

घायलों में पडोसी जनपद छतरपुर के कस्बा बारीगढ़ निवासी गणेशी (50) और उनकी बेटी राजकुमारी (18), बरबई गांव की कलावती (30), मिहोना मुस्कुरा के प्रकाश तिवारी (60), दीनदयाल (65), रोहित (24), चालक सुरेश (30), भुगैचा हमीरपुर निवासी रामचरण (40) और मध्यप्रदेश के बारोही गांव के वती (50) शामिल हैं। सभी को एम्बुलेंस से जिला अस्पताल भेजा गया, जहां इमरजेंसी वार्ड में इलाज चल रहा है। पुलिस ने दुर्घटना ग्रस्त ऑटो को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। स्थानीय लोगों और यात्रियों ने आरोप लगाया कि चालक की लापरवाही और शराब के नशे में वाहन चलाने के कारण ही यह बड़ा हादसा हुआ।

खुले नाले में गिरा पल्लेदार, देर रात बरामद किया गया शव

कार्यालय संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। मऊदरवाजा क्षेत्र में एक घटना सामने आई है, जहां बीबीगंज पुलिया गल्ला मंडी स्थित खुले नाले में गिरने से 60 वर्षीय पल्लेदार शेर सिंह राजपूत की मौत हो गई। उनका शव बुधवार देर रात बरामद किया गया। यह घटना तब हुई जब शेर सिंह बाजार से अपने घर लौट रहे थे।

शेर सिंह राजपूत

जानकारी के अनुसार, शेर सिंह राजपूत बुधवार शाम 5.45 बजे नाले में गिर गए थे। नाले में कूड़ा भरा होने के कारण देर रात तक उनका पता नहीं चल पाया। दुर्घटना के लगभग एक घंटे बाद जेसीबी की मदद से खोजबीन शुरू की गई। रात में परिजनों और मोहल्ले के लोगों ने हंगामा किया, जिसके बाद पुलिया के नीचे के हिस्से को तोड़ा गया। कड़ी मशक्कत के बाद देर रात नाले में गिरे शेर सिंह का शव बरामद हुआ। थाना प्रभारी लक्ष्मण सिंह ने नगर पालिका की टीम के साथ रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। घटना की सूचना पर अपर पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार और सीओ सिटी ऐश्वर्या उपाध्याय घटनास्थल पर पहुंचे। शव का पंचनामा भरकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। थाना प्रभारी लक्ष्मण सिंह ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज में शेर सिंह को शाम 5:45 बजे नाले में गिरते हुए देखा गया है। काफी मशक्कत के बाद शव को बाहर निकाला गया। नाले में गिरने से उनकी मृत्यु हो चुकी है।

मौके पर लगी भीड़। अमृत विचार

केंद्र सरकार के मुकदमों की पैरवी करेंगे मोहित मिश्र

फर्रुखाबाद। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में अपने मुकदमों की पैरवी के लिए अधिवक्ताओं की नई सूची जारी कर दी है। इस सूची में फर्रुखाबाद के निवासी अधिवक्ता मोहित मिश्रा को ग्रुप 'ए' पैनल में शामिल किया गया है।

मोहित मिश्र की यह नियुक्ति तीन साल की अवधि के लिए की गई है। मंत्रालय ने पहले से कार्यरत पैनल में वकीलों की सूची में संशोधन करते हुए नया पैनल जारी किया है। मोहित मिश्रा ने नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी रायपुर से एलएलएम किया है। नियुक्ति के बाद अब मोहित मिश्रा सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार से जुड़े मामलों की वकालत करेंगे। मोहित मिश्रा मौजूदा समय में इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ में वकालत करते हैं। उनकी पत्नी प्रियंका पांडे भी लखनऊ हाईकोर्ट में अतिरिक्त शासकीय अधिवक्ता हैं।

कायमगंज में हर रोज लगता जाम, जिम्मेदार नहीं देते ध्यान

संवाददाता कायमगंज

अमृत विचार। कायमगंज नगर में जिधर देखो उधर सुबह से लेकर शाम होने तक जाम लगा हुआ ही दिखाई देता है।

स्थिति तब बड़ी गंभीर हो जाती है जब स्कूली बच्चे व मरीजों को लाने ले जाने वाली एम्बुलेंस गाडियां तथा उम्र दराज पुरुष और महिलाएं जाम में फंसे रहते हैं। इसके अलावा यदि किसी को अत्यधिक महत्वपूर्ण कार्य से जाना हो तो यह सब जाम में फंसकर घंटों परेशान होते हैं। देखने में आता है कि पुल गालिब से तहसील जामा मस्जिद चौराहा व यहां से मुख्य चौराहा से सीपी तिराहा तक वहीं टीपी चौराहा से रेलवे रोड पर रेलवे स्टेशन तक तथा टीपी चौराहा से मेन चौराहे के बाद गंगा दरवाजा शिवाला भवन तक जाम लगा रहना आम बात हो चुकी है। अब तो शार्टकट वाले मार्ग पटवन गली एवं पुरानी गल्ला मंडी चौराहा से जटवारा रोड़ भी जाम से अछूते नहीं हैं। जाम के कारणों के बारे में लोगों का कहना है कि ई-रिक्शों की बढ़ती संख्या ऊपर से इनके चालकों की मनमानी जाम का मुख्य कारण है, क्योंकि यह ई रिक्शे मार्ग पर हर जगह सवारियां लेने के लिए खड़े कर दिए जाते है।

जाम से जूझते लोग। अमृत विचार

युवक की आंख पर चाकू मारा

फर्रुखाबाद। मोहम्मदाबाद थाना क्षेत्र के गढ़ी बनकटी गांव में 25 नवंबर 2025 को एक युवक की बाईं आंख में चाकू मार दिया गया।

गढ़ी बनकटी निवासी देवेंद्र सिंह पुत्र छविनाथ सिंह ने बताया कि उनके नाती आकाश पुत्र सर्वेश के साथ यह घटना रात लगभग 7.30 बजे हुई। आकाश जब घर से रास्ते में जा रहा था, तभी गांव के दीपक पुत्र वोवी से उसकी कहासुनी हो गई। कहासुनी बढ़ने पर दीपक ने आकाश की बाईं आंख में चाकू से हमला कर दिया। इस हमले में आकाश गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसके बाद उसे तत्काल डॉ. राममनोहर लोहिया अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका उपचार जारी है। कोतवाली प्रभारी विनोद कुमार शुक्ला ने बताया कि देवेंद्र सिंह के प्रार्थना पत्र के आधार पर आरोपी दीपक के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

आक्रोश | दोपहर बाद तक राजकीय कृषि रक्षा इकाई पर लटका रहा ताला

बीज न मिलने से परेशान किसानों ने किया प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। शमसाबाद विकास खंड के फैजबाग स्थित राजकीय कृषि बीज भंडार गुरुवार अपराह्न एक बजे तक बंद मिला। गेहूं और अन्य फसलों के बीज खरीदने आए किसान घंटों बाहर इंतजार करते रहे, जिससे परेशान होकर उन्होंने प्रदर्शन किया और नारेबाजी की।

किसानों ने बताया कि उन्होंने भंडार के कर्मचारी धर्मेंद्र को कई बार फोन किया, लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया। इससे उनकी परेशानी और बढ़ गई। दूर-दराज के क्षेत्रों से आए किसानों को बीज न मिलने के कारण भारी असुविधा हुई। किसानों ने बंद पड़ी कृषि रक्षा इकाई की स्थिति की शिकायत जिलाधिकारी फर्रुखाबाद को फोन पर दी। जिलाधिकारी कार्यालय से उन्हें जिला कृषि अधिकारी से बात करने को कहा गया। किसानों ने जिला कृषि अधिकारी से भी फोन पर संपर्क किया, लेकिन शिकायत के बावजूद भंडार प्रभारी धर्मेंद्र मौके पर नहीं पहुंचे।

इसी बीच, सुबह 11.50 बजे एडीओ पीपी महिपाल सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने भी कृषि रक्षा इकाई न खुलने की जानकारी भंडार प्रभारी धर्मेंद्र को फोन पर दी। धर्मेंद्र ने बताया कि वह अभी बाहर हैं और दो बजे के बाद इकाई पर आएंगे।

रबी सीजन में बुवाई की तैयारी में जुटे किसानों को बीज मिलने में हो रही देरी का सीधा असर पड़ रहा है, जिससे उनकी दिक्कतें लगातार बढ़ती जा रही हैं। किसानों ने जिलाधिकारी से मांग की है कि कृषि रक्षा इकाई के भंडार प्रभारी धर्मेंद्र की लापरवाही पर तत्काल कठोर कार्रवाई की जाए।

प्रदर्शन करने वाले किसानों में रामशरण, मनोहर (निवासी मसूदपट्टी), आलोक कुमार, सर्वेश अवस्थी (निवासी संत कुइयां), संतोष (निवासी किसरोली), भारत (अचानकपुर), अटल चतुर्वेदी (नगलानान) सहित एक दर्जन से अधिक किसान शामिल थे। अपराह्न एक बजे तक कृषि रक्षा इकाई न खुलने पर किसान मायूस होकर वापस लौट गए। किसानों का कहना है कि एक तरफ जहां योगी सरकार किसानों को उन्नतशील बीज मुहैया कराने हेतु कृषि रक्षा इकाइयों पर बीज उपलब्ध करा रही है, वहीं भंडार प्रभारी धर्मेंद्र सरकार के आदेशों की अवहेलना कर रहे हैं।

प्रदर्शन करते किसान। अमृत विचार

कम्पिल में खुदाई में निकली 2000 वर्ष पुरानी ऋषभदेव की मूर्ति

कार्यालय संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। जिले की पौराणिक तीर्थ नगरी कम्पिल में हाल ही में हुई खुदाई के दौरान एक प्राचीन प्रतिमा मिली है। बुधवार देर शाम जैन मुनि आचार्य हार्दिक रत्न सूरी महाराज ने इस प्रतिमा को भगवान ऋषभदेव की लगभग 1800 से 2000 वर्ष पुरानी मूर्ति बताया।

आचार्य हार्दिक रत्न सूरी महाराज नेपाल में चातुर्मास पूर्ण करने के बाद पैदल गुजरात की ओर प्रस्थान कर रहे थे। इसी यात्रा के दौरान उन्होंने कम्पिल स्थित श्वेतांबर जैन मंदिर में दर्शन किए और एक धर्मसभा को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने मंदिर परिसर में मिली प्राचीन प्रतिमा का अवलोकन किया।

आचार्य श्री ने इस प्रतिमा को जैन धर्म की ऐतिहासिक विरासत और कम्पिल की आध्यात्मिक महत्ता का प्रतीक बताया।

उन्होंने कहा कि कम्पिल जैसी भूमि पर ऐसी प्राचीन प्रतिमा का मिलना यह दर्शाता है कि यह क्षेत्र प्राचीन काल से ही धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों का केंद्र रहा है। यह धरोहर जैन इतिहास के संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। जैन श्वेतांबर मंदिर कम्पिल के ट्रस्टी पुखराज डागा ने बताया कि खुदाई में मिली सभी मूर्तियां खंडित अवस्था में हैं। उनका मानना है कि प्राचीन काल में इस नगरी पर हुए आक्रमणों के कारण ये मूर्तियां खंडित हुई होंगी। सभी खंडित प्राचीन मूर्तियों को मंदिर के संग्रहालय परिसर में धरोहर के रूप में संरक्षित किया जाएगा। इस अवसर पर जैन समाज ने आचार्य श्री का भव्य स्वागत किया। मंदिर में विशेष आरती और मंगल पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। जानकारी के अनुसार, आचार्य हार्दिक रत्न सूरी महाराज कम्पिल में अल्प विश्राम के बाद पैदल ही गुजरात की ओर अपनी यात्रा जारी रखेंगे।

खुदाई में निकली मूर्ति। अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

नशीले पदार्थों की रोकथाम को हुई चर्चा

इटावा। जनपद स्तरीय एनसीओआरडी समिति की गोष्ठी का आयोजन रिजर्व पुलिस लाइन स्थित सभागार में अपर पुलिस अधीक्षक नगर की अध्यक्षता में हुई,जिसमें नारकोटिक्स व नशीले पदार्थों व विभिन्न प्रकार की नशीली दवाओं के दुरूपयोग की रोकथाम के सम्बन्ध में चर्चा की गई। पुलिस अधीक्षक नगर अभय नाथ त्रिपाठी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय एनसीओआरडी समिति की मासिक गोष्ठी में क्षेत्राधिकारी जसवंतनगर/लाइंस, आबकारी इंस्पेक्टर, बेसिक शिक्षा व माध्यमिक शिक्षा, कृषि विभाग, औषधि विभाग, जीएसटी विभाग व अन्य सम्बन्धित विभाग के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बाइक चोरी की रिपोर्ट दर्ज

बकेवर। थाना क्षेत्र के महेवा बस्ती गांव निवासी व्यक्ति की बाइक उस समय चोरी हो गई जब वह बाइक खड़ी कर बाजार करने गया था। उसकी तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज किया है। महेवा बस्ती गांव के शिवप्रताप ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 13 नवंबर की सायं 5 बजे वह गांव से मंदिर महेवा में सब्जी मंडी में बाजार करने गया था। बाइक खड़ी कर खरीदारी करने लगा। वापस आया तो उसकी बाइक गायब थी। काफी तलाश के बाद भी बाइक का पता नहीं चला। उसने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

भाजपाइयों ने बैठ कर फार्म भरवाए

महेवा। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा उत्तर प्रदेश सहित देश के दर्जन भर राज्यों में चल रही एस आई आर प्रक्रिया में भाजपा नेताओं ने बूथ बूथ जाकर मतदाताओं को जागरूक किया तथा बैठकर फार्म भी भरवाएं। ग्राम बहेड़ा स्थित बूथ 269 प्राथमिक विद्यालय बहेड़ा में भाजपा जिला उपाध्यक्ष हरनाथ सिंह कुशवाह ने भाजपा मंडल अध्यक्ष महेवा उदय कुशवाहा ,बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की जिला संयोजक मीनाक्षी चौहान आदि के साथ पहुंचकर बी एल ओ/ग्राम विकास अधिकारी अशोक सिंह परिहार के साथ ग्रामीणों के फार्म भरवाए वहीं उन्होंने ग्रामीणों से आवाहन किया कि वह एक हो जगह से एस आई आर फार्म जमा करे तथा इतना ही नहीं हर प्रकार से सूचनाएं सही रूप में भरे जिससे कोई परेशानी न हो। इस दौरान सुरजन सिंह पाल ,अनिल तिवारी ,अमित भदौरिया ,पंचायत सहायक नंदिनी ठाकुर आदि मौजूद रहे।

जीआरपी ने मोबाइल चोर गिरफ्तार किया

इटावा। जीआरपी ने चलती ट्रेनों में यात्रियों के मोबाइल फोन चोरी करने वाले एक शातिर चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से विभिन्न कंपनियों के चार चोरी किए गए एंड्रॉयड मोबाइल फोन बरामद किए। बताया गया है कि उपनिरीक्षक सुशील कुमार एवं राहुल कुमार को मुखबिर के जरिए सूचना प्राप्त हुई कि एक युवक चोरी के मोबाइल फोन सहित इटावा रेलवे स्टेशन पर खड़ा है। पुलिस टीम ने तत्काल कार्यवाही करते हुए युवक को पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम गौरव सिंह सेंगर पुत्र धर्मेंद्र सिंह सेंगर निवासी ग्राम सलेमपुर थाना कोतवाली जनपद औरैया बताया।

सड़क दुर्घटनाओं में दो लोग घायल

इटावा। जनपद के अलग अलग स्थानों पर हुईं सड़क दुर्घटनाओं में दो लोग घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। थाना फ्रेंड्स कालोनी क्षेत्र के अंतर्गत रणवीर नगर के पास अज्ञात वाहन की टक्कर लगने से मुन्नी देवी पत्नी रणवीर नगर फ्रेंड्स कालोनी घायल हो गईं। थाना सिविल लाइन क्षेत्र के अंतर्गत नुमाइश चौराहे के पास किसी वाहन की टक्कर लगने से प्रशांत चौधरी पुत्र सूर्य प्रकाश निवासी नुमाइश पंडाल के पीछे सिविल लाइन घायल हो गया।

धमाके के साथ ट्रांसफार्मर में लगी आग

जसवंतनगर। मोहल्ला कटरा विलोचन मोहल्ले में लगे ट्रांसफार्मर में अचानक धमाके के साथ आग लग गई। धमाका होने से आसपास के लोगों में हड़कम्प मच गया। लोगों ने इसकी जानकारी बिजली विभाग को दी। सूचना मिलने पर अवर अभियंता कौशल पांडेय लाइनमैन बॉबी, सर्विसमैन प्रमोद और अन्य कर्मचारियों के साथ मौके पर पहुँचे। टीम ने तत्काल ट्रांसफार्मर की विद्युत आपूर्ति बंद कर आग बुझाने का प्रयास शुरू कर दिया। बादमें फोन कर के फायर ब्रिगेड को भी बुलाया गया। कुछ ही देर में फायर ब्रिगेड मौके पर पहुँची और बिजली विभाग की टीम के साथ संयुक्त रूप से आग बुझाने में जुट गई। दोनों टीमों की तत्परता और समन्वय से ट्रांसफार्मर की आग पर काबू पाया गया।

जो मतदाता प्रपत्र भरकर नहीं देंगे उनका नाम सूची में दर्ज नहीं होगा

जिलाधिकारी ने एसआईआर को लेकर राजनीतिक दलों के साथ की बैठक

कार्यालय संवाददाता इटावा

अमृत विचार । विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के सम्बन्ध में जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी शुभ्रान्त कुमार शुक्ल की अध्यक्षता में जनपद के मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के पदाधिकारी, प्रतिनिधियों की कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक हुई।

बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि फार्म भरने के लिए तीन दिन शेष बचे हैं, जो मतदाता गणना प्रपत्र भरकर नहीं देंगे उनका नाम बीएलओ सूची में दर्ज नहीं किया जाएगा। उन्होंने यह भी अवगत कराया कि एक मतदाता एक ही जगह से अपना गणना प्रपत्र भरे, जो मतदाता दो जगहों से गणना प्रपत्र भरेगा उसके विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। बीएलओ के पास कुछ ऐसे मतदाता हैं, जो कि बीएलओ के खोजने से नहीं मिल रहे हैं। इसीलिए सभी मतदाताओं से अपील है कि अपना गणना प्रपत्र भरकर बीएलओ से संपर्क कर तत्काल जमा करें अन्यथा कि स्थिति में मतदाता सूची में नाम नहीं होगा। समस्त राजनीतिक दलों द्वारा बताया गया कि जन सेवा केंद्रों पर होर्डिंग्स लगाई जाएं, जिससे लोग जागरूक हो सकें एवं समस्त राजनीतिक दलों द्वारा समय बढ़ाने की मांग की गई।

राजनीतिक दलों के नेताओं को संबोधित करते जिलाधिकारी शुभ्रान्त कुमार शुक्ल।

जिलाधिकारी ने कहा कि प्रगाढ़ पुनरीक्षण के तहत जगह-जगह कैम्प लगाया जाए। बैठक के दौरान नगर मजिस्ट्रेट राजेन्द्र बहादुर, एसडीएम न्यायिक दीप शिखा, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी संतोष कुमार, ईओ नगर पालिका परिषद, जिलाध्यक्ष समाजवादी पार्टी प्रदीप शाक्य, जिलाध्यक्ष आम आदमी पार्टी संजीव शाक्य, क्षेत्रीय संयोजक भाजपा, कृपा नारायण तिवारी, भाजपा नेता सतेन्द्र राजपूत, संदीप भदौरिया, वरिष्ठ नेता सपा उदयभान सिंह यादव, वाचस्पति द्विवेदी, जिला महासचिव बीएसपी राकेश कुमार, जिला प्रवक्ता कांग्रेस प्रेरणा जुबैरी, अमरसिंह शाक्य, संतोष शाक्य, मो. राशिद शहर अध्यक्ष कांग्रेस आदि मौजूद रहे।

ट्रेन से गिर कर दो यात्रियों की मौत

इटावा। जनपद के थाना भरथना और थाना जीआरपी क्षेत्र के अंतर्गत अलग अलग स्थानों पर ट्रेन से गिरकर दो युवकों की मौत हो गई।

थाना भरथना क्षेत्र में किसी ट्रेन से गिरने से पंकज 24 वर्ष पुत्र बसन्त लाल निवासी सुनईयान शाहपुर आजमगढ़ की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना की सूचना पाकर थाना भरथना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को रेलवे ट्रैक से हटाया। पुलिस शव को मुख्यालय लेकर आई और पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया। घटना की सूचना पाकर मृतक के परिजन रोते बिलखते इटावा पहुंचे और शव को अपने साथ ले गए। थाना जीआरपी क्षेत्र के अंतर्गत रेलवे स्टेशन के पास पुरुषोत्तम एक्सप्रेस से गिरकर संतोष कुमार 40 वर्ष पुत्र जनार्दन मतान निवासी बरेन्द्र अकबरपुर बिहार गम्भीर रूप से घायल हो गया। सूचना पाकर थाना जीआरपी पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया जहां कुछ समय बाद इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई।

पीछे से भिड़ी कार वृद्धा गंभीर घायल

संवाददाता महेवा इटावा

अमृत विचार । बकेवर थाना क्षेत्र के अंतर्गत हाईवे पर ग्राम उझियानी ओवर ब्रिज पर तेज गति से जा रही कार पीछे से अज्ञात वाहन से टकरा गई। इस हादसे में एक वृद्ध महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। जबकि कार में सवार अन्य लोग बाल बाल बच गए। घायल महिला को इलाज के लिए 50 शैय्या अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जनपद उन्नाव के शुक्लागंज निवासी प्रदीप कुमार दीक्षित अपनी कार से मां बुद्धमती पत्नी प्रियंका व बच्चों को लेकर गुड़गांव हरियाणा जा रहे थे । जैसे ही उनकी कार बकेवर थाना क्षेत्र के ग्राम उझियानी ओवर ब्रिज से पहले पहुंची तभी आगे चल रहे अज्ञात वाहन के ब्रेक लगाने से उनकी कार उसमें पीछे से भिड़ गयी।

इस हादसे में बुद्धमती देवी के सिर में गम्भीर चोटें आई हैं।

मौके पर खड़ी क्षतिग्रस्त कार।

वहीं पत्नी व बच्चे बाल बाल बच गए। इस दुर्घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंचे राष्ट्रीय राजमार्ग की पेट्रोलिंग गाड़ी के सुपरवाइजर जितेन्द्र कुमार घायल महिला को पं रामाधीन शर्मा 50 शैय्या अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां पर उनका उपचार किया जा रहा है। वहीं उनकी कार क्षतिग्रस्त हो गयी।

खुलेआम हो रहा संविधान का अपमान

कार्यालय संवाददाता इटावा

अमृत विचार । देश में आज जिस तरह से संविधान की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं वह किसी से छुपा नहीं है। एसआईआर के नाम पर खुलेआम लोगों के नाम काटकर चुनाव आयोग संविधान का अपमान कर रहा है। यह बात दिल्ली से आये कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव एवं उ.प्र. प्रभारी नीलांशु चतुर्वेदी ने कांग्रेस कार्यालय पर आयोजित विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान एवं 14 दिसंबर को दिल्ली में होने वाली महारैली से संबंधित बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में कही।

संविधान दिवस के इस मौक़े पर राष्ट्रीय सचिव ने संविधान रचयिता बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर को नमन करते हुए अपनी बात जारी रखते हुए कहा कि यदि हमें संविधान बचाना है तो अधिक से अधिक संख्या में बूथों पर अपने कार्यकर्ताओं को बीएलए के रूप में तैनात करना होगा। इसी क्रम में कानपुर से आईं इटावा कोऑर्डिनेटर सुमन तिवारी ने कार्यकर्ताओं से अपील की कि उन्हें एसआईआर प्रक्रिया में बढ़-चढ़कर अपनी सहभागिता सुनिश्चित करनी होगी। उन्होंने 14 दिसंबर को दिल्ली में होने वाली महारैली में ज्यादा से ज़्यादा लोगों के पहुंचने की अपील की। बैठक में पूर्व प्रांतीय महासचिव अंशु तिवारी ने भी कार्यकर्ताओं से एसआईआर अभियान में भाग लेने की बात रखते हुए दिल्ली महारैली में पहुंचने की अपील की। बैठक को संबोधित करने वालों में शहर अध्यक्ष मोहम्मद राशिद, पूर्व जिला अध्यक्ष मलखान सिंह यादव, पूर्व शहर अध्यक्ष पल्लव दुबे, पूर्व प्रांतीय सदस्य अनिल यादव, वाचस्पति द्विवेदी, मखलू पांडे, कोमल सिंह कुशवाह, प्रशांत तिवारी, आलोक यादव, अरुण यादव, प्रेरणा जुबैरी, सतीश नागर एवं आसिफ जादरान आदि प्रमुख है।

बैठक की अध्यक्षता कर रहे ज़िला अध्यक्ष आशुतोष दीक्षित ने सभी का अभिवादन करते हुए कार्यक्रम की समाप्ति की घोषणा की। उन्होंने सभी कार्यकर्ता से एसआईआर अभियान में भाग लेने को कहा।

बैठक में उपस्थित कांग्रेस नेता। अमृत विचार

बाइक की टक्कर से अधेड़ घायल

ऊसराहार। थाना क्षेत्र के रम्पुरा गांव निवासी अरविन्द सिंह उस समय गंभीर रूप से घायल हो गए जब सवार बाइक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी।

प्रार्थना पत्र के अनुसार अरविन्द सिंह किशनी से अपने घर वापस आ रहे थे। तभी अचानक गांव के पास बाइक सवार तीन युवक पहुंचे, जिनमें से एक की पहचान बीटू पुत्र राकेश सिंह निवासी रम्पुरा के रूप में बताई गई है, जबकि दो युवक अज्ञात थे। बाइक सवार युवकों ने तेज रफ्तार से आते हुए अरविन्द सिंह को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वे गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े और उनका पैर टूट गया। हादसे के बाद तीनों युवक मौके से फरार हो गए। घायल अरविन्द सिंह को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां अभी भी उनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है और उपचार जारी है। पीड़ित के पुत्र हर्ष कुमार ने घटना की जानकारी पुलिस को देते हुए आवश्यक कार्रवाई की मांग की है।

दहेज हत्या में पति, सास व चचिया ससुर को आजीवन कारावास

कार्यालय संवाददाता इटावा

- **कोर्ट ने पति पर 30 हजार रुपये और सास व चचिया ससुर पर 20-20 हजार का जुर्माना लगाया**

अमृत विचार । अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुनीता शर्मा ने पांच साल पुराने दहेज हत्या के एक मामले की सुनवाई करते हुए आरोपी पति, सास व चचिया ससुर को बहु को जलाकर मार देने का दोषी पाया। दोषी पाए जाने पर कोर्ट ने उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई। इसके अलावा कोर्ट ने पति पर तीस हजार रुपये, सास व चचिया ससुर पर बीस बीस हजार रुपया का जुर्माना भी लगाया। जुर्माना अदा न करने पर उन्हें तीन तीन माह का अतिरिक्त कारावास भोगना पड़ेगा।

औरैया जिले के अछल्दा थाना क्षेत्र के गांव सुभानपुर निवासी सहदेव उर्फ सुमित पुत्र राम दत्त ने चौबिया थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट में आरोप लगाया था कि उसने अपनी बहन ममता देवी की शादी 2014 को चौबिया थाना क्षेत्र के गांव बरालोकपुर निवासी राहुल पुत्र राजेंद्र के साथ की थी। शादी में उसने अपनी सामर्थ के अनुसार दान दहेज दिया था। लेकिन उसके परिवारीजन इससे संतुष्ट नही थे। वह अतिरिक्तदहेज के रूप में बाइक व पचास हजार रुपय की मांग कर रहे थे मांग पूरी न होने पर ससुरालीजनों ने उसका उत्पीड़न शुरू कर दिया। ममता के बच्चा न होने पर ससुरालीजन धमकी दे रहे थे कि वह लोग ममता की हत्या कर राहुल की दूसरी शादी कर लेगे। बाद में ससुरालीजनों ने 24 फरवरी 2020 को ममता के ऊपर मिट्टी का तेल डालकर आग लगी दी। जिससे वह गंभीर रूप से जलकर घायल हो गई। उसने पीजीआई में भर्ती कराया गया जहां उसकी पांच मार्च 2020 को मौत हो गई। मौत से पूर्व ममता ने अपने बयान में पति राहुल , सास सुनीता देवी व चचिया ससुर सुरेंद्र को दोषी बताया था। तहरीर के आधार पर पुलिस ने हत्या व दहेज उत्पीडन की धाराओं में मामला दर्ज कर लिया। बाद में सभी लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। छानवीन के बाद पुलिस ने राहुल , सास सुनीता देवी व चचिया ससुर सुरेंद्र के खिलाफ आरोपपत्रकोर्ट में पेश कर दिए।

मामले की सुनवाई फास्ट ट्रेक कोर्ट प्रथम में हुई अपर जिला शासकीय अधिवक्ता देवेंद्र तिवारी ने सरकार की ओर से पैरवी की। उनके द्वारा पेश किए साक्ष्यों व गवाहों के आधार पर कोर्ट ने पति राहुल सास सुनीता व चचिया ससुर सुरेंद को दोषी पाया और उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई व अर्थदंड से दंडित किया।

बच्चों को यातायात नियमों के प्रति किया जागरूक

बच्चों को सम्मानित करते एसपी सिटी साथ मे कैलाश यादव। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता इटावा

- **पान कुंवर स्कूल में हुआ आयोजन**

अमृत विचार । यातायात माह के अंतर्गत आज पान कुंवर इंटरनेशनल स्कूल में यातायात एवं साइबर क्राइम पाठशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसपी सिटी अभय नाथ त्रिपाठी रहे, जिनका विद्यालय प्रबंधन ने स्वागत किया।

कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि और विद्यालय प्रबंधन द्वारा सरस्वती माता की प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलित कर हुई।

कार्यक्रम के दौरान एसपी सिटी अभय नाथ त्रिपाठी ने बच्चों को यातायात नियमों के पालन के संबंध में विस्तृत जानकारी दी । उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बच्चे अपने घर के सदस्यों को प्रेरित करें कि वे वाहन चलाते समय हमेशा हेलमेट और सीट बेल्ट का प्रयोग करें। इस दौरान चेयरमैन डॉ. कैलाश चंद्र यादव, सूबेदार सिंह आदि रहे।

पूर्व विधायक के भतीजे के घर से लाखों के जेवरात व नकदी चोरी

कार्यालय संवाददाता इटावा

- **सीओ सिटी, कोतवाल व फोरेंसिक टीम घटना स्थल पर पहुंची**

अमृत विचार । थाना कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत गाड़ीपुरा मोहल्ले में बुधवार की रात पूर्व विधायक केके राज के भतीजे के घर के ताले तोड़कर चोरों ने लाखों रुपये के सोने-चांदी के जेवर और सवा लाख रुपये नकद पार कर दिये। वहीं सूचना मिलते ही पुलिस व फोरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की।

गाड़ीपुरा निवासी निशांत राज पुत्र रतन राज पूर्व सभासद मसाला चक्की चलाते हैं, साथ ही कुकर और गैस चूल्हों के थोक व्यापारी हैं। निशांत की पत्नी सुमन लता राज जसवंतनगर क्षेत्र के नगला चेतराम स्थित प्राथमिक स्कूल में अध्यापिका हैं। परिवार में दो बच्चे हैं, जबकि निशांत की मां शांति राज और पिता उरई में मामा के बेटे की शादी में शामिल होने गए थे। उनका छोटा भाई मयंक महाराष्ट्र गया है। निशांत अपने पिता के पुराने मकान पर परिवार के साथ रात में सोने चले गए। निशांत ने बताया कि गुरुवार सुबह करीब पौने सात बजे उनकी पत्नी सुमन लता चाबी लेकर घर पर पहुंचीं। जैसे ही उसने मुख्य गेट खोलने की कोशिश की तो ताला गायब देखकर हैरान रह गई। घर के सभी कमरों के दरवाजे खुले पड़े थे और सामान पूरी तरह बिखरा हुआ था। घबराकर उसने आवाज लगाई, जिसके बाद निशांत तुरंत मौके पर पहुंचे। भीतर जाकर देखा तो अलमारी का सामान बिखरा पड़ा था, चोरों ने सोने-चांदी के जेवरात समेत लगभग 24 लाख रुपये के जेवर और दूसरी अलमारी में रखे सवा लाख रुपये नकद चोरी कर लिए। सामने वाले घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में एक युवक दिखाई दे रहा है, जिसने अपना चेहरा कपड़े से ढक रखा है। हालांकि, फुटेज में संदिग्ध की गतिविधियां साफ नजर नहीं आ रही हैं। सीसीटीवी फुटेज को कब्जे में लेकर पुलिस संदिग्ध की पहचान का प्रयास कर रही है। घटना की जानकारी पर सीओ सिटी अभय नारायण राय, कोतवाली पुलिस बल मौके पर पहुंची। पुलिस टीम ने घर का निरीक्षण किया और घटना से जुड़े संभवित सुराग जुटाए। वहीं फोरेंसिक टीम ने घर से फिंगरप्रिंट, फुटप्रिंट और अन्य साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस ने मौके से सीसीटीवी का डीवीआर भी कब्जे में ले लिया है।

परिषदीय विद्यालयों की परीक्षाएं अब 10 से

कार्यालय संवाददाता इटावा

- **एस आई आर के काम में ड्यूटी लगी होने से बढ़ी तारीख**

अमृत विचार । एसआईआर के कामकाज के चलते बेसिक शिक्षा विभाग के स्कूलों की परीक्षाओं का कार्यक्रम आगे बढ़ा दिया गया है। अब यह परीक्षाएं 10 दिसंबर से होंगी। पहले यह परीक्षाएं 28 नवंबर से कराई जानी थी । जिले में बेसिक शिक्षा विभाग के 1437 विद्यालयों में 89000 छात्र छात्राएं परीक्षा देंगे।

इन दिनों स्थिति यह है कि बेसिक शिक्षा विभाग के शिक्षकों को बड़ी संख्या में बीएलओ की जिम्मेदारी सौपी गई है। वे मतदाताओं के घर-घर गणना प्रपत्र पहुंचाने और जमा करने के काम में जुटे हैं। यह कार्य 4 नवंबर से शुरू हो गया है। इसी बीच परीक्षाओं का कार्यक्रम भी घोषित कर दिया गया जिससे कठिनाई आ रही थी । अब इस कार्यक्रम को आगे बढ़ा दिया गया है। अभी 4 दिसंबर तक गणना प्रपत्र वितरण करने और फिर उनको जमा करने का काम चलेगा। इसी को ध्यान में रखते हुए पर विद्यालयों की अर्द्धवार्षिक परीक्षाओं के कार्यक्रम में फेर बदल किया गया है। अब 10 दिसंबर से 15 दिसंबर तक परीक्षाएं कराई जाएंगी । यह परीक्षाएं दो पालियों में होगी। कक्षा एक की परीक्षा मौखिक आधार पर होगी, जबकि कक्षा 6 7 8 की लिखित परीक्षाएं कराई जाएगी । जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ.राजेश कुमार ने बताया है कि नए कार्यक्रम के अनुसार परीक्षाएं कराई जाएंगी इसकी सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

खेल के मैदान से | विधायक ने विजेताओं को मेडल व प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया

गोविंद, अमन व मनीष ने अपने वर्ग में मारी बाजी

संवाददाता महेवा इटावा

अमृत विचार । भरथना स्थित एस ए बी इंटर कालेज के खेल मैदान में चल रही दो दिवसीय विधायक खेल स्पर्धा का समापन विधायक भरथना राघवेंद्र गौतम ने विजेताओं को मेडल व प्रमाण पत्र वितरित कर किया । इस दौरान खिलाड़ियों में जबरदस्त उत्साह देखा गया।

दूसरे दिन खेलों में भारोत्तोलन एवं वॉलीबाल आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें सीनियर वर्ग में 70 किलो भार में गोविंद प्रथम ,विवेक द्वितीय ,60 किलो वर्ग में अमन प्रथम ,जूनियर वर्ग में अमन प्रथम ,अर्जुन द्वितीय ,45 किलो भार में मनीष कुमार प्रथम रहे। वहीं वॉलीबाल प्रितयोगिता में सीनियर बालिका वर्ग में भोलेनाथ क्लब विजेता तथा भवानी क्लब उपविजेता रहा । बालक जूनियर वर्ग में महेवा इंटर कालेज क्लब विजेता तथा एसएबी इंटर कालेज उपविजेता रहा। सब जूनियर बालक वर्ग में महेवा तथा बालिका वर्ग में एस ए बी कालेज की टीम विजयी हुई। समापन कार्यक्रम की अध्यक्षता एस डी एम भरथना काव्या सी ने की तथा संयोजक के रूप में युवा कल्याण अधिकारी भरथना ए के गौतम एवं महेवा धीरेन्द्र कुमार रहे ।

वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में खंड विकास अधिकारी भरथना विजय शंकर प्रसाद ,सहायक विकास अधिकारी पंचायत महेवा इंद्रपाल सिंह भदौरिया ,प्रधानाचार्य एस ए बी कालेज शैलेन्द्र कुमार ने भी बच्चों को पुरस्कृत किया । कार्यक्रम को सफल बनाने में पी टी आई जगदीश गौतम ,शोएब आलम ,योगेन्द्र चौधरी ,अजय कुमार ,राणा यादव आदि रहे।

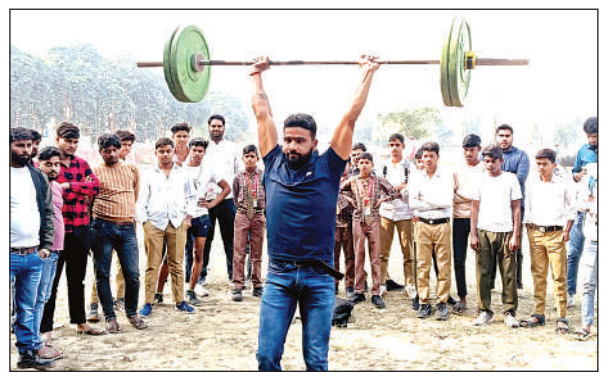

भार उठाते खिलाड़ी का उत्साह बढ़ाते दर्शक। अमृत विचार

विधायक खेलकूद प्रतियोगिता 29, 30 को

- **इटावा।** युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल द्वारा जसवंतनगर विधान सभा क्षेत्र की विधायक खेल स्पर्धा के तहत बालक/बालिका खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन 29 एवं 30 नवंबर को सैफई स्थित मास्टर चन्दगी राम स्पोर्ट्स स्टेडियम में किया जायेगा। उक्त आशय की जानकारी युवा कल्याण अधिकारी जसवंतनगर ने दी।

पिता की तहरीर पर दर्ज हुआ मामला

कार्यालय संवाददाता इटावा

- **टीटीई से विवाद के बाद चलती ट्रेन से गिरकर महिला की मौत का मामला**

अमृत विचार । दिल्ली-हावड़ा रेलमार्ग पर साम्हो-भरथना स्टेशन के बीच पटना-आनंद विहार सुपरफास्ट एक्सप्रेस से यात्रा कर रही एक महिला की बुधवार को चलती ट्रेन से गिरकर मौत हो गई थी। बाद में उसकी शिनाख्त श्याम नगर नौबस्ता थाना हनुमंत नगर कानपुर नगर के रूप में हुई।

मृतका के पिता अनिल कुमार ने थाना प्रभारी जीआरपी इटावा को तहरीर देकर टीटीई के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करने की मांग की है। उन्होने आरोप लगाया कि उसकी पुत्री आरती यादव पत्नी अजय सिंह ने कानपुर नगर से दिल्ली उपचार के लिये ट्रेन संख्या 02563 बरौनी न्यू दिल्ली क्लोन हमसफर स्पेशल का रिजर्वेशन किया था। जल्दबाजी में गलती से प्लेटफार्म पर मौजूद ट्रेन आनन्द विहार टर्मिनल स्पेशल फेयर स्पेशल के एस-11 कोच में चढ़ गई। मेरी पुत्री आरती यादव की उक्त ट्रेन में ड्यूटी पर मौजूद टीटीई संतोष कुमार से टिकट रिजर्वेशन को लेकर बहसबाजी और धक्कामुक्की हो गई, टीटीई द्वारा पहले मेरी पुत्री का सामान ट्रेन से बाहर फेंका बाद में मेरी पुत्री को भी धक्का मारकर चलती ट्रेन से गिरा दिया गया जिससे उसकी मौत हो गई। उन्होंने टीटीई संतोष कुमार के विरुद्ध हत्या का मुकदमा पंजीकृत कर कानूनी कार्यवाही की गुहार लगाई है।

मारपीट कर घायल करने की रिपोर्ट

भरथना। भरथना कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सालिमपुरा निवासी मनीष कुमार पुत्र राजेंद्र सिंह ने ऊसराहार भरथना रोड स्थित मंडी मोड़ निवासी नीरज यादव पुत्र लाखन सिंह यादव पर मारपीट कर घायल करने की रिपोर्ट दर्ज कराई हैं।

भरथना कोतवाली में दर्ज रिपोर्ट में घायल मनीष ने बताया कि वह अपने गांव जा रहा था, इसी बीच दबंग नीरज ने उसे अकारण रोक लिया और जबरन उससे बाइक मांगने लगा। इसपर उसने बाइक देने से मना कर दिया। इतना सुनते ही वह उसे पीटने लगा जिसमें उसके कान और शरीर में गम्भीर चोटें आईं हैं। घायल पीड़ित मनीष ने आरोप लगाया कि मारपीट के दौरान दबंग ने उसकी जेब में रखे 11 सौ रुपये भी निकाल लिए। पुलिस ने मारपीट की रिपोर्ट दर्ज कर नामजद दबंग की तलाश शुरू कर दी है।

अमृत विचार

कानपुर, शुक्रवार, 28 नवंबर 2025

औरैया

न्यूज ब्रीफ

ट्रेन की चपेट में आने वाले युवक की शिनाख्त

अछल्दा (औरैया)। दिल्ली–हावड़ा रेल मार्ग पर बुधवार शाम करीब 4 बजे बैशोली गांव के आगे खंभा नंबर 1118/5–7 के पास अप लाइन पर खड़े युवक की जोधपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस (12307) की चपेट में आने से मौत हो गई। हादसे के बाद लोको पायलट ने तत्काल स्टेशन मास्टर को सूचना दी, जिस पर आरपीएफ के सतेंद्र कुमार और सिविल पुलिस मौके पर पहुंची। थाना प्रभारी पंकज मिश्रा ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम हेतु भिजवाया। मृतक से मिले मोबाइल नंबर पर संपर्क के बाद पहचान रामकेश पुत्र किशन निवासी सराय महाजनान, चौकी रुरूगंज थाना बिधूना के रूप में हुई। प्रारंभ में पहचान नहीं हो सकी थी, लेकिन कॉल के आधार पर परिवार तक सूचना पहुंचने के बाद पुष्टि हुई। परिजनों ने बताया कि वह काम के सिलसिले में घर से निकला था, तभी हादसा हो गया। वरिष्ठ एसएसआई सुरेश सिंह ने बताया कि शिनाख्त के बाद मृतक का शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है।

26 क्वार्टर शराब के साथ शातिर को पकड़ा

अयाना। थानाध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि एसआई हरिकेश कुमार ने गुरुवार को गश्त के दौरान सिखरना मोड़ पर एक संदिग्ध व्यक्ति की तलाशी ली। उसके पास बोरी में 26 देसी शराब के क्वार्टर बरामद हुए। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम बृजनंदन निवासी सिखरना बताया। उसने बताया कि गांव में शराब ठेका नहीं है। इसके चलते ठेका से क्वार्टर खरीद कर गांव में महंगे दाम पर बेचता है। गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम की कार्रवाई की गई है।

पीड़ित ने सीएम पोर्टल पर लगाई न्याय की गुहार

ऐरवाकटरा। ग्राम ऐरवा कुईली के हरिओम शर्मा ने गुरुवार को सीएम पोर्टल पर शिकायत दर्ज करते हुए बताया राजन वर्मा कपड़ा विक्रेता है। उन्होंने हरिओम शर्मा के साथ धोखाधड़ी करते हुए बाइक बेच दी और चार हजार रुपए ले लिए फिर कहा बाकी रुपए किस्तों पर दे देना। पांचवी दिन आए और कहने लगे मेरे सभी रुपए अभी दे दो। हरिओम शर्मा ने कहा मेरे पास अभी रुपए नहीं हैं तो अनिल सक्सेना से पंचायत कराकर बाइक वापस ले ली। कहने लगे लगभग तीन माह हो गए हैं और एक रुपए भी वापस नहीं कर रहे हैं। पीड़ित ने न्याय की गुहार लगाई है।

प्रबंधक के घर से लाखों की चोरी महिला सफाईकर्मी गिरफ्तार

पुलिस ने बैंक खाते में 2.81 लाख व 59,500 रुपए नकद बरामद कर आरोपी को भेजा जेल

संवाददाता, अछल्दा (औरैया)

पुलिस की गिरफ्त में महिला आरोपी। अमृत विचार

- विद्यालय व प्रबंधक के घर से 4.50 लाख की चोरी, महिला सफाईकर्मी पकड़ी गई

अमृत विचार: कस्बे के हरीगंज बाजार निवासी विशाल गुप्ता पुत्र राजेन्द्र प्रकाश, जो लक्ष्मी नारायण इंटरनेशनल हाईस्कूल अछल्दा में प्रबंधक हैं, ने थाना अछल्दा में तहरीर देते हुए विद्यालय एवं घर से लगातार हो रही चोरी की बात कही है। तहरीर के अनुसार विद्यालय और घर में सफाई का कार्य कर रही महिला प्रीति यादव निवासी नगला सहाबराय थाना अछल्दा, पर धन की चोरी का आरोप लगा है। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

स्कूल और घर मे प्रीति यादव वर्ष 2024 से विद्यालय में सफाई कर्मचारी के रूप में 3000 रुपये प्रतिमाह पर कार्यरत थी। मई 2025 के बाद उसने प्रबंधक के घर पर भी सफाई का कार्य शुरू किया, जिसके बदले उसका वेतन बढ़ाकर 6000 रुपये प्रतिमाह कर दिया गया। इसी दौरान विद्यालय कार्यालय के फीस कैश से तथा घर में रखी अलमारी व पर्स से धीरे-धीरे दो सालों में धन गायब होने लगा। प्रबंधक विशाल गुप्ता को शक होने पर घर के बेडरूम में मोबाइल कैमरा चालू छोड़कर निगरानी की गई। 25 नवंबर को प्रीति यादव की वीडियो रिकॉर्डिंग में घर की अलमारी में रखे बैग से रुपये निकालते हुए चोरी की पुष्टि हुई। जब उससे पूछताछ की गई तो उसने चोरी करना स्वीकार किया एवं बताया कि उसने चोरी का सारा धन सेंट्रल बैंक घसारा के खाते में जमा करा दिया है। विद्यालय एवं घर से कुल 4,50,000 रुपए की चोरी की गई थी। थाना पुलिस सक्रिय हुई और थाना प्रभारी निरीक्षक पंकज मिश्रा ने आरोपी महिला के बैंक खाते का स्टेटमेंट निकलवाया, जिसमें लगभग 2,81,000 रुपए जमा पाया गया। साथ ही 59,500 रुपए नकद बरामद किए गए। पुलिस ने सबूतों और वीडियो रिकॉर्डिंग व बैंक स्टेटमेंट के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

ब्रेकशू फंसने से मालगाड़ी के पहिए से उठी चिंगारी

अछल्दा (औरैया): दिल्ली-हावड़ा रेल मार्ग पर मालगाड़ी के पहिए से चिंगारी निकलने की जानकारी पाता स्टेशन ने अछल्दा स्टेशन मास्टर को दी जिस पर प्लेटफॉर्म तीन मेंन लाइन पर रात 8 बजे करीब रोका गया। लूप लाइन से अन्य ट्रेनों को निकाला गया।

पाता स्टेशन से अप लाइन से मालगाड़ी पास हो रही थी स्टेशन मास्टर ने अछल्दा स्टेशन को बताने पर मालगाड़ी को रोका गया। मेनलाइन पर मालगाड़ी खड़ी हो जाने से अन्य गाड़ियों को लूप लाइन से गुजारा गया। कर्मियों ने मरम्मत की। जांच पड़ताल में पता चला कि पहिए के ब्रेकशू के चिपक जाने से चिंगारी निकली है। हालांकि अंधेरा होने के कारण चिंगारी निकलने वाले डिब्बे को ढूंढने में अधिकारियों व कर्मचारियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। बाद में पता चला कि जिस डिब्बे से चिंगारी निकली है वह बीच में है। लूप लाइन से मालगाड़ी निकाली गई।

प्रपत्र के बारे में जानकारी लेते एडीएम। अमृत विचार

अपर जिला अधिकारी ने वोटरों से ली जानकारी

संवाददाता, दिबियापुर (औरैया)

अमृत विचार। उप निर्वाचन अधिकारी, अपर जिला अधिकारी अविनाश चंद्र मौर्य ने कस्बा में दरवाजे दरवाजे जाकर लोगों से वार्ता कर जानकारी ली।

कस्बा के मोहल्ला राणा नगर पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर के कई मोहल्ले में बुधवार की दोपहर उप निर्वाचन अधिकारी ने जांच पड़ताल की और उन्होंने वोटरों से पूछा कि उन्हें गणना प्रपत्र मिल गए हैं। उन्होंने भरकर जमा कर दिया है कोई समस्या आ रही है तो वह अवगत कराएं। इस दौरान कई लोगों ने कहा कि उन्होंने अपना फार्म जमा कर दिया है। एक दो लोगों ने कहा कि अभी कागजात पूरे ना होने से वह फॉर्म जमा नहीं कर पाए हैं। जल्दी फॉर्म को जमा कर देंगे। इस दौरान उन्होंने क्षेत्रीय बीएलओ भी मौके पर बुला लिए और लोगों को दिए गए फॉर्म जल्दी जमा करने के निर्देश दिए जिससे गणना प्रपत्र का कार्य समय से पूरा हो सके। कोई दूसरी ओर बूथ नंबर 107 जिसके बोर्ड कस्बा के बेल रोड स्थित विवेकानंद ग्राम औद्योगिक महाविद्यालय में पड़ेंगे।

उमरी गांव में निकली एनएसएस की मतदाता जागरूकता रैली

संवाददाता, दिबियापुर (औरैया)

प्रपत्र बांटते लोग। अमृत विचार

- नागरिकों को एसआईआर प्रपत्र भरने के लिए किया प्रेरित

अमृत विचार। बेला रोड स्थित विवेकानंद ग्राम उद्योग महाविद्यालय भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार चल रहे उत्तर प्रदेश मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत विवेकानन्द ग्रामोद्योग महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने निकटवर्ती ग्राम उमरी में मतदाता जागरूकता रैली का आयोजन किया। रैली का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को समय से एसआईआर प्रपत्र भरने और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करना रहा।

रैली के दौरान एनएसएस स्वयंसेवकों ने घर-घर जाकर जनसंपर्क किया और नागरिकों को मतदाता सूची के अद्यतन की प्रक्रिया तथा उसके महत्व के बारे में जागरूक किया। स्वयंसेवकों ने हाथों में तख्तियां लेकर लोकतंत्र का सम्मान करें, एसआईआर फॉर्म जमा करें और शत-प्रतिशत मतदान करें, वोटर फॉर्म जमा करें जैसे संदेशों के साथ नारे लगाए, जिससे ग्रामीणों में लोकतांत्रिक चेतना का संचार हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. इकरार अहमद ने कहा कि राष्ट्रनिर्माण में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, और इस प्रकार की जागरूकता गतिविधियां समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में सहायक होती हैं। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. हिमांशु के नेतृत्व में आयोजित रैली में डॉ. विनोद कुमार, डॉ. मृदुल पाण्डेय, राहुल शुक्ला और विश्राम सिंह का विशेष सहयोग रहा। रैली को सफल बनाने में खुशी खान, प्रियंका, शामिया, उदय प्रताप सिंह, निकहत, राखी सहित कई छात्र-छात्राओं ने अनुशासित एवं उत्साहपूर्ण सहभागिता निभाई।

मतदाता एक जगह ही भरें अपना गणना प्रपत्र

कार्यालय संवाददाता, औरैया

बैठक के दौरान निर्देश देते डीएम डॉक्टर इंद्रमणि त्रिपाठी। अमृत विचार

- जिला निर्वाचन अधिकारी ने एसआईआर के संबध में की मानस सभागार में बैठक

अमृत विचार। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. इन्द्रमणि त्रिपाठी ने जनपद में संचालित विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम में पारदर्शिता तथा मतदाताओं के हितों का ध्यान रखते हुए मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ कलेक्ट्रेट स्थित मानस सभागार में बैठक कर बताया कि जनपद में लगभग शत प्रतिशत गणना प्रपत्रों का बीएलओ के माध्यम से बूथवार वितरण किया जा चुका है तथा विधानसभा बिधूना में लगभग 78 प्रतिशत, विधानसभा दिबियापुर में लगभग 76 प्रतिशत तथा विधानसभा औरैया में लगभग 72 प्रतिशत गणना प्रपत्रों का संग्रहण करते हुए डिजिटाइजेशन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने राजनीतिक दलों द्वारा गणना प्रपत्रों के संग्रहण व डिजिटाइजेशन के दौरान उत्पन्न हो रहे संदेहों का निराकरण करते हुए बताया कि जिन्हें गणना प्रपत्र प्राप्त नहीं हुए हैं और वह 21 वर्ष के अधिक आयु के हैं वह निर्वाचन सूची प्रकाशन के उपरांत फॉर्म 08 तथा नए मतदाता फॉर्म 06 भरकर निर्वाचक नामावली में अपना नाम अंकित करा सकेंगे। जिन मतदाताओं का तकनीकी कारण से रिकॉर्ड नहीं मिल रहा था उनका रिकॉर्ड निर्वाचन आयोग को उपलब्ध कराते हुए पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया है जिसे बीएलओं पुनः एडिट कर पुनः सुधार कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि जिन मतदाताओं को निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के माध्यम से नोटिस दिए जाएंगे उनसे मतदाताओं को आशंकित होने की आवश्यकता नहीं है उन्हें नोटिस वितरण से पूर्व बीएलओ के माध्यम से विवरण अंकित कराते हुए आख्या प्राप्त कर मतदाता सूची में सम्मिलित कर लिया जाएगा। जिला निर्वाचन अधिकारी ने यह भी अवगत कराया कि जिन महिलाओं का नाम 2025 की मतदाता सूची में है परंतु उनका नाम 2003 की मतदाता सूची में नहीं है वह अपने माता-पिता का इपिक नंबर मंगा लें जिससे नोटिस के समय उपलब्ध कराने पर उनका नाम मतदाता सूची में सम्मिलित कर लिया जाएगा। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से अपेक्षा व्यक्त की, कि वह जनपद के नगरीय क्षेत्र में बीएलए के माध्यम से विशेष सहयोग करें जिससे कोई भी पात्र मतदाता सूची में सम्मिलित होने से न रह पाए और वह अपने मताधिकार के प्रयोग से वंचित न रहने पाए। उन्होंने अवगत कराया कि कल जनपद के 33 बीएलओ द्वारा गणना प्रपत्र संग्रहण कर डिजिटाइजेशन का कार्य पूर्ण कर लिया है तथा उन्हें सम्मानित भी किया जा रहा है इसके अलावा आज सायं तक लगभग 70 बीएलओ द्वारा शत प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी अविनाश चन्द्र मौर्य, अपर जिला अधिकारी (न्यायिक) नीरज प्रसाद, भाजपा जिला संयोजक अमर चंद्र राठौर, सपा जिला अध्यक्ष सर्वेश बाबू गौतम, सीपीआईएम सदस्य जिला मंत्री हरिशचंद्र गुप्ता, कांग्रेस जिला प्रवक्ता प्रवीण गुप्ता, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी राविन्द्र कुमार आदि उपस्थित रहे।

31 दिसम्बर को होने वाली श्री राम शोभायात्रा को लेकर तैयारियां तेज

संवाददाता, अछल्दा (औरैया)

- मुख्य मार्गों पर सैकड़ों होर्डिंग लगे, नगर में दिखा उत्साह

अमृत विचार: आगामी 31 दिसम्बर को निकाली जाने वाली भव्य श्री राम शोभायात्रा को लेकर तैयारियां चरम पर पहुंच गई हैं। नगर के मुख्य मार्गों से लेकर विभिन्न मोहल्लों तक उत्साह का माहौल बना हुआ है।

हनुमान मंदिर सेवा समिति के नेतृत्व में रविवार देर रात तक होर्डिंग लगाने का कार्य चलता रहा। समिति के सदस्यों ने रात लगभग 3 बजे तक प्रमुख चौराहों, बाजारों व भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर आकर्षक होर्डिंग स्थापित कर लोगों को शोभायात्रा में सम्मिलित होने का संदेश दिया। होर्डिंग अभियान में मुकेश गुप्ता, नीरज पोरवाल, आर्यन गुप्ता, अनिल कश्यप, रोहित पाण्डेय सहित सेवा समिति के कई कार्यकर्ता सक्रिय रहे। बताया गया कि पुराने कस्बे से लेकर नेविलगंज, मंडी, बाहरपुरा, नहर बाजार, हरीगंज, बोडेपुर तथा आसपास के क्षेत्रों में सैकड़ों की संख्या में होर्डिंग लगाए गए हैं, जिससे नगर में रामभक्ति का माहौल रंगत पकड़ता दिख रहा है।

समिति के सदस्यों के अनुसार इस बार की शोभायात्रा पिछले वर्षों की तुलना में अधिक ऐतिहासिक और भव्य रूप में आयोजित होगी। इसके लिए मार्ग-सज्जा, झांकियों, ध्वनि-प्रसारण, विद्युत प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था एवं व्यवस्था प्रबंधन को अंतिम रूप दिया जा रहा है। शोभायात्रा में विभिन्न धार्मिक झांकियां, भजन-कीर्तन दल, भगवा ध्वज और पुष्प वर्षा विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगे।स्थानीय नागरिकों और युवाओं में शोभायात्रा को लेकर उत्साह देखने लायक है। नगर के बाज़ारों में तैयारी, धार्मिक गीतों की धुनों और जय श्रीराम के जयघोष से आस्था का वातावरण गूंजने लगा है। अधिक से अधिक संख्या मेंआकर प्रभु श्रीराम के चरणों में भक्ति अर्पित करने की अपील की है।

सड़क किनारे खुला कुआं दे रहा हादसों को दावत

संवाददाता, फफूंद (औरैया)

- कुएं के आसपास मवेशी घास चरते हैं, बना रहता गिरने का डर

अमृत विचार: ब्लॉक भाग्यनगर के अंतर्गत ग्राम अधासी में वर्षों पुराना खुला कुआं अब ग्रामीणों के मवेशी के लिए जहां सिरदर्द बना हुआ है वहीं आवारा जानवरों पर भी आये दिन खतरा बना रहता है। जबकि, इस कुआं के पास बड़ी बड़ी घास उग आई है।

ग्रामीणों ने इस समस्या को लेकर ग्राम प्रधान को अवगत कराया है इसके बाद ग्राम प्रधान ने कुएं को बंद करवाने के लिए एक लोहे का जाल डलवाने की बात कही है। गांव के अमन कुमार, अक्षय कुशवाहा, चंदन, मनोज गौतम आदि ने बताया कि सड़क के किनारे बहुत पुराना यह कुआं है। घरेलू जानवर कभी-कभी इसमें गिर जाते हैं। वहीं आवारा जानवरों के लिए भी डर बना रहता है। लोगों ने ग्राम प्रधान रेनू मिश्रा से खुला कुआं बंद करवाने के लिए आग्रह किया है। ग्राम प्रधान रेनू मिश्रा ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया है जल्दी लोहे का जाल बनवाकर इस कुआं को बंद कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि पंचायत में कोई भी समस्या है, तो उसके लिए ग्रामीण संपर्क कर अपनी बात रख सकते हैं।

रेलवे फाटक पर लगा रहा घंटों जाम

संवाददाता, अछल्दा (औरैया)

बाजार में लगी लोगों की भीड़। अमृत विचार

अमृत विचार: दिल्ली–हावड़ा रेल मार्ग स्थित फाटक पर गुरुवार को साप्ताहिक बाजार व कस्बे में चल रहे शादी–समारोहों की भीड़ के चलते घंटों लंबा जाम लगा रहा। सुबह से ही बाजार में खरीदारी को आई भीड़ और विवाह कार्यक्रमों में शामिल होने वाले वाहनों का दबाव बढ़ने से रेलवे फाटक के दोनों ओर वाहनों की कतारें लग गईं। स्थिति यह रही कि बाइक सवारों से लेकर चार पहिया वाहन तक घंटों फंसे रहे और लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

बढ़ते जाम की सूचना पाकर आरपीएफ जवान सतेंद्र कुमार मौके पर पहुंचे। उन्होंने सिविल पुलिस के साथ मिलकर आवाजाही सुचारू कराने के लिए लगातार प्रयास किए। कई बार फाटक बंद होने और ट्रेन गुजरने के कारण जाम और बढ़ता गया, जिसके चलते पुलिस कर्मियों को मार्ग खोलने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। देर शाम तक यातायात पूरी तरह सामान्य नहीं हो सका, हालांकि पुलिस के प्रयासों के बाद वाहनों को धीरे-धीरे निकालना शुरू किया गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि साप्ताहिक बाजार के दिन बड़ी संख्या में लोग बाहर से खरीदारी के लिए आते हैं, ऐसे में फाटक बंद होने और शादी बारात आदि के चलने से हर वर्ष इसी तरह जाम की समस्या उत्पन्न होती है। लोगों ने प्रशासन से वैकल्पिक मार्ग या यातायात व्यवस्था में स्थायी सुधार की मांग की, ताकि भविष्य में इस प्रकार की अव्यवस्था से राहत मिल सके।

दिशा –निर्देश | 65 नंबर बूथ सहित कई केंद्रों पर जांच, गलत भरे गए फॉर्म सुधारने के दिए निर्देश

नगर में मतदाता पुनरीक्षण अभियान का पूर्व मंत्री ने किया निरीक्षण

संवाददाता, फफूंद (औरैया)

निरीक्षण करते पूर्व मंत्री। अमृत विचार

बीएलओ अशोक कुमार को सम्मानित करते सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी प्रवीण कुमार। अमृत विचार

- 3,36,484 गणना प्रपत्र वितरित 2.30 लाख से अधिक जमा

अमृत विचार। मतदाता पुनरीक्षण अभियान के तहत उत्तर प्रदेश के पूर्व कृषि राज्य मंत्री लाखन सिंह राजपूत ने गुरुवार को विभिन्न बूथों का निरीक्षण कर बीएलओ को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने 203 की सूची का गहन अवलोकन किया और जहां-जहां त्रुटिपूर्ण फॉर्म भरे गए थे, उन्हें सही कराए जाने के निर्देश दिए।

पूर्व मंत्री ने विशेष रूप से नगर के 65 नंबर बूथ का निरीक्षण किया, जहां मतदाताओं के गणना प्रपत्रों का संग्रह कार्य चल रहा था। उन्होंने मौके पर मौजूद बीएलओ रिजवान से जानकारी लेते हुए यह सुनिश्चित किया कि कोई भी पात्र मतदाता सूची से वंचित न रह जाए। साथ ही अन्य बूथों का भी निरीक्षण कर कार्य की प्रगति का जायजा लिया। पूर्व मंत्री ने जानकारी देते हुए बताया कि दिबियापुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत कुल 3,36,484 गणना प्रपत्र वितरित किए गए हैं, जिसमें से अब तक 2 लाख 30 हजार से अधिक प्रपत्र जमा किए जा चुके हैं। इस प्रकार लगभग 70.34 प्रतिशत कलेक्शन पूरा हो चुका है, जबकि शेष कार्य अभी प्रगति पर है। पूर्व मंत्री लाखन सिंह राजपूत ने कहा कि निर्वाचन आयोग के निर्देशों एवं संवैधानिक प्रावधानों का पालन करते हुए समस्त कर्मचारी व अधिकारी मतदाता पुनरीक्षण अभियान को सफल बनाने में जुटे हैं। उन्होंने मतदाताओं से भी अपील की कि वे अपने मतदाता अधिकार का प्रयोग करते हुए समय से अपने फॉर्म जमा कराएं और सूची में अपना नाम अवश्य सत्यापित कर लें। सम्पूर्ण विधानसभा क्षेत्र में कलेक्शन का कार्य तेजी से जारी है और जल्द ही शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने का प्रयास किया जा रहा है। इस अवसर पर बीजेपी के जिला उपाध्यक्ष प्रेम कुमार गुप्ता, प्रमोद तिवारी, पुजारी गुरु नारायण शुक्ला, मुन्ना गुप्ता सहित बीजेपी कार्यकर्ता साथ रहे।

एसआईआर कार्य समय से पूर्ण कराने वाले बीएलओ सम्मानित

अछल्दा (औरैया)। ब्लाक सभागार में बीएलओ को सम्मानित किया गया। उन्हें सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी प्रवीण कुमार और सुपरवाइजर सत्यम गुप्ता द्वारा एसआईआर कार्य को समय पर और पूर्ण गुणवत्ता के साथ पूरा करने के लिए यह सम्मान प्रदान किया गया। अधिकारियों ने अशोक कुमार के कार्य की समीक्षा करते हुए बताया कि उन्होंने पूरी ईमानदारी और सक्रियता के साथ निर्धारित समय सीमा में अपना दायित्व निभाया है। उनके इस प्रयास से मतदाता सूची के अद्यतन और फॉर्म प्रक्रिया में तेजी आई है, जिससे स्थानीय स्तर पर निर्वाचन कार्य को सुचारू गति मिली है। सम्मान समारोह के दौरान, प्रवीण कुमार और सत्यम गुप्ता ने कहा कि ऐसी लगन और जिम्मेदारी चुनाव प्रक्रिया की मजबूती का आधार होती है। उन्होंने अशोक कुमार को आगे भी इसी प्रकार उत्साहपूर्वक कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया और उनकी टीमवर्क की सराहना की। समारोह में उपस्थित अन्य लोगों ने भी अशोक कुमार को उनकी उपलब्धि के लिए बधाई दी और उनके कार्य को प्रेरणादायक बताया।

स्वागत करते संगठन के पदाधिकारी। अमृत विचार

समाज में युवाओं से आगे आने का किया आह्वान

कार्यालय संवाददाता, औरैया

अमृत विचार। अखिल भारतीय गहोई वैश्य महासभा द्वारा आयोजित 16 नवंबर 2025 को हुए चुनाव में मंत्री पद पर विजय हुए अमरचंद कठिल का गहोई युवा वैश्य समिति की पदाधिकारियों ने फूल मालाओं से माल्यार्पण कर जोरदार स्वागत किया।

कठिल ने कहा कि समाज के हित के लिए जो भी कार्य होगा वह सर्व सम्मति से कराया जाएगा। इससे पहले हमें समाज को एकता के धागा में बांधना है और समाज को नई दिशा में ले जाने का कार्य करेंगे। कहा हमारा मुख्य उद्देश्य है कि बिखरे हुए समाज के दो संगठनों को एक करना। जिससे कि मनमुटाव और द्वेष भावना दूर हो। इस दौरान स्वागत करने वालों में रमेश चंद्र नगरिया समेत कई लोग रहे।

न्यूज ब्रीफ

युवक ने फांसी लगा आत्महत्या की

मौदहा (हमीरपुर)। सिसोलर कस्बा निवासी महेंद्र सिंह (35) पुत्र रामदीन सिंह ने बुधवार की रात अज्ञात कारणों अपने घर के बगल में लगे नीम के पेड़ पर रस्सी बांध फांसी लगा आत्महत्या कर ली। इसकी जानकारी होती ही उसके परिजनों में कोहराम मच गया। सिसोलर पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज घटना की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। बताते चलें कि मृतक सूरत में रहकर काम करता था। दीपावली में वह गांव आया था। वह पांच भाइयों में तीसरे नंबर का व अविवाहित था।

पेंशनर्स 29 मार्च को निकालेंगे कैंडल मार्च

हमीरपुर। सेवानिवृत कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष श्यामचरन साहू ने गुरुवार को अतिरिक्त एसडीएम को दिए ज्ञापन में बताया कि भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के संकल्प पत्र में गठित केंद्रीय वेतन आयोग के विषय में पेंशनरों की पेंशन एवं अन्य लाभों का संदर्भ छोड़ दिया गया है जिससे प्रदेश के पेंशनरों में भी निराशा एवं क्षोभ व्याप्त हो गया है उन्होंने बताया कि केंद्रीय आठवें वेतन आयोग के विषय बिन्दु में पेंशनरों को शामिल किये जाने एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों के पेंशन पुनरीक्षण एवं अन्य अनुशंसाओं को लागू कराने हेतु प्रांतीय आवाहन पर आगामी 29 नवंबर शनिवार को नगर पालिका परिषद के रैन बसेरा हाल में एकत्र होकर कलेक्ट्रेट तक शांतिपूर्वक कैंडल मार्च करेंगे।

बांधुर तिराहा की सड़क भारी भरकम गड्ढों में हुई तब्दील

बिवांर (हमीरपुर)। कस्बे के बांधुर तिराहा के पास सड़क के पूरी तरह गड्ढा में बदल जाने से वाहन चालकों को आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वाहन चालक परेशान है। गड्ढे होने से हर दिन जाम लगता है। जाम के चलते लोगों को परेशानी उठानी पड़ती है। कस्बे के बांधुर तिराहा के पास सड़क का नामोनिशान मिट गया है। सड़क में भारी भरकम गड्ढे हो गए है। तीन बार मरम्मत का कार्य कर खानापूर्ति की गई है। एक महीना में सड़क उखड़ कर गड्ढों में बदल जाती है। चौथी बार सड़क उखड़कर गड्ढों में बदल गई है। तिराहा के पास सड़क में गड्ढे हो जाने से वाहन चालकों को आने-जाने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हर दिन सैकड़ों वाहनों का आना-जाना रहता है। वहीं जाम की समस्या से भी लोगों को जूझना पड़ता है। इस मामले में जेई अजय कुमार कटिहार ने बताया कि सड़क में गड्ढा हो जाने की जानकारी मिली है, मरम्मत का कार्य कराकर सही किया जाएगा।

पति व देवर पर मारपीट का आरोप लगाया

बिवांर (हमीरपुर)। कस्बे के बाजार मोहल्ला निवासी आरती पत्नी राजेश कुमार कुशवाहा ने थाने में तहरीर देते हुए बताया कि उसका पति व भाई राम मनोहर पुत्र रामकिशन ने घरेलू सामान की तोड़फोड़ कर दी। ई रिक्शा में भी तोड़फोड़ कर क्षतिग्रस्त कर दिया है। उलाहना देने पर अभद्रता कर मारपीट की। महिला ने पति व उसके भाई के खिलाफ थाना में तहरीर दी है। पुलिस ने पति व उसके भाई दोनों को हिरासत में ले लिया है। एसआई अंकित बैसला ने बताया कि महिला की तहरीर मिली है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से पिता पुत्री घायल

कुरारा (हमीरपुर)। क्षेत्र के कुरारा भौली मार्ग में अज्ञात वाहन की टक्कर से पिता पुत्री घायल हो गए। जिन्हें राहगीरों द्वारा स्थानीय सीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार करने के बाद हालत में सुधार न होने पर दोनों घायलों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। थानाक्षेत्र के लखौदा गांव निवासी निशा (22) पुत्री दिनेश कुमार, दिनेश कुमार (45) पुत्र स्वामीदीन बुधवार की देर शाम कुरारा भौली मार्ग में अज्ञात वाहन की टक्कर से गंभीर रूप से घायल हो गए। लोगों ने सीएचसी पहुंचाया, यहां से दोनों को जिला अस्पताल रेफर किया गया।

पुराने सिक्के, नोट बदलने का झांसा दे ठगी

राठ (हमीरपुर)। कस्बे के कोट बाजार में साइबर ठगों ने पुराने सिक्के और नोट बदलने का झांसा देकर 15 हजार 520 रुपये ठगी कर ले गए। पीड़ित ने कोतवाली में तहरीर दी। कोट बाजार निवासी श्याम पुत्र राजाराम पुरवार ने बताया कि बीती रात उसके मोबाइल फोन पर अज्ञात मोबाइल नंबर से कॉल आई। कॉल करने वाले युवक ने पुराने सिक्कों और नोट को बदलने के बदले उसे ज्यादा पैसे देने का झांसा देकर फोनपे पर उससे 15 हजार 520 रुपये डलवा कर ठगी कर ली।

महिला मोर्चा की उपाध्यक्ष शकुंतला बनीं भाजपा जिलाध्यक्ष

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

भाजपा जिलाध्यक्ष शकुंतला निषाद।

अमृत विचार। भारतीय जनता पार्टी ने जिलाध्यक्ष के नामों की बुधवार रात सूची जारी करते हुए महिला मोर्चा की क्षेत्रीय उपाध्यक्ष शकुंतला निषाद को भाजपा का नया जिलाध्यक्ष बनाया है। मुख्यालय के फूलारानी मोहल्ला निवासी नव निर्वाचित जिलाध्यक्ष शकुंतला निषाद ने बताया कि वह वर्ष 2008 से लगातार भाजपा की कार्यकर्ता के रूप में कार्य कर रही हैं, पार्टी ने जिस जिम्मेदारी को सौंपा उसे बखूबी निभाया। इसी का परिणाम है कि उन्हें भाजपा का जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया है।

उन्होंने बताया कि वह पार्टी की नीतियों को आगे बढ़ाने का काम करेंगी। गुरुवार को नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष शकुंतला निषाद ने नगर के चौरादेवी एवं इटरा के हनुमान जी एवं अन्य धार्मिक स्थलों पर पहुंचकर माथा टेका। वहीं जगह-जगह पर कार्यकर्ताओं ने पुष्प मालाओं से एवं पटका से उनका भव्य स्वागत किया। जिला मीडिया प्रभारी अरविंद श्रीवास्तव ने जानकारी दी की भाजपा जिलाध्यक्ष शकुंतला निषाद अभी लखनऊ प्रदेश कार्यालय जाएगी और 29 नवंबर को मुख्यालय लौटेंगी। 29 नवंबर को सभी पदाधिकारी एवं भाजपा के कार्यकर्ता उनका आगमन होने पर भव्य स्वागत करेंगे।

उर्विजा दोबारा जालौन भाजपा जिलाध्यक्ष बनीं, मायके में खुशी

कुरारा (हमीरपुर)। जालौन जिले की भाजपा जिलाध्यक्ष उर्विजा दीक्षित को पुनः जिलाध्यक्ष बनाए जाने पर पीहर में जश्न का माहौल बना हुआ है। लोग एक दूसरे को मुंह मीठा कराकर बधाई दे रहे है।

जालौन जिले की उर्विजा दीक्षित को भारतीय जनता पार्टी द्वारा पुनः जालौन जिले का जिलाध्यक्ष की बागडोर सौंपी है। जिससे उनके पीहर में जश्न का माहौल है और एक दूसरे को मुंह मीठा करा कर बधाई दे रहे हैं। उर्विजा दीक्षित के चाचा प्रणव कुमार शुक्ला ने बताया की पुनः जिला अध्यक्ष बनाए जाने पर घर में जश्न का माहौल है। वही कस्बे के ब्लॉक प्रमुख आशीष पालीवाल, ब्रज किशोर गुप्ता, गोपाल दास पालीवाल, प्रत्यय शुक्ला, अश्विनी द्विवेदी, रामविलास शिवहरे, रवि गुप्ता आदि ने उनको पुनः जिला अध्यक्ष बनाए जाने पर बधाई दी है।

उर्विजा दीक्षित।

- एक-दूसरे का मुंह मीठा कराकर दी बधाई

बाल विवाह रोकने को आगे आए धर्मगुरु

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

कार्यक्रम को संबोधित करते संस्था के कैलाश गौतम व मौजूद लोग। अमृत विचार

अमृत विचार। साईं ज्योति संस्था द्वारा जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन के आह्वान पर सरकार के बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के एक वर्ष पूर्ण होने पर धर्म गुरुओं एवं ग्राम स्तरीय स्वयं सेवियों का सम्मेलन आयोजित किया। जिसमें विभिन्न सम्प्रदायों से आए धर्म गुरुओं ने जिले से बाल विवाह के खात्मे को कमर कसी।

साई ज्योति के जिला समन्वयक कैलाश गौतम ने कहा कि संस्था जिले को साल भर के भीतर बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए सरकारी एजेंसियों के साथ कंधे से कंधा मिला कर काम करेगा। उन्होंने बताया कि 100 दिवसीय गहन जागरूकता अभियान जिसे बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के एक वर्ष पूरे होने के मौके पर पूरे देश में शुरू किया गया है। अभियान ने इसके लिए एक लक्षित रणनीति तय की है। इसमें स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों, उन धार्मिक स्थलों जहां विवाह संपन्न कराए जाते हैं, विवाह में सेवाएं देने वाले पेशेवर सेवा प्रदाताओं, और आखिर में पंचायतों व नगरपालिका वार्डों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। ताकि बच्चों के खिलाफ इस सदियों पुराने अपराध का अंत सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने कहा कि साई ज्योति संस्थान देश में बाल अधिकारों के संरक्षण के लिए नागरिक समाज संगठनों के देश के सबसे बड़े नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन का सहयोगी संगठन है। कहा कि इस नेटवर्क के 250 से भी अधिक सहयोगी संगठन देश के 451 जिलों में बाल विवाह के खात्मे के लिए जमीन पर काम कर रहे हैं। पिछले एक वर्ष में ही इस नेटवर्क ने देश में एक लाख से ज्यादा बाल विवाह रोके हैं। इस मौके पर शिव विजय सिंह, सनत श्रीवास्तव, लियाकत अली, अनुभव शुक्ला सीडब्ल्यूसी, तबस्सुम वन स्टाप क्राइसिस सेंटर, चाइल्ड लाइन के जिला समन्वयक सफवान, हाफिज हनीफ, राम दुलारे आदि धर्मगुरु मौजूद रहे।

अवधिपार कीटनाशक रखने पर दो विक्रेताओं की दुकानें हुईं सीज

डीएम के निर्देश पर जनपद की कीटनाशक प्रतिष्ठानों का किया गया निरीक्षण

कार्यालय संवाददाता हमीरपुर

राठ कस्बे में छापेमारी के दौरान बंद मिली दुकान के सामने मौजूद निरीक्षण दल।

अमृत विचार। जिलाधिकारी द्वारा गठित की गई टीमों ने जनपद में कृषकों को गुणवत्तायुक्त कीटनाशक रसायन की उपलब्धता तथा निर्धारित दर पर बिकी सुनिश्चित करने के लिए निजी कीटनाशक रसायन विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों पर छापेमारी की। 15 कीटनाशक विक्रेता द्वारा कीटनाशक प्रतिष्ठान बंद करके भाग जाने पर कीटनाशक लाइसेंस निलंबित किया गया। जबकि 02 कीटनाशक रसायन विक्रेता द्वारा एक्सपायरी तिथि के उत्पाद रखे होने पर उन्हें सीज किया गया।

तहसील सरीला में तहसीलदार के उप कृषि निदेशक डॉ. प्रमोद कुमार ने 05 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। जिसमें 02 कीटनाशक रसायन विक्रेता को नोटिस जारी किया। सदर तहसील एवं मौदहा में जिला कृषि अधिकारी डॉ. हरी शंकर ने 06 कीटनाशक प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। जिसमें 02 कीटनाशक रसायन के नमूने लिए गए। जबकि 02 कीटनाशक रसायन विक्रेता को नोटिस जारी किया। उधर राठ में नायब तहसीलदार के साथ जिला कृषि रक्षा अधिकारी डॉ.इन्द्रेषु कुमार गौतम ने 18 कीटनाशक प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान 04 कीटनाशक रसायन के नमूने लिए गए। जबकि 15 कीटनाशक विक्रेता द्वारा कीटनाशक प्रतिष्ठान बंद कर भाग जाने पर कीटनाशक लाइसेंस निलंबित किया गया। वहीं 02 कीटनाशक रसायन विक्रेता द्वारा अवसान तिथि के उत्पाद रखे होने पर मैसर्स-मौन साधना कृषि केंद्र राठ एवं मैसर्स-न्यू हंसित बीज भंडार राठ के कीटनाशक प्रतिष्ठान को मौके पर ही सीज किया। इसके साथ 03 विक्रेता को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। छापेमारी के दौरान विक्रेताओं को रसायन बिक्री पर कैश मेमों देने के साथ-साथ अथॉरिटी लेटर अनिवार्य रूप से रखने एवं स्टॉक रजिस्टर, बिक्री रजिस्टर व रेटबोर्ड को अद्यतन करने के निर्देश दिए गए। लिए गए नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला में भेजा गया है।

- कार्रवाई के लिए जिलाधिकारी ने नियुक्त की टीम

विवाह सम्मेलन में अराजकता फैलाने पर रिपोर्ट दर्ज

राठ (हमीरपुर)। कस्बे के ब्रह्मानंद इंटर कॉलेज के मैदान में बीते मंगलवार को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन समाज कल्याण विभाग द्वारा किया गया था। सम्मेलन के द्वारा अराजक तत्वों द्वारा खाने-पीने का सामान लूटने का मामला सोशल मीडिया में जमकर वायरल हुआ था। शासन की छवि खराब करने के उद्देश्य से गुरुवार को सहायक विकास अधिकारी ने अज्ञात लोगों पर एफआईआर दर्ज कराई है।

सहायक विकास अधिकारी मोहित कुमार ने बताया कि 25 नवंबर को कस्बे के बीएनवी इंटर कॉलेज के मैदान में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत करीब 400 शादियां संपन्न कराई गईं थी। विवाह संपन्न होने के बाद अराजक तत्वों द्वारा शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न करते हुए पंडाल में चिप्स इत्यादि की छीना छपटी करके शासकीय कार्यों में बाधा उत्पन्न की गई। कोतवाल राकेश कुमार ने बताया मामला दर्ज कर अराजकतत्वों के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है।

पहले हो चुके काम, बाद में टेंडर बड़े घोटाले की सुगबुगाहट तेज

संवाददाता, सुमेरपुर (हमीरपुर)

अमृत विचार। नगर पंचायत सुमेरपुर में भ्रष्टाचार और अनियमितताओं का गंभीर मामला सामने आया है। क्षेत्र के वार्ड नंबर 18 नई बस्ती झंडा मैदान निवासी प्रत्यूश उर्फ प्रवीण कुमार ने जिलाधिकारी हमीरपुर को प्रार्थना-पत्र देकर आरोप लगाया है कि नगर पंचायत द्वारा पहले से पूर्ण कराए जा चुके सात कार्यों की अल्पकालीन निविदा दोबारा प्रकाशित की गई है, जबकि इन कार्यों का भुगतान कराने की मंशा पहले ही जाहिर हो चुकी है।

शिकायतकर्ता ने बताया कि नगर पंचायत सुमेरपुर ने पत्रांक 212/न. पं. सुमे.-निविदा (2025-26) 11 अक्टूबर 2025 के आधार पर 7 कार्यों की अल्पकालीन निविदा कानपुर संस्करण के एक बड़े अखबार में 12 नवंबर 2025 को प्रकाशित कराई है। जबकि उक्त सभी कार्य पहले ही नगर पंचायत द्वारा पूरे कराए जा चुके हैं। जिनके जीओ टैग फोटो भी उपलब्ध हैं। ऐसे में पहले से पूर्ण कार्यों की दोबारा निविदा प्रकाशित करना संदेह पैदा करता है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि अध्यक्ष नगर पंचायत सुमेरपुर और अधिशासी अधिकारी की मिलीभगत से यह निविदा केवल चहेते ठेकेदारों को लाभ पहुंचाने और फर्जी भुगतान निकालने के उद्देश्य से प्रकाशित की गई है। उन्होंने बताया कि इससे पहले 10 लाख रुपये से नीचे के लगभग सभी कार्य ई-निविदा से कराए गए थे, लेकिन केवल इन कार्यों को अल्पकालीन निविदा के माध्यम से जारी किया गया है, जो भ्रष्टाचार का स्पष्ट संकेत है। शिकायतकर्ता ने जिलाधिकारी से मांग की है कि 11 अक्टूबर 2025 को प्रकाशित इस अल्पकालीन निविदा में शामिल कार्यों की स्थलीय जांच कराई जाए तथा अनियमितताओं की पुष्टि होने पर निविदा को निरस्त करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाए।

- कस्बे के एक युवक ने डीएम को शिकायती पत्र देकर जांच कराने की मांग की

एलिम्को की ओर से दिव्यांग बच्चों को बांटे गए उपकरण

संवाददाता, मौदहा (हमीरपुर)

अमृत विचार। कस्बे के ब्लॉक संसाधन केंद्र में आयोजित एक सादे समारोह में कानपुर की एलिम्को कंपनी की ओर से परिषदीय विद्यालयों में अध्ययन रत दिव्यांग बच्चों को उपकरण बांटे गए कार्यक्रम की शुरुआत खण्ड शिक्षा अधिकारी द्वारा सरस्वती माता के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर की गई।

कस्बे के ब्लॉक संसाधन केंद्र में बेसिक शिक्षा अधिकारी के निर्देश पर परिषदीय विद्यालयों और पीएम श्री विद्यालयों में अध्ययनरत दिव्यांग छात्रों को कानपुर की एलिम्को कंपनी द्वारा निशुल्क उपकरण वितरित किए गए। कार्यक्रम की शुरुआत खण्ड शिक्षा अधिकारी सुशील कुमार कमल द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित और पुष्पांजलि के साथ की गई।इस दौरान जनपद के विभिन्न विकास खंडों के परिषदीय और पीए श्री विद्यालयों में अध्ययनरत कुल 83 चिह्नित छात्रों को उपकरण एलिम्को कानपुर की ओर से तुषार और अशोक प्रताप सिंह ने वितरित किए गए। इस दौरान नायब तहसीलदार रामलखन, अनूप पाण्डेय जिला समन्वयक समेकित शिक्षा, व्यायाम शिक्षक हरि प्रकाश कुशवाहा, हरि मोहन गुप्ता ब्लॉक अध्यक्ष, नरेंद्र चौरसिया, शिवेंद्र सिंह के साथ समस्त एजुकेटर आदि मौजूद रहे।

- ब्लॉक संसाधन केंद्र में आयोजित हुआ कार्यक्रम

ब्राह्मण समाज ने कहा, बेटियों का अपमान नहीं सहेगा समाज, रोष

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

अकिल तिराहे पर आईएएस का पुतला फूंकते ब्राह्मण महासभा के पदाधिकारी।

अमृत विचार। आईएएस व अजाक्स के प्रांतीय अध्यक्ष पर ब्राह्मण समाज की बेटियों पर अशोभनीय व अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप है। अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा (रा) के पदाधिकारियों ने विरोध प्रदर्शन कर उनका पुतला फूंक राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी घनश्याम मीना को सौंपते हुए कार्रवाई की मांग की है। अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा (रा) के जिलाध्यक्ष दीपक मिश्रा ने बताया कि आईएएस द्वारा ब्राह्मण समाज की बेटियों पर अशोभनीय व अपमानजनक टिप्पणी की गई है। जिससे पूरे समाज की भावनाएं आहत हुई है। कहा कि वरिष्ठ आईएएस अधिकारी की ऐसी निम्न स्तर की मानसिकता का प्रदर्शन अखिल भारतीय सेवा आचरणों के नियमों का उल्लंघन है। उनके इस बयान से समाज जातिगत आधार पर बांटने वाला है और बेटियों की गरिमा को तार तार करने वाला है। जिसका महासभा पुरजोर विरोध करती है। उन्होंने आईएस को पद से निष्कासित कर कार्रवाई की मांग की है। महासभा ने अकिल तिराहा पर आईएएस का पुतला फूंका। इस मौके पर गगन मिश्रा, अभिषेक मिश्रा, सौरभ द्विवेदी, राधा चौरसिया, प्रभा द्विवेदी, सरोजनी, उर्मिला शुक्ला, नीलम बाजपेई, नीरज द्विवेदी, अनादि आदि रहे।

एसडीएम को ज्ञापन सौंपते ब्राह्मण समाज के लोग। अमृत विचार

ब्राह्मण समाज ने जताया विरोध, सौंपा ज्ञापन

राठ (हमीरपुर)। आईएएस व अजाक्स के प्रांतीय अध्यक्ष के द्वारा ब्राह्मण समाज की महिलाओं पर की गई अभद्र टिप्पणी को लेकर सर्व ब्राह्मण विकास परिषद ने नारेबाजी कर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। गुरुवार को दर्जनों महिलाओं और पुरुषों ने विरोध करते हुए नारेबाजी कर गृहमंत्री अमित शाह को संबोधित ज्ञापन एसडीएम अभिमन्यु कुमार को सौंपा। सर्व ब्राह्मण विकास परिषद की जिला अध्यक्ष वंदना शुक्ला ने बताया कि आईएएस एवं अजाक्स संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष ने भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में अपने संबोधन में ब्राह्मण बहू बेटियों पर अभद्र टिप्पणी की थी। इस मौके पर सर्व ब्राह्मण विकास परिषद के सदस्यों ने तहसील परिसर में जमकर नारेबाजी की। इस दौरान हरिमोहन चंसौरिया, नीरज कुमार चौबे, अनीता शुक्ला शैलेंद्र व्यास दिनेश चतुर्वेदी जितेंद्र कुमार चौबे सभासद, श्रीकांत द्विवेदी, सुनील त्रिपाठी, व जगदीश चंसौदिया के अलावा अन्य तमाम लोग मौजूद रहे।

कार्यक्रम | डीजे और भांगड़ा की धुन पर जमकर थिरके श्रद्धालु

गाजे-बाजे के साथ निकाली गई भव्य कलश यात्रा

संवाददाता, राठ (हमीरपुर)

कलश यात्रा में शामिल महिलाएं। अमृत विचार

फीता काटकर मेले का शुभारंभ करते यज्ञ समिति के अध्यक्ष। अमृत विचार

अमृत विचार। कस्बे के धर्मपरायण समाजसेवी व्यापारी के कॉम्प्लेक्स में शुरू हुई श्रीमद् भागवत कथा के पहले दिन भव्य गाजे बाजे के साथ कलश यात्रा निकाली गई।

कस्बे के चौबट्टा मोहल्ले से शुरू हुई कलश यात्रा मुख्य मार्ग से होते हुए कथा स्थल पर पहुंची। कलश यात्रा के दौरान सैकड़ों की संख्या में महिलाएं सिर में कलश रखकर मंगल गीत गाते हुए चल रहीं थी। कलश यात्रा में डीजे, स्वांग तमाशे और भांगड़ा की धुन पर थिरकते हुए लोग चल रहे थे। श्रीधाम वृन्दावन से पधारे विवेक महाराज ने पहले दिन मंगलाचरण और महात्म्य कथा सुनाई। कलश यात्रा के दौरान सचिन अग्रवाल सिर पर श्रीमद भागवत लेकर चल रहे थे। इस मौके पर मुख्य पीठाधीश्वर मां शारदा शक्तिपीठ मैहर, पूर्व विधायक डॉ.अंब्रेश कुमारी, बल्लन अग्रवाल, शंकर दादा, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीनिवास बुधौलिया, प्रदीप गुप्ता, मुकेश गुप्ता, ब्रजभूषण सोनी दाऊ, सुरेश खेबरिया समेत सैकड़ों की तादाद में महिलाएं रहीं।

- कलश यात्रा मुख्य मार्ग से होते हुए कथा स्थल पर पहुंची

गायत्री महायज्ञ की 68वीं वर्षगांठ में उमड़ने लगी भीड़

सुमेरपुर (हमीरपुर)। कस्बे की तपोभूमि में चल रही श्री गायत्री महायज्ञ की 68वीं वर्षगांठ में अब भीड़ उमड़ने लगी है। गुरुवार को यज्ञ समिति के अध्यक्ष समाजसेवी अरुण कुमार दुबे पप्पू भैया ने विधिविधान के साथ पूजन करके मेले का शुभारंभ किया। श्री गायत्री महायज्ञ की वर्षगांठ में अब कस्बा वासियों की अच्छी खासी भीड़ जुटने लगी है। कथा पंडाल गुरुवार को खचाखच भरा हुआ था। कथा व्यास दुर्गा प्रसाद द्विवेदी ने कहा कि मनुष्य को अन्याय के मार्ग में चलने से बचना चाहिए। न्याय एवं सत्य का मार्ग ही मनुष्य को मुक्ति दिलाता है। गुरुवार को यज्ञ समिति के अध्यक्ष ने तपोभूमि में लगे मेले का विधि विधान के साथ फीता काट शुभारंभ किया। इसके पूर्व यज्ञ के सह आचार्य पंडित उमादत्त शुक्ला ने विधि विधान के साथ पूजन कराया। इस मौके पर मेला कमेटी के अध्यक्ष राहुल उर्फ टिंकू पालीवाल, अनिल पालीवाल, डा. नरेश शर्मा, सोनू तिवारी, यज्ञ समिति संजय ओमर, बालगोपाल गुप्ता, आल्हा सिंह आदि मौजूद रहे।

एसपी ने तीसरी बार किए तबादले 29 हेड कांस्टेबलों का फेरबदल

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

अमृत विचार। एसपी डॉ.दीक्षा शर्मा ने जिले में कानून व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के लिए जनपद के विभिन्न थानों में तैनात 29 हेड कांस्टेबलों को इधर से उधर किया है।

जिसमें मालखाना में तैनात रामायण प्रसाद को सदर कोतवाली, सदर कोतवाली के विवेक कुमार को सुमेरपुर, चन्द्रवीर सिंह को थाना मौदहा, अवनीश कुमार को सदर कोतवाली से थाना बिवांर, अर्जुन सिंह को सदर कोतवाली से थाना मझगवां, नन्दलाल को सदर कोतवाली से थाना जरिया, अर्चना माथुर को सदर कोतवाली से थाना मौदहा, कृष्ण कुमार शर्मा को थाना कुरारा से थाना जलालपुर, छोटे सिंह को थाना सुमेरपुर से थाना राठ, मंजू देवी को थाना सुमेरपुर से थाना राठ, निशा पाल को थाना मौदहा से थाना सिसोलर, अतुल रावत को थाना बिवांर से थाना चिकासी, विनीत कुमार सिंह को थाना बिवांर से थाना जरिया, छोटेलाल यादव को थाना बिवांर से थाना चिकासी भेजा गया है। इसी प्रकार बिवांर में तैनात श्रवण कुमार को थाना राठ, बिवांर की रंजना शाक्य को थाना राठ, प्रिया कश्यप को सुमेरपुर, सिसोलर की ज्ञानमती को थाना बिवांर, अंकित कुमार को राठ से बिवांर, प्रतीक कुमार राठौर को राठ से बिवांर, स्नेहलता को राठ से जरिया, नाजिया परवीन को राठ से जलालपुर, निशा देवी को राठ से सिसोलर, शिवम कुमार यादव को चिकासी से पुलिस लाइन्स, प्रदीप यादव को जलालपुर से पुलिस लाइन्स, मनोज यादव को जरिया से पुलिस लाइन्स, ओमप्रकाश निषाद को पुलिस लाइन्स से राठ, राहुल कुमार को पुलिस लाइन्स से पैरवी सेल, अम्बरीश कुमार को पुलिस लाइन्स से सम्मन सेल में तैनाती दी गई है।

अमृत विचार

कानपुर, शुक्रवार, 28 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

किशोर को ढूंढकर परिजनों को सौंपा

चित्रकूट। ऑपरेशन मुस्कान के क्रम में चौकी शिवरामपुर पुलिस ने किशोर को ढूंढकर उसके परिजनों को सौंपा। 26 नवंबर को गीता नागर पत्नी राजू निवासी शिवरामपुर ने चौकी में सूचना दी कि उसका पुत्र शुभेंद्र प्रताप (17) बीते दिन घर से नाराज होकर कहीं चला गया था, जो वापस नहीं आया। इस पर चौकी प्रभारी सनी कुमार चतुर्वेदी ने सीसीटीवी कैमरों व गोपनीय जानकारी से पता किया कि शुभेंद्र लखनऊ अपने दोस्त के घर चला गया था। पुलिस ने उसे माता-पिता के सुपुर्द किया। परिवारीजनों ने पुलिस टीम को धन्यवाद दिया। साथ ही पुलिस की भूरि भूरि सराहना की ।

राष्ट्रीय लोक अदालत संबंधी बैठक

चित्रकूट। 13 दिसंबर को होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के संबंध में गुरुवार को जनपद न्यायाधीश, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शेषमणि शुक्ला की अध्यक्षता में नोडल अधिकारियों एवं विभिन्न प्रशासनिक अधिकारियों की चौथे चरण की बैठक हुई। प्राधिकरण की सचिव वर्णिका शुक्ला ने बताया कि जिला जज ने राष्ट्रीय लोक अदालत में ज्यादा से ज्यादा वादों को चिह्नित कर निस्तारण के लिए बल दिया। साथ ही कहा कि इसका व्यापक रूप से प्रचार प्रसार किया जाये। ताकि अधिक से अधिक लोग लाभ ले सकें।

पुलिस ने पति-पत्नी में सुलह कराई

चित्रकूट। पुलिस कार्यालय स्थित परिवार परामर्श केंद्र में पुलिस ने परिवारिक झगड़े को समाप्त कराकर पति-पत्नी में सुलह कराई। मंजू देवी पुत्री मंगल निवासी बनकट ने एसपी से शिकायत की थी कि पति मिथलेश पुत्र सुरवलाल निवासी खजुरिहा मारपीट और जान से मारने की धमकी देता है। एसपी के निर्देश पर परिवार परामर्श केंद्र प्रभारी रंजना तिवारी ने दोनों पक्षों को बुलाकर समझाया। पति-पत्नी कलह भूलकर साथ रहने पर राजी हो गए। पुलिस टीम में मुख्य आरक्षी रजनी सिंह और आरक्षी सोनिका द्विवेदी शामिल रहीं।

निर्धारित क्षेत्र के बाहर पाया गया खनन, नोटिस

चित्रकूट। जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने सोशल मीडिया पर प्राप्त शिकायत के तहत तहसील कर्वी स्थित ग्राम पहड़िया बुजुर्ग सानी में स्वीकृत बालू/मौरंग के खनन अनुज्ञा क्षेत्र की खान निरीक्षक से जांच कराई। रिपोर्ट में खान निरीक्षक ने डीएम को बताया कि विवेक कुमार निवासी ओरा (एवी इंफ्राटेक) के पक्ष में खनन अनुज्ञा स्वीकृत की गई है। निरीक्षण के दौरान स्वीकृत क्षेत्र के बाहर अवैध खनन किया जाना पाया गया। इस पर डीएम ने अनुज्ञाधारक के विरुद्ध नोटिस जारी कर नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए।

विशाल दंगल का आयोजन 2 व 3 को

कालपी। क्षेत्र के गुलौली मदरालालपुर गांव में इस वर्ष भी ऐतिहासिक सूर्यकुंड मेला एवं दंगल का आयोजन 2 व 3 दिसम्बर होगा। इसका उदघाटन क्षेत्रीय विधायक करेंगे। मेला एवं दंगल के संचालक हातिम बेग ने बताया की कालपी क्षेत्र के ऐतिहासिक सूर्य मन्दिर पर पिछले कई दशकों से मेला एवं दंगल का आयोजन होता आ रहा है, जो इस वर्ष 2 दिसम्बर एवं 3 दिसम्बर को होगा। साथ ही गुलौली गांव में विशाल दंगल का आयोजन किया जाता है जिसमें क्षेत्र तथा दूरदराज से नामी गिरामी पहलवान आते हैं, जिसकी तैयारी जोर-शोर से चल रही है और मेला एवं दंगल का उद्घाटन क्षेत्रीय विधायक विनोद चतुर्वेदी के द्वारा किया जाना है।

हदबंदी के नाम पर घूस लेने के आरोप में कानूनगो गिरफ्तार

बांदा की एंटी करप्शन टीम ने रंगे हाथ दबोचा

कार्यालय संवाददाता चित्रकूट

अमृत विचार। एंटी करप्शन ट्रैप टीम ने गुरुवार को एक राजस्व निरीक्षक (कानूनगो) को घूस लेते हुए रंगे हाथों दबोच लिया। इस पर हदबंदी के नाम पर पांच हजार रुपये रिश्वत लेने का आरोप है।

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी कानूनगो।

जानकारी के अनुसार, कोतवाली अंतर्गत कालूपुर पाही निवासी रामप्रकाश पुत्र शिवलाल प्रसाद ने इस संबंध में बांदा के एंटी करप्शन थाने में शिकायत की थी। उसका कहना था कि तहसील कर्वी में तैनात राजस्व निरीक्षक ओमप्रकाश सिंह उससे उसके गाटा नंबर 195 की हदबंदी कराने के नाम पर रिश्वत की मांग कर रहे थे। इस पर गुरुवार को निरीक्षक राकेश सिंह की अगुवाई में टीम शिकायतकर्ता के बताए स्थान कर्वी में शारदानगर राजापुर रोड पहुंच गई। वहां राजस्व निरीक्षक ओमप्रकाश सिंह निवासी ग्राम महुराई थाना बदौसा (बांदा) को पांच हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई गई।

तीन माह में तीसरी बार हुई कार्रवाई

- एंटी करप्शन टीम की यह तीन माह के अंदर तीसरी कार्रवाई है। इसके पूर्व टीम ने 23 सितंबर को हैसियत प्रमाणपत्र में रिपोर्ट लगाने के नाम पर कर्वी तहसील के क्लर्क राहुल और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी इस्तियाक को छह हजार रुपये घूस लेने के आरोप में पकड़ा था। 15 अक्टूबर को बांदा से आई भ्रष्टाचार निवारण संगठन की टीम ने राधा लाज स्थित विद्युत वितरण खंड कर्वी कार्यालय में छापा मारकर कार्यालय सहायक प्रशांत कुमार और कंप्यूटर आपरेटर (आउटसोर्सिंग) राजाबाबू को गिरफ्तार किया था। लगातार हो रही कार्रवाई से विभागों में हड़कंप की स्थिति है।

ट्रक की टक्कर से युवक की मौत

कालपी जालौन। हाईवे स्थित होटल से खाना लेकर सड़क पार कर रहे युवक की अज्ञात वाहन की टक्कर से उसकी मौत हो गई है।

नगर के मुहल्ला रावगंज निवासी प्रकाश उर्फ ललुआ विश्नोई गल्ला मण्डी के बाहर हाईवे पर बैठकर फुटकर गल्ला की खरीदारी करता था। बुधवार देरशाम वह काम से फुर्सत होकर घर जा रहा था। इस दौरान वह घर में मौजूद पत्नी और बच्ची के लिये हाईवे स्थित महारानी लक्ष्मीबाई पार्क के पास स्थित मामा होटल से खाना लेने चला गया था। वह खाना लेकर सड़क पार कर रहा था तभी तेजी से आ रहे अज्ञात ट्रक ने उसे टक्कर मार दी थी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टक्कर इतनी जोरदार थी कि उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी। सूचना पर मौके पर आई पुलिस ने दुर्घटना की सूचना परिजनों को देकर शव को पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कालेज भेज दिया था। वहीं जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

खेलकूद से सामने आती है बच्चों की प्रतिभा : सिंह

संवाददाता, रामनगर चित्रकूट

- ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताओं का हुआ आयोजन
- विजेता छात्र-छात्राओं को दिये गये पुरस्कार

अमृत विचार। आकांक्षी ब्लाक रामनगर की ग्राम पंचायत देऊंधा के स्व. गुलाबकली जूनियर हाईस्कूल में गुरुवार को बेसिक विद्यालयों में नामांकित दिव्यांग श्रेणी के बच्चों की ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता हुई। खंड शिक्षाधिकारी एनपी सिंह ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताओं से बच्चों की प्रतिभा सामने आती है।

प्रतियोगिता का शुभारंभ बीईओ और प्रधान प्रतिनिधि दिलीप कुमार पांडेय ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। विभिन्न विद्यालयों में नामांकित दिव्यांग श्रेणी के 100 से अधिक छात्र-छात्राओं ने 100 मीटर, 50 मीटर की दौड़, जलेबी दौड़, ट्राई साइकिल दौड़, छूकर पहचानो, रस्साकसी, कुर्सी दौड़ तथा लेखन प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। बच्चों ने गीत भी गाए। प्रधान प्रतिनिधि ने बच्चों से आग्रह किया कि वे अपनी पढ़ाई जारी रखें। किसी भी कीमत पर बीच में पढ़ाई न छोड़ें। विजेता छात्र-छात्राओं को पुरस्कार और सभी प्रतिभागी बच्चों को कापी और पेन दिए गए। इस मौके पर रामेश्वरी देवी, संतोष कुमार मिश्रा, भैया लाल सिंह, राजेश कुमार सिंह, रचना देवी, लाल प्रताप सिंह, संजय कुमार पांडेय एवं गुड़िया त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

खेलकूद में भाग लेते बच्चे। अमृत विचार

दत्तक पुत्र बन कर रहा था नौकरी, पकड़ा गया

कार्यालय संवाददाता चित्रकूट

- डीडीओ की जांच में आरोप पाए गए सही

अमृत विचार। जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय में कार्यरत कनिष्ठ सहायक पर कूटरचित दस्तावेजों और फर्जी रूप से दत्तक पुत्र बनकर नौकरी करने का आरोप प्रथमदृष्टया सही पाया गया है।

गौरतलब है कि कसहाई निवासी सौमित्र सिंह ने डीपीआरओ कार्यालय में कार्यरत कनिष्ठ सहायक सुरेंद्र कुमार चतुर्वेदी पर फर्जी कागजातों से नौकरी करने संबंधी शिकायतीपत्र मुख्य विकास अधिकारी को भेजा था। इस पर सीडीओ ने मामले की जांच की जिम्मेदारी जिला विकास अधिकारी को सौंपी थी। बीते दिनों डीडीओ ने अपनी जांच रिपोर्ट प्रशासन को सौंप दी है। इसमें पाया गया कि आरोपी ने स्वयं को स्व. रामखेलावन को दादा (पिता के बड़े भाई) का दत्तक पुत्र बताते हुए उनकी जगह नौकरी पाई थी, जबकि अभिलेखों में कहीं भी ऐसा नहीं पाया गया। अभिलेखों में उसके पिता रामखेलावन का नाम अंकित है। इसके अलावा जांच में आयु के संबंध में भी विरोधाभास पाए गए। जिला विकास अधिकारी सत्यराम यादव ने बताया कि तथ्यों से स्पष्ट होता है कि सुरेंद्र कुमार ने कूटरचित अभिलेखों के आधार पर नौकरी पाई है। इनकी नियुक्ति पूर्णतः मानक और नियमावली के विपरीत है। उधर, कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, इस संबंध में आगे की कार्रवाई की जा रही है। उधर, शिकायतकर्ता सौमित्र ने बताया कि आरोपी लगभग बीस साल से यहां कार्यरत है। सफाईकर्मियों ने आरोप लगाया था कि यह उनका शोषण करता है और जातिवादी मानसिकता का है। इसके बाद यह पता चला कि क्लर्क की नौकरी ही फर्जी आधार पर है। इस पर उन्होंने सीडीओ के साथ जिलाधिकारी, पंचायती राज उप निदेशक बांदा आदि को शिकायती पत्र भेजे थे।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

छात्राओं को जागरूक करते एसओ लाखन सिंह। अमृत विचार

जागरूकता कार्यक्रम में मौजूद छात्राएं। अमृत विचार

जिले में उम्र से पहले हो रही 22 फीसदी लड़कियों की शादी

चुप्पी तोड़ें और खुलकर अपनी बात कहें

कार्यालय संवाददाता चित्रकूट

- राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण में सामने आया सच

अमृत विचार। केंद्र सरकार के बाल विवाह मुक्त अभियान को एक वर्ष पूरे होने पर गुरुवार को चाइल्ड हेल्पलाइन के तत्वावधान में स्कूल-कालेजों में जागरूकता कार्यक्रम हुए। इस दौरान छात्राओं को बाल विवाह के खिलाफ शपथ ग्रहण कराई गई। चाइल्ड हेल्पलाइन समन्वयक विशेष त्रिपाठी ने बताया कि राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार, चित्रकूट जिले में आज भी 22 प्रतिशत लड़कियों की शादी 18 वर्ष से पहले की जा रही है।

चाइल्ड हेल्पलाइन समन्वयक विशेष त्रिपाठी एवं चाइल्ड राइट एसोसिएट पूजा यादव की अगुवाई में ये कार्यक्रम हुए। विशेष ने बताया कि सरकार 24 नवंबर को बाल विवाह मुक्त कार्यक्रम को अभियान के रूप में शुरू किया था। बाल विवाह अभियान पोर्टल भी लांच किया गया। बताया कि जिला प्रशासन द्वारा जिले को बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए ब्लाक पंचायत स्तर पर 100 दिवसीय कार्यक्रम किया जा रहा है। इसी के तहत स्कूलों में शपथ एवं जनजागरूकता कार्यक्रम किया गया। शिक्षण संस्थानों में बच्चों ने शपथ ली।

- जीजीआईसी राजापुर में हुआ जागरूकता कार्यक्रम

संवाददाता, राजापुर चित्रकूट

अमृत विचार। राजकीय बालिका इंटर कालेज के प्रांगण में गुरुवार को घरेलू हिंसा, यातायात नियमों के पालन करने के लिए छात्राओं और शिक्षकों को जागरूक किया गया। इसमें इनको चुप्पी तोड़ने और खुलकर अपनी बात कहने की नसीहत दी गई।

कार्यक्रम का आयोजन ममता हेल्थ इंस्टीट्यूट फॉर मदर एंड चाइल्ड ने किया। शुरुआत प्रधानाचार्या पार्वती देवी और प्रभारी निरीक्षक लाखन सिंह ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण से की। संस्था के जिला कोऑर्डिनेटर राजीव पाठक ने कहा कि महिलाओं के साथ पुरुष प्रधान समाज अत्याचार कर रहा है। घरेलू हिंसा को रोकने के लिए महिलाओं को कानून का सहारा लेना चाहिए। ग्रामीण क्षेत्रों में अशिक्षित महिलाओं पर हो रहे अत्याचार पर शिक्षित महिलाएं और सामाजिक संगठन के लोग सहयोग करना अपना कर्तव्य समझें। प्रभारी निरीक्षक ने कहा कि छात्राओं को यातायात के नियम बताए। प्रधानाचार्य ने बताया कि घरेलू हिंसा पर महिलाएं नजदीकी थाने में जाकर रिपोर्ट दर्ज कराएं। इस दौरान विनोद कुमार पांडेय, रोशनी सिंह, उज्जवल सिंह, लक्ष्मी देवी, शशि मिश्रा, डा. दीपिका बरनवाल, डॉ. कविता, रुचि यादव, सविता यादव, सुनीता देवी, दीप्ति, दीक्षा त्रिपाठी, अंजना सिंह, रसनामणि पटेल, रीना आदि रहीं।

लटक रहे बिजली के तारों से जान का खतरा

कार्यालय संवाददाता चित्रकूट

जिलाधिकारी पुलकित गर्ग को ज्ञापन देते सभासद शंकर यादव।

अमृत विचार। नगर पालिका परिषद के नवविस्तारित क्षेत्र में बिजली आपूर्ति की असुविधा से लोग परेशान हैं। वार्ड नंबर 21 के शोभा सिंह पुरवा और शास्त्री नगर की बस्तियों में लंबे समय से विद्युतीकरण नहीं हुआ है। लोग किसी तरह घरों तक तारों को ले गए हैं।

लटकते तारों से जान का खतरा बना हुआ है। इस समस्या को लेकर सभासद शंकर यादव ने जिलाधिकारी पुलकित गर्ग को प्रार्थना पत्र दिया और समस्या के समाधान की मांग की। सभासद ने बताया कि बस्ती की गलियों में बिजली के खंभे और तार न होने से लोग मजबूरी में बांस-बल्लियों के सहारे केबल घरों तक ले गए हैं। इससे किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते समस्या का समाधान नहीं किया गया तो जनता आंदोलन करने के लिए मजबूर होगी। डीएम ने कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

डकैतों को सिम देने में दोषी को सजा

चित्रकूट। अपर जिला शासकीय अधिवक्ता गोपाल दास ने बताया कि कोतवाली के तत्कालीन उपनिरीक्षक घनश्याम पांडेय ने नौ सितंबर 2012 को बांदा जिले के राकेश कुमार पटेल को गिरफ्तार किया था। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने दो महिलाओं की आईडी का दुरुपयोग करते हुए फर्जी तरीके से सिम लेकर दस्यु बलखडिया गिरोह को दिए थे। इनका प्रयोग डकैती व हत्या जैसी गंभीर आपराधिक घटनाओं में किया गया। आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया था। विशेष न्यायाधीश नीरज श्रीवास्तव ने इस मामले की सुनवाई करते हुए । दोषसिद्ध राकेश कुमार पटेल को चार वर्ष सश्रम कारावास व 15 हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किया।

बस की टक्कर लगने से मासूम बच्चे की मौत

पहाड़ी(चित्रकूट)। घर के बाहर खेल रहे मासूम को निजी बस ने टक्कर मार दी। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। अस्पताल में चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। थाना अंतर्गत ग्राम प्रसिद्धपुर निवासी कल्लू का डेढ़ वर्षीय पुत्र हंसराज गुरुवार को घर के पास खेल रहा था। उधर, उसकी मां नीता देवी घर गृहस्थी के काम में व्यस्त हो गई। बच्चा बालक खेलते खेलते सड़क के किनारे पहुंच गया और पहाड़ी से राजापुर की ओर जा रही खागा-नागपुर निजी बस ने उसे टक्कर मार दी, जिससे वह घायल हो गया। मासूम को लेकर घरवाले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे, जहां डाक्टरों ने उसे देखते ही मृत घोषित कर दिया। थानाध्यक्ष प्रवीण कुमार सिंह ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बच्चे की मौत से माता-पिता और परिजनों का बुरा हाल हो गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि दुर्घटना करने वाली बस को पकड़ लिया गया है।

हंसराज।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

सूचित हो कि मेरे पुत्रों मो0 आसिम, मो0 बिलाल एवं पुत्री जुनैरह गुलजार के जन्म प्रमाण पत्र में मेरा गलत नाम समीरा त्रुटिवश अंकित हो गया है। जबकि मेरे आधार कार्ड एवं अन्य सभी दस्तावेजों में मेरा सही नाम तसनीम अय्यूब अंकित है। अतः मेरे पुत्रों एवं पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र में भी मेरा सही नाम तसनीम अय्यूब दर्ज किया जाये। **तसनीम अय्यूब पत्नी गुलजार अली सिद्दीकी निवासिनी–** 119/162/1, **खण्डारी बाजार, लालबाग, लखनऊ**

सूचना

मेरी पुत्री को शगुन तिवारी एवं खुशी तिवारी दोनों नाम से जाना एवं पहचाना जाता है दोनों नाम एक ही व्यक्ति के है। **राजेंद्र कुमार तिवारी ग्राम – घोपतपुर पोस्ट नौबस्ता मुड़िला जिला बलरामपुर**

सूचना

मैं, ओम प्रकाश पुत्र मैकू लाल कुशवाहा, निवासी मकान संख्या 588–D, शिवकटरा, कानपुर नगर, यह घोषणा करता हूं कि मेरा नाम ओमप्रकाश उर्फ रामचंद्र है। उपरोक्त दोनों नामों से मैं जाना और पहचाना जाता हूं।

सूचना

मैं **रोमा चौधरी पुत्री श्री श्री कुमार चौधरी निवासिनी** मकान नं0 591, **गोमती हास्पिटल के पीछे, पांचोपीरन रोड, गोमती नगर पूरब, नई बस्ती, पोस्ट–के0एन0आई0, थाना कोतवाली नगर, तहसील सदर, जनपद–सुलतानपुर उ0प्र0** कक्षा–10 परीक्षा सन् 2010 की टी0सी0 (स्थानान्तरण प्रमाण पत्र) जो आपके विद्यालय से प्राप्त की थी, जो कहीं खो गयी है।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे शैक्षणिक प्रमाण पत्र में मेरा नाम त्रुटिवश AJAY KUAMR MAURYA दर्ज हो गया है जो कि गलत है मेरा सही नाम AJAY KUMAR MAURYA पुत्र RAj KUMAR Maurya है। CSC-23 isc -25 (uid/index no.7809545) निवासी– C -146 sec-j अलीगंज लखनऊ

सूचना

मै **सूरज शर्मा पुत्र राजकिशोर नि. ग्रा. व पोस्ट दुकनहा लालगंज रायबरेली।** मेरी एलआईसी पालिसी 236504695 में मेरा और मेरे पिता का नाम सूरज विश्वकर्मा पुत्र राजू विश्वकर्मा अंकित है, जबकि आधार कार्ड आदि प्रपत्रों में सूरज शर्मा पुत्र राजकिशोर अंकित है। उपरोक्त दोनों नाम एक ही व्यक्ति अर्थात मेरे हैं।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम NIHARIKA RANI AGRAWAL W/O AKASH MITTAL था जो कि आज दिनांक 20/10/2025 को मैने अपना नाम बदलकर NIHARIKA MITTAL W/O AKASH MITTAL रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाए। निवासी मोहल्ला वजीरबाग थाना कोतवाली नगर बहराइच, यूपी

सूचना

मैने अपना नाम KM TASNEEM KAUSER से बदलकर TASNEEM KAUSER रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। W/0-WAQUAR ANWER FAIZ ADD-AKRAHRA AKARAHARA DIST-SIDDHARTH NAGAR-272201 (U.P.)

सूचना

सूचित हो मैं सलमान अब्बास पुत्र सैय्यद सरकार आलम निवासी–म0नं0–392/54, सुल्तान बहादुर रोड, काजमैन, सआदतगंज, जिला लखनऊ का हूं। मेरे कुछ दस्तावेज में (SALMAN ABBAS) व पिता का नाम (SYED SARKAR ALAM) अंकित है। जबकि अन्य दस्तावेजों में (SYED SALMAN) व पिता का नाम (SARKAR ALAM) अंकित है, दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं, जबकि मेरा सही नाम (SALMAN ABBAS) है व पिता का सही नाम (SYED SARKAR ALAM) है। इसे मान्य किया जाये। –शपथी

धीरेन्द्र शास्त्री के विरुद्ध अमर्यादित टिप्पणी, रिपोर्ट

संवाददाता कालपी-जालौन

अमृत विचार। बुधवार को संविधान दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में जाति के साथ सन्त धीरेन्द्र शास्त्री के विरुद्ध अमर्यादित टिप्पणी का मामला सामने आया है। पुलिस ने दो महिलाओ समेत 7 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

26 नवम्बर को भीम आर्मी द्वारा नगर स्थित कांशीराम कालोनी में संविधान दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसमे संविधान निर्माता के व्यक्तित्व व कृतित्व पर बोलते बोलते किरण चौधरी नामक महिला ने सन्त धीरेन्द्र शास्त्री पर अमर्यादित टिप्पणी कर दिया। साथ ही उसने कहा कि जातिवाद मिटाना होगा। इसके लिए ब्राह्मण समाज को अपनी बेटी दलितों को सौंपनी होगी, इतना ही नहीं उन्हें वाल्मीकि समाज में अपने बेटों की भी शादी करनी शुरू करनी चाहिए। मौके पर मौजूद पुलिस बल ने मामला शान्त करा दिया था, लेकिन जब इस मामले के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए तो प्रशासन हरकत में आ गया था और आनन फानन टरननगंज चौकी इन्चार्ज सुरेश चंद्र की तहरीर पर मौनी शाक्या आजाद, अखण्ड प्रताप सिंह, कुलदीप कुलकर्णी, आनन्द कुमार, संजीव कुमार के अलावा कार्यक्रम आयोजक रज्जो उर्फ राजरानी तथा कार्यक्रम में नफरती भाषण देने वाली किरण चौधरी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

खेल के मैदान से

विधायक ने खेल प्रतियोगिताओं का किया शुभारंभ

कबड्डी, वॉलीबाल व दौड़ में दिखाया दमखम

संवाददाता कालपी जालौन

अमृत विचार। एमएसवी इण्टर कालेज मैदान में विधायक खेल स्पर्धा का उदघाटन करने आए क्षेत्रीय विधायक विनोद चतुर्वेदी ने खिलाड़ियों को खेल भावना से खेलने की नसीहत दी। साथ ही उन्होंने कहा कि इससे सिर्फ शारीरिक क्षमता में ही वृद्धि नहीं होती है बल्कि सामाजिक प्रतिष्ठा भी बढ़ती है।

शासन युवाओं को खेल के प्रति आकर्षित करने के लिए विधान सभा स्तर पर विधायक खेल प्रतियोगिता का आयोजन कर रहा है, जिसके तहत गुरुवार को खेलकूद तथा युवा कल्याण विभाग द्वारा एमएसवी इण्टर कालेज के मैदान में विधान सभा स्तरीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्घाटन क्षेत्रीय विधायक विनोद चतुर्वेदी द्वारा किया गया। इस दौरान उन्होंने युवा खिलाड़ियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि खेल से शारीरिक विकास ही नहीं होता बल्कि इससे मानसिक और सामाजिक स्तर में भी बढ़ोतरी होती है। उन्होंने खिलाड़ियों को सीख देते हुए कहा कि देश की बालिकाओं ने क्रिकेट का महिला विश्व कप जीतकर देश का मान बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि दृढ़ इच्छाशक्ति से ही सब कुछ सम्भव है। कार्यक्रम में मौजूद एस डी एम मनोज कुमार सिंह ने भी खिलाड़ियों को मन लगाकर खेलने की नसीहत दी और कहा कि युवा ही देश को आगे ले जाएंगे। इस दौरान कबड्डी, वॉलीबाल, बैडमिंटन, दौड़ सहित 5 खेलों में खिलाड़ियों ने भाग लिया। इस दौरान युवा कल्याण अधिकारी राजीव उपाध्याय ने बताया कि विधायक खेल प्रतियोगिता में विजयी खिलाड़ी जिला स्तरीय सांसद प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। कार्यक्रम में जिला पीटीआई मोहन सिंह ,कमल सैनी ,विधायक आशु चतुर्वेदी, मनोज चतुर्वेदी सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी मौजूद रहे।

फीता काटकर खेल कूद प्रतियोगिता का उद्घाटन करते विधायक। अमृत विचार

6th वार्षिकोत्सव विशेष फीचर

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

'ड्रैगन फ्रूट' के उत्पादन से निकले बरेली के किसानों के लिए नये रास्ते

हरा गुलाबी-लाल रंग, खाने में मक्खन जैसा मुलायम व मीठा। गजब का स्वाद। हम बात रहे हैं वियतनाम मूल के विदेशी 'ड्रैगन फ्रूट' की। अब यह फल बरेली की धरती पर खूब उग रहा है। यहां के बहगुलपुर गांव के प्रगतिशील किसान यशपाल ने अपने 10 एकड़ खेत में इस 'सुपरफूड' का उत्पादन कर बाकी किसानों के लिए भी नये रास्ते खोल दिये हैं। जिले के किसान अन्य पारंपरिक खेती के साथ इस फल की खेती कर सकते हैं, क्योंकि इस खेती बहुत आसान है। उद्यान विभाग इसकी खेती के लिए किसानों को प्रशिक्षण के साथ निशुल्क पौध भी उपलब्ध करा रहा है। लगभग डेढ़ साल में इसकी फसल तैयार हो जाती है, जबकि तीन साल के बाद भारी मात्रा में फल आते हैं। अगले तीस सालों तक किसान इससे फसल लगातार ले सकते हैं। ऐसे में यह किसानों की आय बढ़ाने का अच्छा सौदा साबित हो सकता है। गुजरात व मुंबई से जाकर इसकी खेती से प्रेरित हुए यशपाल व उनकी टीम के साथी प्रवीण कुमार गुप्ता अपने अनुभव साझा करते हुए कहते हैं कि इसकी खेती पर एक एकड़ चार-पांच लाख रुपये खर्च होते हैं। एक एकड़ में प्रति साल 10-15 लाख का फायदा होता है। इसकी फसल जुलाई से नवंबर तक चलती है। इसकी खेती में जैविक व प्राकृतिक उर्वरक इस्तेमाल होता है। किसान वर्मी कम्पोस्ट खुद बनाकर खेतों में इसका उपयोग कर सकते हैं। यह खाद साल में तीन बार देनी होती है। हर पन्द्रह दिन में सिंचाई ड्रिप तकनीक प्रणाली से की जाती है। सिंचाई के लिए बहुत कम पानी की आवश्यकता होती है। इसके उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए 90 प्रतिशत सब्सिडी दे रही है।

बाजार में है बहुत संभावनाएं

यशपाल का कहना है कि बरेली समेत अन्य जिलों में इस फल की बहुत मांग है। वजह यह है कि यह स्वादिष्ट होने के साथ ही कीवी फल से 10 गुना पौष्टिक होता है। स्वादिष्ट होने के कारण इसकी मांग निरंतर बढ़ती जा रही है।

जलभराव वाली जमीन पर नहीं पैदा होता यह फल

प्रगतिशील किसान का कहना है कि यह फल जलभराव वाली जगह पर नहीं पैदा होता, क्योंकि इसकी जड़ें गहरी नहीं होती हैं। यह बंजर जमीन पर भी उग सकता है। जमीन तो केवल नीचे सपोर्ट के लिए होती है, जबकि यह फल अलग से जैविक खादयुक्त मिट्टी पर उग जाता है।

अपनी अलग पहचान बना रहे बरेली के किसान

सिंदूर की फली

बरेली, जो कभी मुख्य रूप से गन्ना उत्पादक क्षेत्र के रूप में जाना जाता था, अब एक महत्वपूर्ण कृषि क्रांति का साक्षी बन रहा है। यहां के किसान अब केवल पारंपरिक फसलों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि केंद्र व राज्य सरकार की प्राकृतिक और जैविक खेती को बढ़ावा देने वाली नीतियों के साथ-साथ खुद भी इनोवेशन को अपना रहे हैं। बरेली के किसानों ने ड्रोन तकनीक, आधुनिक सिंचाई प्रणालियों और जैविक खेती को अपनाकर अपनी आय में उल्लेखनीय वृद्धि की है। सबसे बड़ा बदलाव 'विविधीकरण' के क्षेत्र में आया है। अब यहां विदेशी 'ड्रैगन फ्रूट', वाइन ग्रेप्स और अन्य विदेशी प्रजाति की सब्जियाँ सफलतापूर्वक उगाई जा रही हैं। इस परिवर्तन में एक प्रेरक पहलू बड़े शहरों की बडे.पैकेज की नौकरी छोड़कर गांव लौटे शिक्षित युवाओं की भूमिका है। इन युवाओं ने आधुनिक कृषि तकनीकों और विदेशी फसलों की खेती से कृषि वैज्ञानिकों तक को चकित कर दिया है, युवाओं ने साबित कर दिया कि कृषि एक लाभदायक और सम्मानजनक कॅरियर विकल्प है। फसल उत्पादन के अलावा, कृषि से जुड़े अन्य क्षेत्रों में भी प्रगति हो रही है। गुजरात की देसी 'गिर' गायों का दुग्ध कारोबार यहां आगे बढ़ रहा है। बरेली की अर्थव्यवस्था कृषि के क्षेत्र में एक नया रूप ले रही है।

अंगूर के साथ अन्य 'सब ट्रॉपिकल' फसलें उगाने की अपार संभावनाएं

प्राचीन काल में पांचाल राज्य का हिस्सा रही वर्तमान बरेली विदेशी प्रजाति के अंगूर व इससे बनने वाले वाइन कारोबार में विदेशी बाजारों का प्रभुत्व तोड़ेगी। यहां अंगूर के उत्पादन साथ अन्य 'सब ट्रॉपिकल' फसलें उगाने की अपार संभावनाएं हैं। प्रगतिशील किसान अनिल कुमार साहनी ने इसे सिद्ध कर दिया है। वर्तमान में महाराष्ट्र के नासिक में अंगूर की खेती होती है, जबकि अमेरिका समेत कई यूरोपीय देशों में अंगूर की खेती होती है। जलवायू अनुकूल होने के कारण एक ओर जहां इन देशों में अंगूर का उत्पादन खूब होता है, वहीं इससे खुशबूदार वाइन भी खूब बनती है। यही वजह है कि वैश्विक बाजार में अंगूर के साथ विदेशी वाइन छायी हुई है। विश्व में 80-90 प्रतिशत अंगूर वाइन, जूस व किशमिश बनाने में इस्तेमाल होता है। अब बरेली में भी विदेशी प्रजाति के अंगूर व वाइन का उत्पादन बढ़ सकेगा और बरेली की अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बन सकेगी। सरकारी सहयोग मिला तो यह शहर अंगूर की खेती का 'अन्तर्राष्ट्रीय हब' बन जाएगा। बरेली को विश्व स्तर पर पहचान दिलाने में 'जिद', 'जज्बा' व 'जुनून' के साथ लगे यहां के टिगरी गांव निवासी प्रगतिशील किसान अनिल कुमार साहनी का कहना है कि आजकल के युवा किसान 'खेती-किसानी' को घाटे का सौदा मानकर इससे मुंह मोड़ रहे हैं। वे अपने पूर्वजों की पुश्तैनी जमीन पर खेती करने के बजाय उसे बेचकर शहरी जीवन के चकाचौंध में जाने को आतुर हैं, पर इसमें उन्हें वास्तविक सफलता नहीं मिलनी वाली है।

विभिन्न किस्में लगा सकते हैं खेत में

किसान अपने खेतों में विभिन्न विदेशी किस्मों की फसलें लगा सकते हैं। प्रगतिशील किसान साहनी ने तो अपने फार्म हाउस में विदेशी अंगूर व अन्य विदेशी पौधे लगाये गए। यहां आम लोगों के खाने में इस्तेमाल होने वाले विदेशी अंगूर के साथ वाइन बनाने वाले विदेशी अंगूर 'वाइन ग्रेप्स' भी लगाये गए हैं। इसमें फ्रांस, इटली, आस्ट्रेलिया, ग्रीस आदि देशों की 35 किस्में शामिल हैं। साहनी ने सिंदूर (कमीला जतन) का पेड़ भी यहां लगाया है जो लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

सफल खेती के लिए खेतों में उन्नत विदेशी तकनीक जरूरी

साहनी ने अपने फार्म हाउस में खेतों को व्यवस्थित करने के लिए इंग्लैंड से आयातित तार लगाए गए हैं जिसमें अंगूर की लतायें फैली हैं। विदेशी तकनीक से एकीकृत प्रणाली के तहत बागान में सिंचाई की व्यवस्था है। इजराइल की तकनीक के उपकरण से पौधों की मांग के अनुसार सिंचाई होती है, जबकि पारंपरिक तौर पर सिंचाई में मांग के अनुसार सिंचाई की व्यवस्था नहीं होती है।

ये भी है फार्म हाउस में

- 82 प्रजातियों की चिड़ियां
- 38 प्रकार की तितलियां
- तराई में पैदा होने वाला सिंदूर का पौधा
- फालसे का बाग
- अंजीर का बाग
- कचनार के पेड़
- देसी मेंहदी के पेड़ व आंडू का बाग आदि

पौधों को पिलाया जाता है नीम का तेल

विदेशी तकनीक के तहत पौधों में नीम की तेल की सिंचाई होती है, ताकि कीट प्रबंधन हो सके। फार्म हाउस में लगे अंगूर के पौधों को नीम का तेल पिलाया जाता है। किस पौधे को कितनी जरूरत है, इसका भी अध्ययन किया जाता है। इजराइल की सिंचाई तकनीक इस्तेमाल कर पाइप लाइन बिछाई गई है। यहां हर पौधे को नंबर आवंटित किये गए हैं। साथ ही, इंग्लैंड से आयातित तार लगाये गए हैं। यह तकनीक भी बरेली के किसानों के लिए लाभप्रद सिद्ध होगी।

डेयरी क्रांति की कहानी, बीएल एग्रो की कामधेनू परियोजना

बीएल एग्रो कामधेनु परियोजना से गांवों और किसानों का समृद्ध करने की दिशा में काम कर रहा है। परियोजना का उद्देश्य डेयरी उद्योग को बढ़ावा देने के लिए यहां गिर और साहिवाल गायों की नस्ल तैयार करना है, जो उच्च गुणवत्ता वाले दूध का उत्पादन करेंगी। बीएल एग्रो ने इस परियोजना के लिए शुरुआत में 1,000 करोड़ का निवेश किया है, जिसके पूरी क्षमता से चालू होने पर कुल 3,000 करोड़ तक पहुंचने की उम्मीद है।

बीएल एग्रो के प्रबंध निदेशक आशीष खंडेलवाल बताते हैं कि वर्तमान में 350 से अधिक साहिवाल, गिर, पुंगुर नस्ल की गाय डेयरी में हैं। ब्राजील से सीमेन और भ्रूण लाकर इस नस्ल की गायों में अनुवांशिक सुधार कर उनकी संख्या बढ़ाने की दिशा में काम कर रहे हैं। ब्राजील ने गिर नस्ल में अनुवांशिक सुधार करके प्रति पशु दूध उत्पादन 30 से 40 किलो प्रतिदिन प्राप्त किया है। भारत में प्रतिपशु दूध का उत्पादन उन देशों के मुकाबले काफी कम है। इसका कारण हमारे पास उच्च गुणवत्ता वाले गायों और सांडों की कमी है। जिस पर ध्यान देने की आवश्यकता को ध्यान में रखकर बीएल कामधेनु परियोजना में सम्मिलित किया है। योजना के प्रयास से उच्च नस्ल वाली भारतीय साहिवाल और गिर गाय पैदा होने के बाद सीमेन और भ्रूण लाने के लिए दूसरे देशों पर निर्भर रहने की भी आवश्यकता नहीं होगी।

- परियोजना को एक हजार करोड़ का निवेश, पूरी क्षमता से चालू होने पर तीन हजार करोड़ तक पहुंचने की उम्मीद
- ब्राजील से सीमेन और भ्रूण लाकर गिर और साहिवाल गायों में होगा अनुवांशिक सुधार
- प्रति पशु दूध उत्पादन 30 से 40 लीटर प्रतिदिन लाने का लक्ष्य

साहिवाल नस्ल की 5000 गायों को रखने की योजना

भविष्य में गिर, साहिवाल नस्ल की पांच हजार हजार देसी गायों को रखे जाने की योजना है। जो एक दिन में 30 से 35 लीटर तक दूध दे सके। इन गायों के माध्यम से बीएल एग्रो स्थानीय समुदाय को जहां उच्च दूध देने वाली गायों की उपलब्धता बढ़ाएगा, वहीं बेहतरीन गुणवत्ता वाला चारा-दाना के माध्यम से जुड़कर पशुधन का विकास करेगा। साथ ही किसानों के लिए दूध की मार्केटिंग में भी सहयोग करेंगे। इसके लिए एक फील्ड प्रोसेसिंग यूनिट भी होगी, जो किसानों से दूध जैसे कच्चे माल की प्राप्ति के लिए उनके साथ काम करेगी। आईसीएआर- सीआईआरजी के पूर्व निदेशक एवं बीएल कामधेनु योजना के उपाध्यक्ष डा. एसके अग्रवाल बताते हैं कि भ्रूण प्रत्यारोपण एक ऐसी विधि है, जिसके माध्यम से गाय की किसी भी नस्ल की एक गाय से साल भर में 40 से 50 भ्रूण विकसित करके दूसरी गायों में प्रत्यारोपित कर 15 से 16 बछिया को जन्म दिलाया जा सकता है, जबकि सामान्य तौर पर साल भर में एक गाय से एक ही बछिया प्राप्त की जा सकती है।

उन्नत नस्ल के विकास से किसानों को होगा फायदा

आशीष खंडेलवाल के मुताबिक, अगर किसान या पशुपलाकों के पास उन्नत नस्ल का पशु है तो उसका भ्रूण लैब में तैयार करेंगे। जिसे उनके सेरोगेट मदर में ट्रांसफर करेंगे। वहीं, उनकी मांग पर लैब में संरक्षित भ्रूण को भी प्रत्यारोपित कर देंगे। इससे उन्नत नस्ल के पशु का जन्म होगा। टेस्ट ट्यूब बेबी (आईवीएफ) से जन्मे गाय के बच्चों में ज्यादा दूध देने की क्षमता होगी।

चारा उत्पादन के लिए किसानों के साथ कांट्रेक्ट फार्मिंग

चारा उत्पादन के लिए कांट्रेक्ट फार्मिंग करने का फैसला किया है। इसके तहत, डेयरी आसपास के किसानों के साथ कांट्रेक्ट फार्मिंग करेगी, जिसमें किसानों को चारा उत्पादन के लिए बीज, उर्वरक और अन्य आवश्यक सामग्री प्रदान की जाएगी। डेयरी किसानों से निर्धारित दर पर चारा खरीदेगी, जिससे किसानों को भी लाभ होगा और डेयरी को भी चारा की आपूर्ति सुनिश्चित होगी।

योजना के अंतर्गत कंप्रेस्ड बायोगैस प्लांट (सीबीपी) भी लगाया गया है इसके माध्यम से बायोगैस बनाकर उसी से जेनरेटर के द्वारा बिजली का उत्पादन होगा। जो वेस्ट निकलेगा उसमें पानी उलग करके पैकेजिंग करके पाउडर के रूप में बायो फर्टीलाइजर किसानों को उपलब्ध कराया जाएगा। इससे केमिकल का इस्तेमाल तो कम होगा ही, खेतों की उर्वरकता भी बढेग़ी।

खेत से आसमान तक 'ड्रोन दीदी' की सफलता की उड़ान

नवाबगंज की रहने वाली किरन गंगवार ने अपनी मेहनत और आत्मविश्वास से एक नई ऊंचाई हासिल की है। एमए की पढ़ाई करने वाली किरन ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़कर ड्रोन पायलट बनने का फैसला किया और आज वह 'ड्रोन दीदी' के नाम से जानी जाती हैं। किरन बताती हैं कि उन्होंने नवंबर 2023 में खुद को मजबूत करने के लिए राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ने का फैसला लिया। इसके बाद, उन्हें इफको की ओर से फ्री में ड्रोन दिए जाने के साथ चलाने की ट्रेनिंग दी गई। दिसंबर 2023 में प्रयागराज के फूलपुर स्थित इफको कोरडेट में ट्रेनिंग मिली और मार्च 2024 को उन्हें 'नमो ड्रोन दीदी योजना' के तहत कृषि ड्रोन मिला। आज किरन 500 हेक्टेयर में 'स्प्रे'कर चुकी हैं और अच्छी कमाई भी कर रही हैं। वह बताती हैं कि पहली बार जब गांव में ड्रोन उड़ाया, तो लोग देखने के लिए आए। तब लोगों को विश्वास ही नहीं हुआ था कि ड्रोन से फसलों पर कीटनाशक और पानी का छिड़काव भी संभव है। किरन कहती हैं, अगर महिलाएं ठान लें, तो कुछ भी असंभव नहीं है।

अच्छा परिणाम दे रही हैं विदेशी फसलें

बरेली में पारंपरिक फसलों से हटकर विदेशी व उन्नत खेती की अपार संभावनाएं हैं। भले ही यहां की जलवायु इन फसलों के अनुकूल नहीं है, फिर भी यहां की धरती पर जिस तरह से विदेशी फसलें अच्छा परिणाम दे रही हैं। इससे खेती में लगे किसानों का उत्साह बढ़ गया है। इसी तरह, दूसरे राज्यों की देसी गिर गाय भी अनुकूल जलवायु न होने के बाद भी बरेली की जमीन पर बेहतर नतीजे दे रही हैं। बरेली के और किसान भी इससे प्रेरणा लेकर इस क्षेत्र में सफलता की ऊंचाई छू सकते हैं। इन अच्छे नतीजों से कृषि व उद्यान के विशेषज्ञ चकित हैं। कुछ का कहना है कि सुविधाओं के बेहतर प्रबंधन के कारण अच्छे नतीजे आ रहे हैं, तो कुछ इस पर अनुसंधान किये जाने पर जोर दे रहे हैं।भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान के उद्यान विभाग के विषय विशेषज्ञ डॉ रंजीत सिंह का कहना है कि विज्ञान के अनुसार तो विदेशी औद्यानिक फसलें बरेली की जलवायु के अनुकूल नहीं हैं। यहां जाड़े में बहुत ठंड तो गर्मी में बहुत गर्म पड़ती है। यहां सामान्य तौर पर दिन में अधिकतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस व रात में 12 डिग्री सेल्सियस रहता है। विदेशी नस्ल के उत्पादन पर उनका कहना है कि कुछ किस्में ही यहां उग पाई हैं। उनका कहना है कि कृषि वैज्ञानिक कई 'राउंड' में जलवायु व फसल उत्पादन का अध्ययन करते हैं। औसतन 10 साल का डाटा लिया जाता है। इसमें सफलता मिलने पर ही उसे सफल कहा जा सकता है। उन्होंने कहा कि विदेशी तकनीक के अंगूर, ड्रैगन फ्रूट आदि पैदा हो रहे हैं।

पहले की खेती और आज की खेती में फर्क समझें: डा. अंजनी

कृषि क्षेत्र में बदलाव की कहानी अब आम हो गई है। पहले खेती भले ही कम की जाती थी, लेकिन फसल की गुणवत्ता और बीजों के चुनाव में पहले की खेती और आज की खेती में बहुत फर्क आ चुका है। आयुर्वेदाचार्य और कृषि विशेषज्ञ डा. अंजनी सिंह उदाहरण के तौर पर बताते हैं कि आज की लौकी खाने के बाद कई बार पेट दर्द की शिकायत रहती है, जबकि पहले की लौकी खाने पर ऐसी दिक्कत नहीं होती थी। क्योंकि आज की लौकी का आकार बड़ा करने के लिए लोग 'इंजेक्शन' का इस्तेमाल करने लगे हैं। डा. अंजनी कहते हैं पहले खेती में गोबर और अन्य प्राकृतिक खाद का इस्तेमाल होता था, जिससे फसल की गुणवत्ता अच्छी होती थी और मिट्टी की उर्वरता भी बढ़ती थी। लेकिन आज खेती में रसायनों का इस्तेमाल बढ़ गया है, जिससे फसल की गुणवत्ता घट रही है और मिट्टी की उर्वरता भी कम हो रही है। इससे लोगों के स्वास्थ्य पर भी बुरा प्रभाव पड़ रहा है।

देसी गाय के दूध का बड़ा बाजार

यूं तो राज्य सरकार की योजनाओं के बल पर गोवंश का संरक्षण करने के लिए हर जिले में गौशालाएं खोली जा रही हैं। विभिन्न योजनाओं के जरिये सरकार खूब रकम सब्सिडी के रूप में लोगों को उपलब्ध करा रही है और योजनाओं से पोषित गौशालाएं खुल भी रही हैं, पर बिना सरकारी सहयोग के ही बरेली में गुजरात की देसी गाय गिर अपने दूध व दुग्ध उत्पाद से नई पहचान बना रही है। इसके दूध की इतनी मांग है कि पूरी नहीं पड़ रही है। इससे संभावना जताई जा रही है कि आने वाले समय में अगर बरेली में और गौशालाएं खुलेंगी, तो दुग्ध व इसके उत्पाद के बाजार में छा जाएंगी।

बरेली के भैरपुरा खजुरिया निवासी ज्ञानेंद्र सिंह ने गिर गाय का गौशाला का संचालन कर यह सिद्ध कर दिया है कि यहां के अन्य लोग खासकर युवा भी इस क्षेत्र में अपना अच्छा कॅरियर बना सकते हैं। मर्चेंट नेवी में चीफ ऑफीसर की 48 लाख सालाना वेतन की नौकरी छोड़कर वर्ष 2023 में गांव में गौशाला संचालन व प्राकृतिक खेती कर रहे ज्ञानेंद्र के पास छोटी-बड़ी मिलाकर कुल 65 गाय हो गई हैं। अपने अनुभव को साझा करते हुए ज्ञानेंद्र कहते हैं कि बरेली में शुद्ध दूध की बहुत मांग है। मांग के अनुसार अभी आपूर्ति पूरी नहीं हो पा रही है। देसी गिर पर ही विशेष जोर देने के सवाल पर उनका कहना है कि वैसे तो साहिवाल समेत अन्य गायों का दूध भी विदेशी गायों से अच्छा रहता है, पर गिर नस्ल की गाय का दूध मां के दूध के समान होता है। इसमें प्रोटीन ए टू होता है, जो स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होता है। गिर गाय मौसम के अनुकूल होती हैं, इसलिए बीमार भी बहुत कम पड़ती हैं। यह गाय 7-8 लीटर प्रतिदिन दूध देती हैं। ऐसे में इस गाय के दूध के बाजार में बहुत संभावनाएं हैं। ऐसे में इस क्षेत्र में गांव के अन्य किसान व युवा अपना कैरियर बना सकते हैं।

अन्य राज्यों को भा रहा बरेली का दुग्ध उत्पाद

गिर गाय का दुग्ध उत्पाद बरेली के साथ ही अन्य राज्यों महाराष्ट्र, दिल्ली, पंजाब के साथ ही राजधानी लखनऊ, रामपुर, पीलीभीत, रुद्रपुर आदि के लोगों को भा रहा है। तीन एकड़ पुश्तैनी जमीन पर में प्राकृतिक खेती व गांव में मकान के सामने गौशाला चला रहे ज्ञानेंद्र का कहना है कि वह 250 परिवारों को दूध व अन्य कृषि उत्पाद उपलब्ध करा रहे हैं। इनमें केवल दूध के 50 ग्राहक बरेली के हैं। दूध की आपूर्ति केवल जिले में है, जबकि दुग्ध उत्पाद मुम्बई, पंजाब, दिल्ली, लखनऊ, रामपुर, पीलीभीत, रुद्रपुर आदि में आपूर्ति हो रहा है। मिलावटी दूध से परेशान लोग अब शुद्ध दूध की मांग कर रहे हैं। ऐसे में बरेली में और गौशालाएं खोली जाएं, तो इसका लाभ किसानों के साथ यहां के लोगों को मिल सकेगा।

शुद्ध देसी घी बनाने में प्राचीन ज्ञान जरूरी

दूध से शुद्ध घी बनाने में प्राचीन ज्ञान जरूरी है। घी बनाने में बिलौना विधि का प्रयोग होता है, जो पूरी तरह मैनुअल होता है। ज्ञानेंद्र की गौशाला में इस विधि का ज्ञान रखने वाली उनकी 80 वर्षीय बुजुर्ग मां शकुंतला देवी घी बनाने का कार्य करती हैं। वजह यह है कि इस विधि से बनने वाला घी अधिक स्वादिष्ट होता है। शाहजहांपुर में आबकारी निरीक्षक पद पर तैनात सविता चौधरी भी घर आने के दौरान गौशाला व प्राकृतिक खेती में सहयोग करती हैं। यानी सफलता के लिए खुद के साथ ही अगर पारिवारिक सहयोग मिल जाय, तो यह सोने पर सुहागा साबित होगा।

जवान न बन सके सर्वेश बन गए प्रगतिशील किसान

जब दिल में कुछ कर गुजरने का जज्बा हो, तो कोई भी मुकाम हासिल किया जा सकता है। हाफिजगंज के ग्रेम गांव के सर्वेश की कहानी कुछ इसी तरह की है। सर्वेश का सपना था कि फौज में भर्ती होकर देश की सेवा करना। चार बार फौज की भर्ती में शामिल हुए। शारीरिक परीक्षा उत्तीर्ण की, पर सफल नहीं हुए। निराश होने के बजाय उन्होंने गांव में खेती को रोजगार का जरिया बनाने की ठानी। जैविक खेती का तरीका सीखा। फसल लहलहाई तो उनकी किस्मत चमक गई। 28 साल की आयु में सर्वेश को कृषि विज्ञान केंद्र ने प्रगतिशील किसान का दर्जा प्रदान किया है। सर्वेश गन्ने के साथ मेंथा, सरसों, मेंथा आदि कि वर्तमान में वह करीब 15 बीघे में जैविक खेती कर रहे हैं। सालाना आय करीब पांच लाख रुपये से ज्यादा है। सर्वेश बताते हैं कि उन्होंने एक फर्म भी बनाई है। इसके जरिए वह जैविक खेती को बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। उनकी फर्म से अब तक एक, दो बीघे वाले 300 से अधिक किसान जुड़ चुके हैं। उनका उद्देश्य खेती को सिंथेटिक रसायन से मुक्त करना है। इसके अलावा वह कृषि कॉलेजों, केंद्र और प्रदेश सरकार के कार्यक्रमों में व्याख्यान देने भी पहुंचते हैं। सर्वेश बताते हैं कि उत्पादित फसलों की गुणवत्ता के आधार पर बिक्री अधिक होने की वजह से अब व्यापारियों की मांग के अनुसार माल की कमी हो जाती है।

अमेरिका-जर्मनी तक बरेली का मेंथा पहुंचा रहे निहाल

जैविक खेती के फायदे जानने हैं तो बरेली के उन्नतशील कृषक निहाल सिंह के बारे में जानिए, जो ऑर्गेनिक मेंथा, सगंध फसलों और जड़ी-बूटियों की खेती करते हैं। वर्तमान में उनसे पांच हजार किसान जुड़े हैं। निहाल का दो एकड़ से शुरू हुआ खेती का सफर आज दस हजार एकड़ में फैल चुका है। वह कहते हैं वर्ष 2002 में बेहद छोटे पैमाने पर ऑर्गेनिक मेंथा की खेती शुरू की थी। आज उनकी कंपनी ऑर्गेनिक सर्टिफाइड मेंथा उत्पादन करती है। यहां उपजा जैविक मेंथा जर्मनी और यूएसए (अमेरिका) तक भेजा जा रहा है। इसकी बहुत मांग है। तुलसी की सूखी पत्ती की भी अमेरिका में खूब मांग है। जैविक खाद से पैदा हुए धान, गेंहू और आलू की सिर्फ उत्तर प्रदेश ही नहीं, बल्कि पूरे देश में मांग होती है। वह अपनी सफलता का सीक्रेट शुद्धता, प्रतिबद्धता और किसानों के साथ मजबूत रिश्ते बताते हैं। वह कहते हैं कि 2003 में कॉलेज के एक 'लेक्चर' में सुना था कि रसायनिक खाद जमीन को कितना नुकसान पहुंचा रही हैं। शरीर में बीमारियां बढ़ रही हैं। इसके बाद जैविक खाद से उड़द की खेती से शुरुआत की थी। पांच साल तक व्यवसायिक फायदा नहीं मिला। इन्हीं चुनौतियों से सीखते हुए 2008 में जैविक उत्पाद के लिए बाजार खड़ा कर लिया। आज पांच हजार किसानों के साथ मिलकर जैविक खेती कर रहे हैं। ऑर्गेनिक मेंथा ही नहीं वह जड़ी-बूटियों और लेमनग्रास व कैमोमाइल जैसी दस से अधिक सगंध फसलें उगाते हैं। राइस मिल और गुड़ बनाने की यूनिट भी लगाई जो किसानों की आय बढ़ाने में मदद करती है। उनका कहना है कि युवा खेती को व्यवसाय के रूप में अपनाएं, क्योंकि यही भारत को अग्रणी बना सकती है।

प्रस्तुति : रमेश चंद्र व महिपाल गंगवार

अमृत विचार

शुक्रवार, 28 नवंबर 2025

आप खुश होते हैं या दुखी, यह इस बात पर निर्भर नहीं करता कि आपके पास क्या है, या आप कौन हैं, या आप कहां हैं, या आप क्या कर रहे हैं, यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप क्या सोचते हैं।

–डेल कार्नेगी, अमेरिकी लेखक

ऐतिहासिक खेल उपलब्धि

कॉमनवेल्थ गेम्स का बीस बरस बाद भारत लौटना देश के लिए एक ऐतिहासिक पल होगा। राष्ट्रमंडलीय खेलों के दौरान दुनिया का स्वागत करने के लिए भारत जितना उत्सुक है, उतना ही आत्मविश्वासी भी। बड़ी बात यह कि पूरा आयोजन पहली बार वास्तविक तौर पर किसी एक ही शहर में संपन्न होगा। हाल के वर्षों में भारत में खेलों को लेकर जो अवसंरचनात्मक विकास और जनसमर्थन बढ़ा है, उससे निस्संदेह यह अवसर अत्यंत उल्लेखनीय बनेगा। यह उपलब्धि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस दीर्घकालिक विज़न को भी पुष्ट करती है, जिसके तहत भारत को ग्लोबल स्पोर्ट्स हॉटस्पॉट के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य है।

ओलंपिक बोली की तैयारी, खेलों में निजी एवं सार्वजनिक निवेश की वृद्धि, खेल विज्ञान व उच्च-स्तरीय अवसंरचना के विस्तार ने इस क्षेत्र में देश की वैश्विक छवि को उल्लेखनीय मजबूती दी है। कॉमनवेल्थ जैसे विशाल आयोजन की मेजबानी इसी का प्रतिफल है। सवाल है कि क्या अहमदाबाद इतनी स्तरीय, विविध और व्यापक खेल अवसंरचना 2030 तक विकसित कर पाएगा कि सभी राष्ट्रमंडलीय खेल, जिनमें इस बार 17 नए खेल भी जोड़े गए हैं, एक ही शहर में सफलतापूर्वक सम्पन्न हो सकेंगे? वर्तमान में अहमदाबाद और उसके आसपास खेल परिसरों, स्टेडियमों, प्रशिक्षण केंद्रों, मेडिकल, स्पोर्ट्स साइंस जैसी सुविधाओं और हाई-स्पीड कनेक्टिविटी का तीव्र विस्तार हो रहा है। नरेंद्र मोदी स्टेडियम, सरदार पटेल स्पोर्ट्स एन्क्लेव और आगामी मल्टी-डिसिप्लिन स्पोर्ट्स हब, ये सभी इस बात का संकेत देते हैं कि शहर 2030 तक विश्व-स्तरीय आयोजन की आवश्यकताओं को पूरा करने में अवश्य सक्षम हो जाएगा। इसी मजबूत अवसंरचना और बढ़ती अंतर्राष्ट्रीय विश्वसनीयता के आधार पर ही अहमदाबाद को 2028 वर्ल्ड अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप, 2031 वर्ल्ड सीनियर एथलेटिक्स और 2033 वर्ल्ड एथलेटिक्स की मेजबानी मिलने की संभावनाएं बनी हैं। भारत को कॉमनवेल्थ की मेजबानी मिलने के पीछे दो महत्वपूर्ण कारण हैं- पहला, तेजी से मजबूत होती अवसंरचना और उसमें बढ़ता सार्वजनिक निवेश, दूसरा, भारत की आर्थिक स्थिरता और 2030 तक 7 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनने की संभावनाएं। किसी भी बड़े बहुराष्ट्रीय आयोजन के लिए आर्थिक क्षमता और शहर-स्तरीय आधारभूत विकास निर्णायक होते हैं और भारत ने दोनों क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति प्रदर्शित की है।

ठीक है कि कॉमनवेल्थ गेम्स बहुधा आर्थिक लाभ के बजाय व्यय-प्रधान आयोजन सिद्ध हुए हैं। यह आयोजन केवल खर्च का विषय नहीं, बल्कि दीर्घकालिक शहरी-विकास, पर्यटन वृद्धि, रोजगार सृजन और वैश्विक प्रतिष्ठा का मामला है। दिल्ली ने 2010 में परिवहन, सड़कों, एयरपोर्ट, मेट्रो और शहरी ढांचे में बड़ा रूपांतरण देखा था। अहमदाबाद में भी 2030 तक परिवहन, शहरी नियोजन, स्मार्ट-सुविधाएं, हॉस्पिटैलिटी सेक्टर, रिवरफ्रंट और स्पोर्ट्स-इकोनॉमी के कई क्षेत्र नए स्तर पर विकसित होंगे। घरेलू आयोजन खिलाड़ियों के लिए अवसर और प्रेरणा दोनों बढ़ाता है। आज हमारी खेल व्यवस्थाा अधिक वैज्ञानिक, संगठित और प्रतिस्पर्धात्मक है। घर में खेल होगा तो हमारे खिलाड़ियों के प्रदर्शन और पदक संख्या दोनों में वृद्धि दिखेगी।

धर्म ध्वजा की स्थापना के अर्थ व संदेश

गोलेश स्वामी

राजनीतिक विश्लेषक

धर्म ध्वजा, धर्म के पुनर्जागरण और विकसित भारत के संकल्प का भी संदेश है। दूसरा संदेश गुलामी की भावना को त्यागकर राम राज्य की स्थापना का है, क्योंकि राम राज्य का मतलब होता है, जिसमें कोई दीन-दुखी न रहे। कोई गरीब न रहे। समाज में कोई वर्ग भेद न हो। शबरी की ममता से लेकर निषाद राज की मित्रता और जटायु-गिलहरी के सहयोग का। खासकर प्रधानमंत्री मोदी द्वारा राम मंदिर को राष्ट्र मंदिर घोषित करना और मैकाले की अंग्रेजी शिक्षा पद्धति पर जबर्दस्त प्रहार। साथ ही इसे गुलामी का प्रतीक बताना भर नहीं, बल्कि अगले दस साल में इससे मुक्ति पाकर अपनी संस्कृति की ओर लौटना। इसमें यह भी जोडना कि देश को 1947 में आजादी तो मिली, लेकिन स्वदेशी को दरकिनार कर विदेशी के महत्व को मन मस्तिष्क में भरा गया। कोई शक नहीं कि राम मंदिर के निर्माण के लिए पांच सदियों के संघर्ष और सैकड़ों लोगों के बलिदान के बाद यह अहम दिन था। यह सनातन की बहुत बड़ी विजय है। सनातन की वेदना की समाप्ति और कार्य सिद्धि के महायज्ञ की पूर्णाहुति है।

ध्वजारोहण समारोह का सबसे खास पहलू यह भी रहा कि प्रधानमंत्री मोदी का संबोधन केवल भगवान राम के मंदिर, धर्म ध्वजा, रामत्व, राम राज्य और अयोध्या में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम जन्म भूमि मंदिर के शिखर पर धर्म ध्वजा की स्थापना ने एक बार फिर से त्रेता युग और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का अहसास कराया। श्री राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद राम-सीता के विवाह पंचमी के शुभ मुहूर्त के मौके पर हुए इस ध्वजारोहण ने देश-दुनिया को जहां गहरे अर्थ दिए हैं, वहीं एक नहीं अनेक अहम संदेश दिए हैं। पहला संदेश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, संघ प्रमुख मोहन भागवत, यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और संतों व राम भक्तों की एकजुटता का है। यह धर्म और सियासत के समन्वय और राम मंदिर की पूर्णता का भी संदेश है। धर्म के पुनर्जागरण और विकसित भारत के संकल्प का भी संदेश है।

दूसरा संदेश गुलामी की भावना को त्यागकर राम राज्य की स्थापना का है, क्योंकि राम राज्य का मतलब होता है, जिसमें कोई दीन-दुखी न रहे। कोई गरीब न रहे। समाज में कोई वर्ग भेद न हो। शबरी की ममता से लेकर निषाद राज की मित्रता और जटायु-गिलहरी के सहयोग का। खासकर प्रधानमंत्री मोदी द्वारा राम मंदिर को राष्ट्र मंदिर घोषित करना और मैकाले की अंग्रेजी शिक्षा पद्धति पर जबर्दस्त प्रहार। साथ ही इसे गुलामी का प्रतीक बताना भर नहीं, बल्कि अगले दस साल में इससे मुक्ति पाकर अपनी संस्कृति की ओर लौटना। इसमें यह भी जोडना कि देश को 1947 में आजादी तो मिली, लेकिन स्वदेशी को दरकिनार कर विदेशी के महत्व को मन मस्तिष्क में भरा गया। कोई शक नहीं कि राम मंदिर के निर्माण के लिए पांच सदियों के संघर्ष और सैकड़ों लोगों के बलिदान के बाद यह अहम दिन था। यह सनातन की बहुत बड़ी विजय है। सनातन की वेदना की समाप्ति और कार्य सिद्धि के महायज्ञ की पूर्णाहुति है।

ध्वजारोहण समारोह का सबसे खास पहलू यह भी रहा कि प्रधानमंत्री मोदी का संबोधन केवल भगवान राम के मंदिर, धर्म ध्वजा, रामत्व, राम राज्य और राष्ट्र मंदिर तक सीमित नहीं रहा। बल्कि उन्होंने एक ओर जहां अपने विरोधियों पर निशाना साधा, तो रामभक्तों को भी नसीहत देना नहीं भूले। इशारों-इशारों में अपने विरोधियों, खासकर कांग्रेस की पूर्व सरकारों को भगवान राम को काल्पनिक मानने के लिए कठघरे में खड़ा किया। यहां तक कि कांग्रेस सहित विरोधी दलों की सरकारों के आर्थिक विकास पर भी यह कहकर सवाल दागे कि 70 साल में देश की अर्थव्यवस्था दुनिया की 11वीं अर्थव्यवस्था ही बन सकी, जबकि उनके मात्र 11 साल के कार्यकाल में ही देश की अर्थव्यवस्था दुनिया की पांचवी अर्थव्यवस्था बन चुकी है।

इसके साथ ही भविष्य में स्वदेशी के बल पर भारत दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने और 2047 तक विकसित भारत का संकल्प पूरा होगा, लेकिन प्रधानमंत्री देशवासियों खासकर रामभक्तों को यह कहकर नसीहत देना नहीं भूले कि वे अपने अंदर राम के व्यक्तित्व के मूल्यों को अपने जीवन में उतारें, क्योंकि राम अयोध्या से वन जाते समय एक राजामात्र थे, लेकिन 14 साल वन में काटने के बाद अपने आचरण से मर्यादा पुरुषोत्तम बनकर लौटे।

प्राण प्रतिष्ठा के बाद ध्वजारोहण समारोह में भी प्रधानमंत्री मोदी, संघ प्रमुख मोहन भागवत, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और डिप्टी सीएम बृजेश पाठक, मंत्रियों व भाजपा पदाधिकारियों की उपस्थिति से एकजुटता और समन्वय से निकले इस खास संदेश को नकारा नहीं जा सकता है, क्योंकि बीच में इनके संबंधों को लेकर सियासी गलियारों में तरह-तरह की चर्चाओं ने जन्म ले लिया था। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने, जहां राम मंदिर आंदोलन के अगुवा अशोक सिंघल, डालमिया और राम चंद्रदास परमहंस सहित ऐसी शख्सियतों को याद किया, जिन्होंने यह सपना देखा और आज इस दुनिया में नहीं हैं। ऐसा कहने के पीछे उनका मंतव्य स्पष्ट था कि आजीवन संघर्ष करने वालों को नहीं भूलना चाहिए।

वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगे बढ़कर यहां तक कह दिया कि ध्वजारोहण यज्ञ की पूर्णाहुति नहीं बल्कि एक नए युग की शुरुआत है। यानी भविष्य में अभी बहुत कुछ होना स्वाभाविक है। शायद उनका इशारा राम मंदिर के बाद श्रीकृष्ण जन्म भूमि और काशी विश्वनाथ की पूर्णता की ओर है, क्योंकि अभी दोनों के मामले कोर्ट में लंबित हैं। इस बार सेलेब्रेटी के बजाए ज्यादातर समर्पित पार्टी, संघ और विहिप कार्यकर्ताओं और संतों को बुलाया गया था। इस बार कोई बिलेनियर उद्योगपति या सुपर स्टार नजर नहीं आया।

बिहार की हार से चिंतित विपक्षी दलों के नेताओं के स्वर आज कुछ बदले-बदले नजर आए। ऐसे में इन विपक्षी नेताओं ने किसी न किसी बहाने से सनातन और राम के प्रति अपनी आस्था प्रदर्शित की। जैसे सपा मुखिया अखिलेश यादव ने इटावा के केदारेश्वर मंदिर की स्थापना और भगवान के बुलाने पर आस्था के आधार पर दर्शन की बात कही, तो उनके अयोध्या के सांसद अवधेश प्रसाद यहां तक कहने लगे कि यदि न्योता मिलता तो वे नंगे पांव चलकर भगवान राम के दर्शन करने जाते, जबकि प्राण प्रतिष्ठा के समय विपक्षियों ने न्योता मिलने पर भी कार्यक्रम का बहिष्कार किया था।

पूर्व में बाबरी मस्जिद के लिए कोर्ट में मुकदमा लड़ने वाले इकबाल अंसारी ने समारोह में पहुंचकर प्रधानमंत्री मोदी के सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के नारे पर मुहर लगाई, वहीं मुस्लिमों को यह भी संदेश दिया कि वे हिंदुस्तान के मुस्लिम हैं और अयोध्या में मंदिर की पूर्णता से खुश हैं। वे यह कहने से भी नहीं चूके कि मुस्लिम धर्म सभी धर्मों का सम्मान करना सिखाता है। इस समारोह के प्रति मिथिला का जिक्र कैसे छूटता। खासकर मिथिला के लोग अपने दामाद भगवान राम की एक झलक पाने के लिए खासी संख्या में उमड़े।

आमने

बीजेपी अपने पन्ना प्रमुखों से चुनाव में शराब और पैसा बंटवाने का काम कराती है, जबकि कांग्रेस में ऐसा कोई प्रचलन नहीं है। बीजेपी के कुछ लोग तो इससे ज्यादा भी कुछ बंटवाते हैं और जनमत को प्रभावित करते हैं।

–हरीश रावत
पूर्व मुख्यमंत्री, उत्तराखंड

सामने

हरीश रावत के कार्यकर्ता निचले स्तर पर शराब पिलाकर और पैसे देकर चुनाव लड़ते होंगे। मुझे पता है कि कौन क्या-क्या करता है, लेकिन ये चीज सार्वजनिक नहीं की जा सकती, क्योंकि इससे हरीश रावत का फजीता हो जाएगा।

–विनोद चमोली
विधायक, बीजेपी

विपक्ष का काम कर रहे प्रधान पद के उम्मीदवार

यशोदा श्रीवास्तव

वरिष्ठ पत्रकार

विपक्ष को एसआईआर अभियान में सत्ता पक्ष से दो कदम आगे होना चाहिए, क्योंकि वोट काटने या वोट चोरी को लेकर वही सबसे ज्यादा मुखर है। यूपी में इस अभियान में विपक्ष गायब है।

यूपी में एसआईआर को लेकर उदासीन व लापरवाह विपक्ष के लिए पंचायत चुनाव की सरगर्मी राहत भरी है। चुनाव आयोग के गाइड लाइन के अनुसार राजनीतिक दलों को भी अपनी तरफ से बीएलओ-2 मनोनीत करने का अधिकार है। यूपी में ज्यादातर विपक्षी दल इसमें फिसड्डी दिख रहे हैं, लेकिन पंचायत चुनाव में प्रधान पद के दावेदार एसआईआर को लेकर खूब सक्रीय हैं। वे एक तरह से विपक्षी दलों का काम आसान कर रहे हैं। इसमें दो राय नहीं कि बिना किसी तैयारी के मात्र एक महीने में 25 करोड़ आबादी वाले उत्तर प्रदेश में एसआईआर कंप्लीट कर पाना बड़ी चुनौती है। इसमें विसंगतियों की जो भरमार है वह अलग।

खेती किसानी और शादी विवाह के सीजन में सब कुछ भूलकर शहरी लोग हों या ग्रामीण किसान, केवल अपना वोट बचाने के जतन में जुट गए हैं। चुनाव आयोग के इस अभियान में गांव के लोग जो अपेक्षाकृत जागरूक नहीं होते, एसआईआर का हिस्सा बन पाते हैं या नहीं, चुनाव आयोग का इससे कुछ लेना देना नहीं। चुनाव आयोग को यदि सचमुच इमानदारी से एसआईआर करानी होती तो वह समय, सीमा और लोगों की दिक्कतें जरूर ध्यान में रखता।

चुनाव आयोग के इस अभियान में बीएलओ से लेकर मतदाताओं को कितनी दिक्कतें हो रही हैं, यह बस्ती जिले के एक एसडीएम की झुंझलाहट से जाना जा सकता है, जो बीएलओ की लापरवाही पर गुस्सा हो रहे थे। चुनाव आयोग द्वारा एसआईआर की तय समय सीमा, चंद रोज ही बची है। इस बीच पूरे यूपी में 50 प्रतिशत भी फार्म-6 और 7 लोगों तक नहीं पहुंच पाए हैं। नोएडा जहां मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की बिटिया डीएम हैं, वहां की स्थिति तो और खराब है। खराब प्रगति से नाराज ज्ञानेश कुमार की डीएम बिटिया ने सख्त कदम उठाते हुए तमाम बीएलओ और अन्य संबंधित जनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का फरमान जारी किया है।

फार्म-7 जो वोट विच्छेदन का जरूरी फार्म है, अधिकांश बीएलओ इसे जानते तक नहीं और न उन्हें ऐसा कोई प्रशिक्षण ही दिया गया। फार्म-7 के माध्यम से आप यदि दो जगह से वोटर हैं, तो इच्छित एक जगह से कटवा सकते हैं। हालत ऐसी हो गई कि हर व्यक्ति अपना वोट बचाने के लिए बीएलओ को ढूंढता फिर रहा है। पहली बार ऐसा हो रहा है कि बिना किसी प्रशिक्षण के बीएलओ नामित कर उसे एसआईआर फार्म थमा दिया गया है। चुनाव आयोग इस अभियान की जितनी गंभीरता समझता है, बीएलओ उससे एक दम अनजान हैं।

विपक्ष को इस अभियान में सत्ता पक्ष से दो कदम आगे होना चाहिए, क्योंकि वोट काटने या वोट चोरी को लेकर वही सबसे ज्यादा मुखर है। यूपी में इस अभियान में विपक्ष गायब है। ऐसे में वे लोग जिन्हें अपना वोट काटे जाने का डर है, खुद ही अपने वोट की रखवाली करें। सवाल उठता है कि एसआईआर अभियान में गैर भाजपा राजनीतिक दलों की उदासीनता क्यों है? फिलहाल यूपी के लिए इसका जवाब है, 'मैं क्यों और मैं ही क्यों?'

गौरतलब है कि सभी राजनीतिक दलों में विधानसभा चुनाव हो या लोकसभा चुनाव टिकट और प्रत्याशी दोनों उहापोह में रहते हैं। गैर भाजपा दलों के पास आरएसएस, विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल सहित अन्य तमाम हिंदू संगठनों जैसा कोई संगठन नहीं है, जो निस्वार्थ भाव से अपना काम कर सके। भाजपा समर्थक इन तमाम हिंदू संगठनों को न तो चुनाव की चिंता रहती है और न ही टिकट की, सो उन्हें जिस काम की जिम्मेदारी सौंपी जाती है, उसे वे पूरी इमानदारी और निष्ठापूर्वक करते हैं। गैर भाजपा दल चाहे कांग्रेस हो सपा, बसपा या अन्य पार्टियां, उनके पास कहां है ऐसा निष्ठावान व ईमानदार संगठन?

इसके इतर सपा और कांग्रेस खानापूरी में लगे हैं। गठबंधन की राजनीति इसमें सबसे बड़ी बाधा है। चुनाव के दरमियान किस सीट पर गठबंधन का कौन उम्मीदवार टपक पड़ता है कोई ठिकाना नहीं। ऐसे में बड़ा पेंच 'हम क्यों और हम ही क्यों' को लेकर ही फंसा हुआ है। गैर भाजपा राजनीतिक दलों के कई नेताओं से बात हुई, तो यही मसला सामने आया। खासकर सपा और कांग्रेस खेमे से। यूपी में सपा और कांग्रेस अभी गठबंधन में हैं। विधानसभा चुनाव में भी यह रहेगा, इसकी संभावना ज्यादा है। जिन सीटों पर सपा के विधायक हैं वहां तो ठीक है। वे एसआईआर को लेकर सक्रीय हैं, लेकिन जिन सीटों पर सपा नहीं है वहां हालात ठीक नहीं है। ऐसी सीटों पर न तो कांग्रेस सक्रिय है और न ही सपा, इसलिए कि मेहनत हम करें और टिकट फलां को मिल जाए!

लोकसभा की कई सीटों पर सपा हारी है, वहां दूर दराज से उम्मीदवार थोप दिए गए थे, इस अभियान में वे लापता हैं। 2027 में विधानसभा चुनाव है। जिन तमाम सीटों पर सपा या कांग्रेस नहीं है, वहां का हाल बुरा है। एसआईआर को लेकर कांग्रेस के जिला अध्यक्षों पर खासा दबाव है। केंद्रीय कार्यालय से रोज कोई न कोई निर्देश प्राप्त हो रहे हैं। प्रतिदिन कोई न कोई कांग्रेस का पदाधिकारी जिला अध्यक्षों से जूम मीटिंग कर रहा है, लेकिन वे बेचारे करें क्या, उनका संगठन ही कमजोर है। सांगठनिक तौर पर यूपी में कांग्रेस की स्थिति यही है।

प्रसंगवश

लोग लावारिस छोड़ जाते हैं मासूम जिंदगियां

हाल ही में राजस्थान की राजधानी जयपुर में एक नवजात बालिका सड़क किनारे कपड़े में लिपटी हुई लावारिस हालत में मिली। चांदपोल श्मशान घाट के बाहर रोती हुई इस बच्ची की आवाज सुनकर स्थानीय लोग वहां पहुंचे और तुरंत पुलिस को सूचना दी। बच्ची महज आठ से दस दिन की थी। उसे तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्रदेश के भीलवाड़ा जिले से भी दिल दहला देने वाली घटनाएं सामने आईं। गुलाबपुरा थाना क्षेत्र के दौलतपुरा गांव में जन्म के कुछ ही देर बाद एक नवजात बालिका को झाड़ियों में फेंक दिया गया था। ग्रामीणों ने समय रहते उसे देखा, जिसके बाद बच्ची को अस्पताल ले जाकर बचाया गया। ठीक इसी तरह बिजौलिया उपखंड के सीताकुंड जंगल में एक दस से बारह दिन की नवजात को फेवीक्विक से होठ चिपकाकर पत्थरों के नीचे दबा दिया गया। यह दृश्य इंसानियत को शर्मसार कर देने वाला था।

देवेंद्र सिंह

वरिष्ठ पत्रकार

इसी तरह बीकानेर के श्रीडूंगरगढ़ थाना क्षेत्र में भी एक दिन की बच्ची कूड़ेदान में पड़ी मिली। उसकी चीख सुनकर वहां से गुजर रही महिला ने पुलिस को सूचना दी और बच्ची को अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं जालोर जिले में भी एक मकान की छत पर गुलाबी चुनरी में लिपटी एक नवजात बच्ची मिली, जिसका जन्म फेंके जाने से मात्र 30 मिनट पहले हुआ था। हर घटना एक नए दर्द, एक नई पीड़ा और एक नए सवाल को जन्म देती है कि आखिर क्यों मासूम बेटियों को इस तरह से दुनिया में आने के तुरंत बाद मौत के हवाले किया जा रहा है?

समाज में बदलाव की बातें होती हैं, योजनाएं बनती हैं, जागरूकता अभियान चलाए जाते हैं, पर हालिया घटनाएं बताती हैं कि इन सबका प्रभाव जमीनी स्तर तक नहीं पहुंच पा रहा। सड़क किनारे, कूड़ेदानों और जंगलों में लावारिस हालत में बच्चियों के मिलने की बढ़ती घटनाएं बताती हैं कि समाज की सोच अब भी वहीं अटकी हुई है, जहां बेटी का जन्म लेना बोझ समझा जाता है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश में हर महीने औसतन 20 मासूम बेटियों को या तो अस्पतालों और पालनागृहों में छोड़ दिया जाता है या फिर सुनसान स्थानों पर मरने के लिए फेंक दिया जाता है। चिंता की बात यह है कि इन परित्यक्त बच्चों में 90 प्रतिशत बेटियां होती हैं। पिछले पांच वर्षों में 1,332 बच्चों को फेंकने के मामले सामने आए, जिनमें से 376 में माता-पिता की पहचान हुई। इनमें से 200 मामलों में किशोर न्याय अधिनियम 2015 के तहत कार्रवाई की गई। चाइल्ड लाइन इंडिया और यूनिसेफ की रिपोर्ट के अनुसार, सरकार ने आश्रय पालना योजना के तहत 67 पालना केंद्र स्थापित किए, लेकिन इनमें से सिर्फ 20 प्रतिशत ही प्रभावी रूप से काम कर रहे हैं। इससे साफ है कि सरकारी प्रयास कमजोर हैं और समाज में जागरूकता का स्तर बेहद कम।

रिपोर्ट बताती है कि 90 प्रतिशत मामलों के पीछे या तो अवैध संबंधों का भय होता है या फिर लिंग आधारित भेदभाव। अविवाहित माताएं, विधवाएं, परित्यक्ता महिलाएं और आर्थिक तंगी से जूझ रही महिलाएं बदनामी से बचने के लिए बच्चियों को जन्म के तुरंत बाद फेंक देती हैं। थार के रेगिस्तान और आदिवासी अंचलों में ऐसे प्रकरण अधिक हैं। सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षा की कमी इस समस्या को और गंभीर बनाती है, जबकि शहरी क्षेत्रों में अवैध संबंध और पारिवारिक दबाव प्रमुख कारण हैं। खास बात यह है कि परित्यक्त बच्चों में 90 प्रतिशत यानी 1,199 बच्चियां हैं। पिछले पांच वर्ष में परित्यक्त लड़कियां कोई कमी नहीं आई है, बल्कि 2021 और 2024 में इनमें वृद्धि हुई है।

सोशल फोरम

देने वाले ने देने में कुछ कमी न की

अरब में एक औरत रहती थी, जिसका नाम उम्मे जाफ़र था। वह बेहद सख़ी (बड़े दिल वाली) और दानवीर थी। वह जरूरतमंद लोगों की मदद दिल खोलकर करती थी। अपनी दानवीरता की वजह से वह पूरे इलाके में जानी जाती थी। लोग उससे मदद मांगने के लिए आया करते। वह खुद भी राह चलते लोगों को दान दिया करती। वह इस तरह दान करती थी कि दाहिना हाथ भी नहीं जान पाता था कि बायां हाथ क्या दे रहा है।

कश्मीरा शाह चतुर्वेदी

ब्लॉगर

कुछ दिनों से वह एक ख़ास रास्ते से गुज़रने लगी थी। उस रास्ते पर दो अंधे बैठे रहते थे। दोनों आवाज़ें लगाते थे।

एक की आवाज़ होती, "ऐ अल्लाह! मुझे अपने फ़ज़्ल करम से रोज़ी अता फ़रमा।"

दूसरा अंधा कहता, "ऐ रब! मुझे उम्मे जाफ़र का बचा-खुचा अता कर दे।"

उम्मे जाफ़र दोनों की आवाज़ें सुनतीं और दोनों को ही कुछ न कुछ दे देतीं।

जो अल्लाह का फ़ज़्ल मांगता था, उसे दो दरहम देतीं और जो 'उम्मे जाफ़र का फ़ज़्ल' मांगता था, उसे एक भुनी हुई मुर्ग़ी दे देतीं।

मज़े की बात यह थी कि जिसे मुर्ग़ी मिलती थी, वह अपनी मुर्ग़ी दूसरे अंधे को सिर्फ़ दो दरहम में बेच देता था। यह सिलसिला कई दिनों तक चलता रहा।

एक दिन उम्मे जाफ़र उस अंधे के पास आईं जो 'उम्मे जाफ़र का फ़ज़्ल' मांगा करता था और उससे पूछा, "क्या तुम्हें सौ दीनार मिले हैं?"

अंधा हैरान रह गया। बोला, "नहीं! मुझे तो बस एक भुनी हुई मुर्ग़ी मिलती थी, जिसे मैं दो दरहम में बेच देता था।"

उम्मे जाफ़र ने कहा, "जिसने अल्लाह का फ़ज़्ल मांगा, मैं उसे दो दरहम देती थी, और तुम्हें जो भुनी हुई मुर्ग़ी देती थी, उसके पेट में दस दीनार छिपाकर देती थी।"

यह सुनते ही अंधा अपना सिर पीटने लगा। वह चीखने-चिल्लाने लगा, "हाय मेरी बदक़िस्मती! काश मैंने ऐसा न किया होता। मैं बर्बाद हो गया!"

उम्मे जाफ़र ने कहा, "बेशक जो ईश्वर का फ़ज़्ल मांगता है, वही कामयाब होता है और जो सिर्फ इंसानों का फ़ज़्ल मांगता है, वह हमेशा महरूम ही रह जाता है।" **-फेसबुक वाल से**

सामयिकी

सड़क हादसे: सबसे अधिक मौतों वाले देशों में भारत

सड़क सुरक्षा पर जारी हाल ही में एक रिपोर्ट कहती है कि दुनिया में भारत सड़क दुर्घटनाओं में सबसे अधिक मौतों वाले देशों में शामिल है। यहां हर वर्ष लाखों लोग घायल होते हैं और लगभग डेढ़ लाख लोग जान गंवा देते हैं। ये आंकड़े किसी सूखे तथ्य की तरह नहीं, बल्कि उन परिवारों की टूटती दुनिया का बयान हैं, जिन्हें एक पल की गलती उम्र भर का दर्द दे जाती है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि इन दुर्घटनाओं में 70 फीसदी से अधिक मौतें 18 से 45 वर्ष की उम्र के युवाओं की होती है। यानी समाज की सबसे उत्पादक, सपनों से भरी और भविष्य गढ़ने वाली पीढ़ी सड़क पर अपनी ही गलतियों के कारण मर रही है। यह एक ऐसी राष्ट्रीय त्रासदी है, जिसकी जड़ कहीं बाहर नहीं बल्कि हमारे बीच ही है।

डॉ. नीलू तिवारी

शिक्षिका

देश में सड़क दुर्घटनाओं की स्थिति 2024–2025 में और गंभीर हो गई है। सड़क परिवहन मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2024 में देशभर में लगभग 4.73 लाख सड़क दुर्घटनाएं हुईं और करीब 1.70 लाख लोगों की मौत दर्ज की गई। वहीं 2025 की पहली छमाही में ही राष्ट्रीय राजमार्गों पर 29,018 लोगों की जान गई और 67,933 दुर्घटनाएं दर्ज की गईं। यह इस तथ्य की ओर इशारा करता है कि मात्र 2 प्रतिशत लंबाई वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पूरे देश में सड़क मौतों का अत्यधिक बड़ा हिस्सा वहन करते हैं। 2024 में राष्ट्रीय राजमार्गों पर कुल 1,25,873 दुर्घटनाएं और 53,090 मौतें हुई थीं, जो बताती हैं कि हाई-स्पीड कॉरिडोर देश के लिए सबसे बड़ा जोखिम क्षेत्र बने हुए हैं। कई शहरों में रैश ड्राइविंग सड़क दुर्घटनाओं का सबसे बड़ा कारण बना है।

इन सभी आंकड़ों से यह स्पष्ट है कि भारत में सड़क हादसों के पीछे सड़क इंजीनियरिंग की समस्याएं, कानूनों का कमजोर प्रवर्तन और सबसे अधिक लोगों का गैरजिम्मेदाराना व्यवहार- जैसे तेज रफ्तार, गलत दिशा में वाहन चलाना, ओवरटेकिंग, हेलमेट और सीट बेल्ट की अनदेखी, नशे में ड्राइविंग और मोबाइल फोन का इस्तेमाल दुर्घटनाओं की जड़ में हैं। 2024–2025 के ये डाटा सिर्फ आंकड़े नहीं, बल्कि यह चेतावनी हैं कि सड़कें तभी सुरक्षित होंगी, जब लोग स्वयं नियमों का पालन करेंगे। सरकार सड़क सुधार और प्रवर्तन को प्रभावी बनाएगी और समाज मिलकर इस राष्ट्रीय संकट को कम करने की दिशा में कदम उठाएगा।

देश में सड़क दुर्घटनाओं के बढ़ते मामलों के पीछे सबसे बड़ा कारण लोगों की लापरवाही और जोखिम उठाने की प्रवृत्ति है, जो हमारी सड़क संस्कृति का एक दुखद हिस्सा बन चुकी है। आज भी तेज रफ्तार सड़क दुर्घटनाओं की जड़ों में छिपा एक मौन हत्यारा मोबाइल फोन का बढ़ता उपयोग है। यह ड्राइविंग के दौरान ध्यान को विभाजित कर देता है, जिससे डिस्ट्रेक्टेड ड्राइविंग एक गंभीर समस्या के रूप में उभर रहा है। एक पल की अनदेखी न केवल चालक, बल्कि सड़क पर मौजूद हर अन्य व्यक्ति के लिए खतरा बन जाती है। वहीं नशे में वाहन चलाना भी दुर्घटनाओं का एक अत्यंत चिंताजनक कारण है। इसके अतिरिक्त ट्रैफिक नियमों के प्रति लोगों की उदासीनता भी सड़क हादसों के लिए सबसे अधिक जिम्मेदार है।

दुर्घटनाओं में इजाफे का बड़ा कारण ट्रैफिक पुलिस की सीमित क्षमता और नियमों के ढीला पालन भी है। जब लोग यह महसूस करते हैं कि उन पर नजर रखने वाला कोई नहीं है, तो वे नियम तोड़ने में संकोच नहीं करते। इसके अलावा लाइसेंस प्रक्रिया में कमियों के कारण कई लोग पर्याप्त ड्राइविंग कौशल के बिना वाहन सड़क पर ले आते हैं, जिससे वे स्वयं और दूसरों दोनों के लिए जोखिम पैदा करते हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह***
0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

खतरनाक है अमेजन टिपिंग पॉइंट

हम जानते हैं कि धरती और इसके पर्यावरण से ही हमारा अस्तित्व जुड़ा है। आज बढ़ते प्रदूषण और पर्यावरण असंतुलन से पृथ्वी का जो हिस्सा सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहा है वह है दुनिया का सबसे बड़ा उष्णकटिबंधीय वर्षावन अमेजन। अमेजन के जंगल खतरे में हैं और यह खतरा एक और बड़े खतरे को जन्म दे रहा है, वह है कार्बन उत्सर्जन के विस्फोट का खतरा। हो सकता है कि तब धरती का तापमान इतना बढ़ जाए कि धरती पर हमारा या अन्य जीव-जंतुओं का रहना ही मुश्किल हो जाए। अमेजन का जंगल वैश्विक जलवायु को नियंत्रित करने, जैव विविधता को बनाए रखने और कार्बन अवशोषण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, लेकिन आज वहां वनों की कटाई, जलवायु परिवर्तन, अवैध खनन और आग जैसी समस्याओं से यह गंभीर संकट का सामना कर रहा है। वैज्ञानिकों के अनुसार, अमेजन अब टिपिंग पॉइंट अर्थात वह बिंदु जहां से वापसी असंभव हो जाए, के बहुत करीब पहुंच चुका है, जहां सत्तर प्रतिशत तक जंगल खोने का खतरा है।

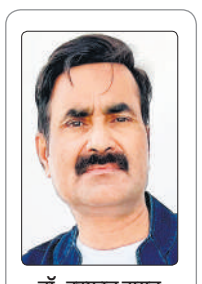

डॉ. इरफान ह्यूमन
विज्ञान लेखक

1985 से 2022 तक 11 प्रतिशत जंगल, फ्रांस के आकार के बराबर, नष्ट हो चुका है। 2025 में, जबकि आग में कमी आई है, लेकिन कटाई बढ़ रही है, विशेषकर मवेशी पालन, कृषि, खनन और सड़कों के लिए। यहां अवैध गतिविधियों की चर्चा की जाना जरूरी है, जहां भूमि हड़पना, सोने की अवैध खदानों और अपराधियों द्वारा लगाई जाने वाली आग है। इस कारण वर्षा में कमी और सूखा, जो जंगल को और कमजोर कर रहा है। कुछ हिस्सों में अब जंगल कार्बन उत्सर्जन अधिक कर रहे हैं, जितना अवशोषित, यह पर्यावरणविदों के लिए चिंता का विषय है। हालांकि ब्राजील में कुछ प्रगति हुई है, अगस्त 2024 से जुलाई 2025 तक वनों की कटाई 11 प्रतिशत घटी, जो 11 साल के न्यूनतम स्तर पर है। यह कॉप 30 से पहले एक सकारात्मक संकेत है, जहां अमेजन की सुरक्षा पर फोकस होगा। फिर भी, समग्र खतरा बना हुआ है और वैश्विक सहयोग की ज़रूरत है। कॉप 30, वास्तव में अमेज़न के जंगलों को बचाने की उम्मीद की एक किरण है। कॉप 30 संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन फ्रेमवर्क कन्वेंशन की 30 वीं सम्मेलन ऑफ द पार्टिज है, जो दुनिया के प्रमुख वार्षिक जलवायु शिखर सम्मेलन के रूप में जाना जाता है।

टिपिंग पॉइंट

अमेजन वर्षावन का टिपिंग पॉइंट एक ऐसा महत्वपूर्ण बिंदु है, जहां जंगल अपनी प्राकृतिक पुनरुत्पादन क्षमता खो देगा और अपरिवर्तनीय रूप से सूखी सवाना (घासभूमि) में बदल जाएगा। यह बिंदु पार होने पर जंगल का बड़ा हिस्सा नष्ट हो सकता है, जो वैश्विक जलवायु, जैव विविधता और मानव जीवन को गंभीर खतरे में डाल देगा। वैज्ञानिकों के अनुसार हम इस बिंदु के बहुत करीब पहुंच चुके हैं, वर्तमान में अमेजन का लगभग 18 प्रतिशत हिस्सा कट चुका है और वैश्विक तापमान पूर्व-औद्योगिक स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस बढ़ चुका है। यदि वनों की कटाई 20-25 प्रतिशत तक पहुंच जाती है या तापमान 2-2.5 डिग्री सेल्सियस बढ़ जाता है (जो 2050 तक संभव है), तो यह टिपिंग पॉइंट पार हो सकता है। अब सवाल है कि इसका जोखिम क्या है? तो इसका जवाब हमें चिंता में डाल सकता है, क्योंकि यह टिपिंग पॉइंट न केवल अमेजन के लिए, बल्कि पूरी दुनिया के लिए विनाशकारी होगा। सबसे पहले बात करेंगे जंगल के अपूर्णीय नुकसान की। यदि टिपिंग पॉइंट पार होता है, तो 50-70 प्रतिशत जंगल, जो लगभग 3-4 लाख वर्ग किमी है, खो सकता है, जो इसे कम आर्द्र, आग-संवेदनशील सवाना में बदल देगा। दक्षिण-पूर्वी अमेजन पहले ही कार्बन स्रोत बन चुका है, जहां पेड़ों की मृत्यु बढ़ रही है और अगले 100 वर्षों में पूरा जंगल गायब हो सकता है।

जूनोटिक रोग

जूनोटिक रोग वे बीमारियां हैं, जो जानवरों से इंसानों में फैलती हैं (या कभी-कभी उल्टा भी होता है)। ये विषाणु यानी वायरस, बैक्टीरिया, परजीवी या कवक के कारण होती हैं और अक्सर जंगली जानवरों (जैसे चमगादड़, कृंतक या कीट) से शुरू होकर इंसानों तक पहुंचती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, सभी मानव संक्रामक रोगों में से 60 प्रतिशत से अधिक जूनोटिक हैं, और ये महामारियों (जैसे कोविड-19, एबोला या सार्स) का प्रमुख कारण बनते हैं। अमेजन जैसे वर्षावनों में जैव विविधता अधिक होने से ज़ूनोटिक रोगों का खतरा स्वाभाविक रूप से ज्यादा है, लेकिन वनों की कटाई, जलवायु परिवर्तन और मानवीय हस्तक्षेप (जैसे खनन, कृषि विस्तार) से ये खतरे और गंभीर हो जाते हैं। जानवरों का प्राकृतिक संतुलन बिगड़ता है, जिससे संक्रामक जीव इंसानों के करीब पहुंचते हैं। एक हालिया अध्ययन के अनुसार, 2001-2019 के बीच अमेजन में आग, वेक्टर-जनित और ज़ूनोटिक रोगों से लगभग 3 करोड़ मामले सामने आए। स्वदेशी भूमियों पर जंगलों की रक्षा से इनमें से 27 रोगों (जैसे चागास, मलेरिया आदि) के फैलाव को 15 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है। आज अमेजन के जंगलों को बचाने के लिए ज़ीरो डिफॉरेस्टेशन, पुनर्वनीकरण और जैव-आधारित अर्थव्यवस्था की ज़रूरी है। ये अवधारणाएं एक-दूसरे को पूरक बनाती हैं, जीरो डिफॉरेस्टेशन रोकथाम है, पुनर्वनीकरण बहाली है और जैव-आधारित अर्थव्यवस्था टिकाऊ उपयोग प्रदान करती हैं। कॉप 30 जैसे मंचों पर इन्हें बढ़ावा दिया जा रहा है, लेकिन वैश्विक फेफड़े कहलाने वाले अमेजन के जंगलों पर अभी खतरा मंडरा रहा है।

कार्बन उत्सर्जन विस्फोट

कार्बन उत्सर्जन का विस्फोट से तात्पर्य वैश्विक स्तर पर कार्बन डाईऑक्साइड और अन्य ग्रीनहाउस गैसों के रिकॉर्ड स्तर पर बढ़ने से है, जो जलवायु परिवर्तन को तेज कर रहा है। 2023-2024 के बीच कार्बन डाईऑक्साइड स्तर में रिकॉर्ड 4.7 भाग प्रति मिलियन (पीपीएम) की वृद्धि हुई, जो मानव इतिहास में सबसे अधिक है। 2024 में जीवाश्म ईंधन (कोयला, तेल, गैस) का उपयोग बढ़ने से उत्सर्जन चरम पर पहुंच गया और 2025 में जंगलों की आगों से कार्बन डाईऑक्साइड 9 प्रतिशत अधिक निकली। यह क्लाइमेट कैओस की ओर ले जा रहा है, जहां 1.5 डिग्री सेल्सियस तापमान सीमा पार होने पर अपरिवर्तनीय क्षति हो सकती है। अमेजन जैसे टिपिंग पॉइंट्स पार होने पर यह विस्फोट और भयावह हो जाएगा, जो 200-250 अरब टन कार्बन डाईऑक्साइड रिलीज कर सकता है, जो वैश्विक उत्सर्जन का 26 प्रतिशत के बराबर है। यह मानव जाति के लिए अस्तित्वगत खतरा है, क्योंकि यह जीवन के हर पहलू को प्रभावित करेगा, जैसे स्वास्थ्य, भोजन, पानी, आवास और शांति। वैज्ञानिकों के अनुसार, 2025 में हम 'डूम्सडे क्लॉक' (मानव-निर्मित आपदाओं का संकेतक) के करीब हैं, जहां जलवायु संकट परमाणु युद्ध जितना खतरनाक है।

कार्बन स्रोत

2025 तक अमेजन का दक्षिण-पूर्वी हिस्सा (ब्राजील का मुख्य भाग) पूरी तरह नेट कार्बन स्रोत बन चुका है, जहां सूखा मौसम लंबा हो गया है। एक अध्ययन के अनुसार पिछले 40 वर्षों में यहां की वनभूमि अब कुल कार्बन फ्लक्स (अवशोषण माइनस उत्सर्जन) से अधिक कार्बन डाईऑक्साइड उत्सर्जित कर रही है। समग्र अमेजन में सिंग की भूमिका घट रही है, 2001-2024 के बीच स्वदेशी क्षेत्रों में कार्बन अवशोषण फ्रांस के वार्षिक जीवाश्म ईंधन उत्सर्जन के बराबर था, लेकिन 2025 में आगे और कटाई से यह संतुलन बिगड़ गया। इसका कारण वनों की कटाई है। इसके अलावा 2025 में ब्राजील के अमेजन में 1.1 मिलियन हेक्टेयर जला, जो 2024 से 70 प्रतिशत कम है, लेकिन फिर भी दक्षिणी क्षेत्रों में कार्बन डाईऑक्साइड उत्सर्जन रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। जंगलों की आग अब फीडबैक लूप बना रही है, गर्मी से आग बढ़ती है, जो और गर्मी पैदा करती है।

क्या है डूम्सडे क्लॉक

डूम्सडे क्लॉक एक प्रतीकात्मक घड़ी है, जो मानवता को वैश्विक आपदा, जैसे परमाणु युद्ध, जलवायु परिवर्तन या अन्य विनाशकारी घटनाओं, से कितनी निकटता पर दर्शाती है। डूम्सडे क्लॉक के खतरों के अंतर्गत सबसे पहले पहले चरम मौसम घटनाओं की चर्चा करते हैं। इसके चलते तूफान, बाढ़, सूखा और गर्मी की लहरें तेज हो रही हैं। 2024 में 1.5 डिग्री सेल्सियस सीमा पार हो चुकी है, जो हरिकेन और बाढ़ की तीव्रता बढ़ा रही है। इसके प्रभाव से दक्षिणी यूरोप और एशिया में 2025 की गर्मी की लहरों से हजारों मौतें और वैश्विक आपदाओं से 10 करोड़ लोग विस्थापित हुए हैं। इसके चलते समुद्र स्तर वृद्धि पर नजर डालें तो पाएंगे कि ग्लेशियर पिघलने से 2100 तक 1 मीटर तक समुद्र ऊंचा हो सकता है, लेकिन विस्फोट से यह और तेज होगा। इसके प्रभाव से तटीय शहर (जैसे मुंबई, न्यूयॉर्क) डूबने का खतरा है, इससे 10 करोड़ लोग प्रभावित होने के साथ, कृषि भूमि खराब होने का अनुमान है।

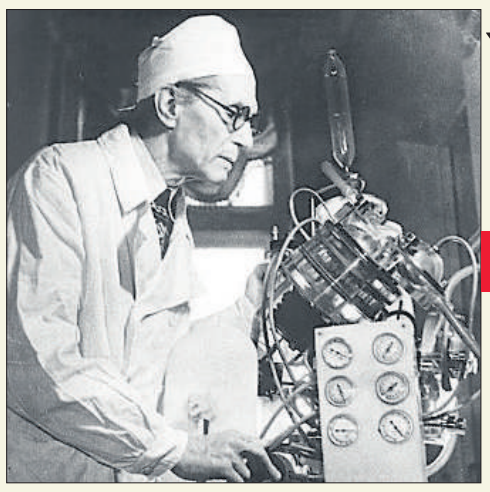

सर्गेई ब्रुखोनेंको

रोचक किस्सा

सोवियत वैज्ञानिक सर्गेई ब्रुखोनेंको को रूसी ओपन-हार्ट सर्जरी में महत्वपूर्ण प्रगति लाने में मदद करने का श्रेय दिया जाता है, लेकिन जानवरों पर उनके भयानक प्रयोग कहीं अधिक परेशान करने वाले थे। ब्रुखोनेंको इंतजार करने वालों में से नहीं थे, वे मरने के बाद जानवरों को काटने से संतुष्ट नहीं थे। अधिक सटीक रूप से, न केवल उन्हें इंतजार करना पसंद था, बल्कि वे जानवरों को मरते हुए भी नहीं देखना चाहते थे, उनके सिर काटने के बाद भी नहीं। 1930 के दशक के उत्तरार्ध में, ब्रुखोनेंको और उनकी टीम ने प्रयोगों की एक श्रृंखला शुरू की, जिसके एक भाग के रूप में उन्होंने एक कुत्ते का सिर काट दिया और उसे हवा और रक्त की आपूर्ति करने वाले उपकरण से जोड़कर उसके शरीर से दूर जीवित रखा। ब्रुखोनेंको द्वारा रची गई यही एकमात्र भयावहता नहीं थी। एक अन्य शिकारी कुत्ते के शरीर से सारा खून निकाल लिया गया, जिसे बाद में इस सोवियत फ्रेंकस्टीन द्वारा वापस जीवित कर दिया गया। ब्रुखोनेंको के भीषण काम को 1940 की फिल्म ' एक्सपेरिमेंट्स इन द रिवाइवल ऑफ ऑर्गेनिज्म्स' में कैमरे में कैद किया गया था।

टेक जानकारी

वोटर-लिस्ट अपडेट का नया दौर

ऑनलाइन सुविधाओं से प्रक्रिया हुई सरल

भारतीय निर्वाचन आयोग ने 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का अगला चरण शुरू किया है। इस प्रक्रिया का उद्देश्य वोटर-लिस्ट को अपडेट करना, डुप्लीकेट और दिवंगत मतदाताओं के नाम हटाना है। आयोग ने सुविधा बढ़ाने के लिए ऑनलाइन आवेदन की सुविधा भी दी है, जिससे घर बैठे जानकारी में सुधार, नई एंट्री, वोटर-आईडी डाउनलोड और वोटर-लिस्ट में नाम की जांच आसानी से की जा सकती है।

ऐसे डाउन लोड करें वोटर लिस्ट

इसके लिए आप चुनाव आयोग की वेबसाइट (www.eci.gov.in) पर जाना होगा। साइट पर PDF E-Roll का ऑप्शन चुने। फिर अपने राज्य, जिला व निर्वाचन क्षेत्र चुनें और मतदान केंद्र के पास Final Roll ऑप्शन पर क्लिक करें। इसी से आप पूरी वोटर-लिस्ट डाउनलोड कर सकते हैं।

ऐसे चेक करें वोटर लिस्ट में अपना नाम

यदि आप सीधे अपना नाम देखना चाहें, तो वेबसाइट पर Search your name in E-roll ऑप्शन पर क्लिक करें। यहां आपको अपना वोटर-कार्ड पर लिखा संख्या या अन्य जानकारी भरनी होगी। इसके बाद Search पर क्लिक करके पता कर लें कि आपका नाम सूची में शामिल है या नहीं।

ऐसे करें वोटर-आईडी डाउनलोड

NVSP या वोटर सर्विसेज पोर्टल पर मोबाइल नंबर, पासवर्ड और कैप्चा दर्ज करके लॉग-इन करें और OTP वेरिफाई करें। लॉगइन के बाद E-EPIC Download विकल्प चुनें और EPIC नंबर या फॉर्म रेफरेंस नंबर से खोजें। विवरण दिखने पर OTP वेरिफिकेशन पूरा करें और अपना डिजिटल वोटर-आईडी (e-EPIC) डाउनलोड कर लें।

जंगल की दुनिया

लायन-टेल्ड मैकाक

लायन-टेल्ड मैकाक, जिसे हिंदी में सिंह पूंछ बंदर भी कहा जाता है, भारत के पश्चिमी घाटों की जैव-विविधता का अनमोल हिस्सा है। लगभग 60-65 सेंटीमीटर लंबे इन बंदरों का शरीर चमकीले काले फर से ढका होता है, जबकि गर्दन के चारों ओर फैला सिल्वर-व्हाइट अयाल इन्हें एक विशिष्ट और राजसी रूप देता है। पूंछ के सिरे पर मौजूद बाल इन्हें शेर जैसी छवि प्रदान करते हैं, इसी कारण इनका यह नाम पड़ा। ये प्रजाति अत्यंत आर्बोरियल है अर्थात् यह अपना जीवन लगभग पूरी तरह पेड़ों पर बिताती है। वर्षावन की ऊंची छतरी में छलांग लगाते हुए ये बंदर अपने समूह के साथ भोजन की तलाश में घूमते हैं। इनके भोजन में मुख्य रूप से फल, बीज, पत्ते, फूल और छोटे-मोटे कीड़े शामिल होते हैं। इनके सामाजिक समूह आमतौर पर छोटे होते हैं, जिसमें एक प्रमुख नर, कई मादाएं और उनके शावक शामिल होते हैं।

इनका व्यवहार अत्यंत शांत और सतर्क होता है। मानव गतिविधियों से ये दूरी बनाए रखते हैं, इसलिए जंगलों में भी इनका देख जाना बहुत दुर्लभ माना जाता है, लेकिन पिछले कुछ दशकों में तेजी से हो रही वनों की कटाई, सड़क निर्माण और मानव बस्तियों के विस्तार ने इनके प्राकृतिक आवास को गहराई से प्रभावित किया है। International Union for Conservation of Nature (IUCN) ने इन्हें लुप्तप्राय श्रेणी में रखा है, जो बताता है कि इनका अस्तित्व गंभीर खतरे में है। पश्चिमी घाट- दुनिया के आठ "हॉटस्पॉट्स ऑफ बायोडायवर्सिटी" में से एक इनका अंतिम सुरक्षित आश्रय बन चुका है। केरल के साइलेंट वैली राष्ट्रीय उद्यान, कर्नाटक के कुद्रेमुख और तमिलनाडु के अनामलाई क्षेत्रों में इनके संरक्षण के लिए कई योजनाएं चल रही हैं। स्थानीय जनजातियों, वन विभाग और शोध संस्थानों के संयुक्त प्रयासों से इस प्रजाति को बचाने की कोशिश जारी है। लायन-टेल्ड मैकाक केवल एक बंदर नहीं, बल्कि पश्चिमी घाट की समृद्ध प्राकृतिक धरोहर का प्रतीक है। यह एक ऐसी प्रजाति, जिसे बचाना हमारे पारिस्थितिक संतुलन के लिए अत्यंत आवश्यक है।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	85,720.38	26,215.55
बढ़त	110.88	10.25
प्रतिशत में	0.13	0.39

सोना 1,29,460 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,68,200 प्रति किलो

अमृत विचार

कानपुर, शुक्रवार, 28 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

68 निवेश सलाहकारों का पंजीकरण रद्द

नई दिल्ली। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने नवीनीकरण शुल्क का भुगतान करने में विफल रहने पर 68 निवेश सलाहकारों का पंजीकरण रद्द कर दिया। सेबी की नामित प्राधिकारी सोमा मजूमदार ने आदेश में कहा, मध्यवर्ती विनियम, 2008 के तहत, नोटिस संख्या 1 से 68 तक के निवेश सलाहकारों के रूप में पंजीकरण प्रमाणपत्र रद्द किया जाता है। रद्द की गई संस्थाओं की सूची में टू नॉर्थ लैब्स प्राइवेट लिमिटेड, इक्विटी मंत्रा, सौरभ मुंद्रा, शीतल अग्रवाल, अतीत हेमंत वाघ, गेटबासिस सिक्योरिटीज एंड टेक्नोलॉजीज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ल्यूसिड टेक्नोलॉजीज और एवेन्यू वेंचर पार्टनर्स इन्वेस्टमेंट एडवाइजर एलएलपी शामिल हैं।

निवेशक सुरक्षा को करेंगे मजबूत : सेबी प्रमुख

नई दिल्ली। सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने गुरुवार को निवेशकों की सुरक्षा को मजबूत करने की जरूरत बताई। उन्होंने आगाह किया कि गैर-पंजीकृत सलाहकार समूह, लोगों को असुरक्षित कारोबारी माध्यमों की ओर आकर्षित कर रहे हैं और इसलिए अवैध कारोबार के मामले नए डिजिटल प्रारूपों में फिर से सामने आ रहे हैं। कोयंबटूर में बीएसई द्वारा आयोजित एक क्षेत्रीय निवेशक जागरूकता संगोष्ठी में पांडेय ने कहा कि इस दौर में जहां गलत सूचनाएं तथ्यों से अधिक तेजी से प्रसारित होती हैं। यह चुनौती और भी बढ़ गई है। कारोबार संबंधी धोखाधड़ी वाले एप विश्वसनीय लगते हैं, डिजिटल खाते वैधता का दिखावा करते हैं और पक्के रिटर्न का वादा करने वाली ऐसा योजनाएं पेश करते हैं जो कोई भी विनियमित बाजार नहीं दे सकता।

वायदा बाजार में कच्चे तेल के भाव में तेजी

नई दिल्ली। मजबूत मांग के बीच कारोबारियों के अपने सौदों का आकार बढ़ाने से वायदा कारोबार में कच्चे तेल का भाव बृहस्पतिवार को 28 रुपये चढ़कर 5,221 रुपये प्रति बैरल पर पहुंच गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में दिसंबर में आपूर्ति वाले कच्चे तेल के अनुबंधों का भाव 28 रुपये यानी 0.54 प्रतिशत की बढ़त के साथ 5,221 रुपये प्रति बैरल पर पहुंच गया। इसमें 15,793 लॉट के लिए कारोबार हुआ।

जीएसटी युक्तिसंगत बनाने से खपत में तेजी

वित्त मंत्रालय ने कहा आर्थिक वृद्धि की गति रहेगी बरकरार, खुदरा मुद्रास्फीति अब तक के सबसे निचले स्तर पर

नई दिल्ली, एजेंसी

जीएसटी की दरों को युक्तिसंगत बनाने से खपत को महत्वपूर्ण बढ़ावा मिला है और भारतीय अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान जोखिमों से निपटने तथा वृद्धि की गति बनाए रखने के लिए मजबूत स्थिति में है। वित्त मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

वित्त मंत्रालय की अक्टूबर माह की मासिक आर्थिक समीक्षा में कहा गया कि मुद्रास्फीति के दबाव में कमी आने तथा हाल के कर सुधारों से खर्च योग्य घरेलू आय में वृद्धि से निकट भविष्य में उपभोग का परिदृश्य सकारात्मक लग रहा है। खुदरा मुद्रास्फीति अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है। यह अक्टूबर 2025 में 0.25 प्रतिशत रह गई है जबकि सितंबर 2025 में यह 1.44 प्रतिशत थी। मंत्रालय ने कहा कि इस गिरावट का मुख्य कारण जीएसटी दरों में कमी, अनुकूल तुलनात्मक आधार प्रभाव और खाद्य मुद्रास्फीति में उल्लेखनीय गिरावट है। अक्टूबर की मासिक आर्थिक समीक्षा में कहा गया, जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने से उपभोग को उल्लेखनीय बढ़ावा मिला है। यह उच्च आवृत्ति संकेतकों (पीएमआई, जीएसटी सग्रह, ई-वे बिल आदि) में मजबूती से पता चलता है।

बिना दावे वाली संपत्तियों के लिए एकीकृत पोर्टल जल्द

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय बैंक जमा, पेंशन, शेयर, लाभांश और अन्य वित्तीय साधनों में फंसी बिना दावे वाली संपत्तियों के लिए दावा प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए आरबीआई के साथ मिलकर एक एकीकृत पोर्टल लाने की प्रक्रिया में है। वित्तीय सेवाओं के सचिव एन. नागराजू ने गुरुवार को पंजाब नेशनल बैंक के एक निवेशक जागरूकता कार्यक्रम में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जल्द ही पेश किए जाने वाले इस पोर्टल के जरिये सभी नियामकों के डेटा को आरबीआई द्वारा समन्वित किया जाएगा।

मुद्रा योजना के तहत 55 करोड़ लोगों को 34 लाख करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृत : चौधरी

नई दिल्ली। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने गुरुवार को कहा कि बैंकों ने प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) के तहत 55 करोड़ लाभार्थियों को बिना किसी गारंटी के 34 लाख करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृत किए हैं। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अप्रैल 2015 में की थी। इसका उद्देश्य वंचितों को वित्तपोषित करना है। शुरुआत में इस योजना के तहत अधिकतम ऋण सीमा 10 लाख रुपये थी जिसे 2024-25 के बजट में बढ़ाकर 20 लाख रुपये कर दिया गया। चौधरी ने यहां पंजाब नेशनल बैंक द्वारा 'आपकी पूंजी आपका अधिकार' विषय पर आयोजित शिविर में कहा कि पीएमएमवाई ने अब तक 55 करोड़ लाभार्थियों को बिना किसी गारंटी के ऋण उपलब्ध कराया है। उन्होंने 'आपकी पूंजी आपका अधिकार अभियान' के बारे में बात करते हुए कहा कि सरकार ने निष्क्रिय संपत्तियों पर दावा करने से जुड़े कुछ मुद्दों के समाधान के लिए पहले ही पहल की है, जिसमें दावे की बेहतर संभावना के लिए प्रति बैंक खाते में नामांकित लोगों की संख्या बढ़ाकर चार करना शामिल है। उन्होंने कहा कि इन उपायों के बावजूद अभी और काम किया जाना बाकी है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्तीय क्षेत्र में बिना दावे वाली संपत्तियों पर तीन महीने का राष्ट्रव्यापी जागरूकता अभियान चार अक्टूबर को शुरू किया था। अभियान का शीर्षक 'आपकी पूंजी, आपका अधिकार' है।

भारत व यूएई ने बाजार पहुंच एफटीए प्रगति पर की चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी

- व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता के तहत की बैठक

भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए बाजार पहुंच, डेटा साझाकरण, डंपिंग रोधी मामलों एवं सेवाओं आदि से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की है। वाणिज्य मंत्रालय ने गुरुवार को यह जानकारी दी। भारत-यूएई ने व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) के तहत संयुक्त समिति की बैठक के दौरान इन मुद्दों पर चर्चा की गई।

सीईपीए एक प्रकार का मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) है। मंत्रालय ने कहा, दोनों पक्षों ने सीईपीए के तहत प्रगति की व्यापक समीक्षा की। साथ ही बाजार पहुंच के मुद्दों, डेटा साझाकरण, स्वर्ण टीआरक्यू (निश्चित मात्रा तक कम शुल्क पर) आवंटन, डंपिंग रोधी मामलों, सेवाओं, उत्पत्ति के नियमों, बीआईएस लाइसेंसिंग पर विस्तृत चर्चा की। भारतीय पक्ष ने यूएई को पारदर्शी प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के माध्यम से स्वर्ण टीआरक्यू आवंटन पर अपने हालिया निर्णय के बारे में भी जानकारी दी। दोनों पक्षों ने औषधि क्षेत्र में विनियामक सहयोग बढ़ाने, उत्पत्ति प्रमाण पत्र से संबंधित मुद्दों के समाधान पर चर्चा की। साथ ही कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा), भारत तथा संयुक्त अरब अमीरात के जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरण मंत्रालय के बीच खाद्य सुरक्षा तथा तकनीकी आवश्यकताओं पर समझौता ज्ञापन पर शीघ्र हस्ताक्षर करने पर भी विचार-विमर्श किया।

एसबीआई को पांच-छह साल तक इक्विटी पूंजी की जरूरत नहीं : शेट्टी

नई दिल्ली, एजेंसी

- एसबीआई के चेयरमैन बोले- क्यूआईपी के जरिये जुटाई पूंजी से ऋण वृद्धि को मिलेगा समर्थन

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन सीएस शेट्टी ने कहा कि इस साल की शुरुआत में पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) के जरिये जुटाई गई 25,000 करोड़ रुपये की इक्विटी पूंजी से 12 लाख करोड़ रुपये की ऋण वृद्धि को समर्थन मिलेगा। साथ ही पांच से छह साल तक पूंजी पर्याप्तता अनुपात 15 प्रतिशत बना रहेगा। उन्होंने कहा कि ऋण पूंजी के संबंध में बैंक आवधिक प्रक्रिया के तहत बॉन्ड के माध्यम से 12,500 करोड़ रुपये जुटाएगा।

शेट्टी ने कहा, इस क्यूआईपी के शुरू होने से पहले भी, ऋण वृद्धि को वित्तपोषित करने की हमारी क्षमता कभी समस्या नहीं रही। हम पूंजी अनुपात को मजबूत करना चाहते थे, इसलिए हमने ऐसा किया। हमारी दीर्घकालिक रणनीति सीआरएआर को 15 प्रतिशत और 'कॉमन इक्विट टियर-1' को 12 प्रतिशत पर बनाए रखना है। उन्होंने कहा कि इस तरह का पूंजी-जोखिम परिसंपत्ति अनुपात (सीआरएआर) बैंक को 12000 अरब रुपये से अधिक के अग्रिमों को वित्तपोषित करने की क्षमता प्रदान करता है।

एसबीआई के चेयरमैन ने कहा, आज की लाभ दर के साथ, अगर यही लाभप्रदता अगले पांच से छह वर्ष तक बनी रहती है, तो हमें कम से कम सीईटी-1 पर कोई भी पूंजी जुटाने की आवश्यकता नहीं होगी। एसबीआई ने इस साल जुलाई में अपने इक्विटी शेयर के पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) के जरिये 25,000 करोड़ रुपये जुटाए। इससे यह भारतीय पूंजी बाजारों में अब तक का सबसे बड़ा क्यूआईपी बन गया। इससे पहले बैंक ने जून 2017 में क्यूआईपी के जरिये 15,000 करोड़ रुपये की इक्विटी पूंजी जुटाई थी।

सड़क निर्माण में गुणवत्ता सुनिश्चित करें, वरना कार्रवाई होगी : गडकरी

अहमदाबाद। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गांधीनगर में एनएचएआई के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की और ठेकेदारों को चेतावनी दी कि सड़क निर्माण में उच्च गुणवत्ता बनाए रखें, अन्यथा कार्रवाई का सामना करने के लिए तैयार रहें।

- गडकरी ने ठेकेदारों को चेताया

बुधवार को हुई समीक्षा बैठक के दौरान सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने ठेकेदारों से राजमार्गों के निर्माण के साथ-साथ पुनर्निर्माण में लोगों की सुविधा और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने को भी कहा। राज्य सरकार की एक विज्ञप्ति में बृहस्पतिवार को कहा गया कि गडकरी ने आश्वासन दिया कि केंद्र गुजरात में राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण, पुनर्निर्माण तथा संबंधित परियोजनाओं के लिए 20,000 करोड़ रुपये आवंटित करेगा। गडकरी ने बुधवार को गुजरात के साबरकांठा जिले के हिम्मतनगर शहर में राष्ट्रीय राजमार्ग -48 के निर्माणाधीन खंड का निरीक्षण किया और मोतीपुर फ्लाईओवर तथा राजमार्ग पर एक अंडरपास पर किए जा रहे काम की प्रगति की समीक्षा की। गुजरात के मुख्यमंत्री की उपस्थिति में आयोजित समीक्षा बैठक में गडकरी ने अधिकारियों और ठेकेदारों से कहा, सड़क निर्माण में उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करें, अन्यथा कार्रवाई का सामना करने के लिए तैयार रहें।

विदेशी संपत्तियों का खुलासा नहीं करने वालों को संदेश भेजेगा आयकर विभाग

नई दिल्ली, एजेंसी

- 28 नवंबर से एसएमएस एवं ईमेल भेजना करेगा शुरू, 31 दिसंबर तक आईटीआर दाखिल करने की सलाह

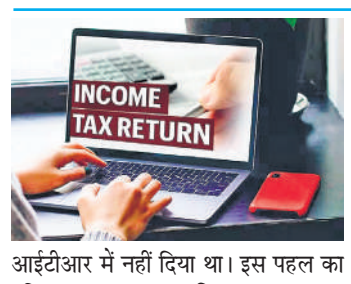

आयकर विभाग ने गुरुवार को कहा कि लगभग 25,000 करदाताओं के अधिक-जोखिम वाले मामलों को चिन्हित किया गया है जिनमें उन्होंने अपने आयकर रिटर्न में विदेशी परिसंपत्तियों का विवरण नहीं दिया है।

विभाग ने कहा कि इन चिह्नित लोगों को 28 नवंबर से एसएमएस एवं ईमेल भेजना शुरू किया जाएगा और उन्हें दंडात्मक कार्रवाई से बचने के लिए 31 दिसंबर, 2025 तक संशोधित आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की सलाह दी जाएगी। दिसंबर मध्य से शुरू होने वाले अभियान के दूसरे चरण में दूसरे मामलों को भी शामिल करने के लिए इसका दायरा बढ़ाया जाएगा। पिछले साल भी आयकर विभाग ने स्वचालित सूचना आदान-प्रदान (एईओआई) व्यवस्था के तहत विदेशी क्षेत्राधिकारों द्वारा सूचित ऐसे करदाताओं को संदेश भेजे थे, जिन्होंने अपने विदेशी निवेश और खातों का विवरण आईटीआर में नहीं दिया था। इस पहल का परिणाम यह हुआ था कि कुल 24,678 करदाताओं ने अपने रिटर्न में संशोधन किया और 29,208 करोड़ की विदेशी परिसंपत्तियों एवं 1,089.88 करोड़ रुपये की विदेशी आय की जानकारी भी दी। सूत्रों ने कहा कि बड़ी कंपनियों, जिनके कर्मचारियों के पास विदेशी संपत्ति है और उन्होंने इसका खुलासा नहीं किया है, को भी इस पहल का हिस्सा बनाया गया है।

राष्ट्रीय

ऑनलाइन अश्लीलता से निपटने को तटस्थ नियामक जरूरी

सुप्रीम कोर्ट ने मीडिया तथा ओटीटी संस्थाओं द्वारा अपनाए गए मौजूदा स्व-नियमन ढांचे पर असंतोष व्यक्त किया

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने मीडिया तथा ओटीटी संस्थाओं द्वारा अपनाए गए मौजूदा स्व-नियमन ढांचे पर असंतोष व्यक्त किया है और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अश्लील, आपत्तिजनक या अवैध सामग्री की निगरानी के लिए एक तटस्थ, स्वतंत्र और स्वायत्त नियामक निकाय की आवश्यकता पर बल दिया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ गुरुवार को पॉडकास्टर रणवीर इलाहाबादिया और अन्य की याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। इन याचिकाओं में ऑनलाइन शो इंडियाज गॉट लैटेंट से संबंधित कथित अश्लील सामग्री को लेकर दर्ज प्राथमिकी को एक साथ करने की मांग की गयी है।

इससे पहले न्यायालय ने ऑनलाइन अश्लीलता पर व्यापक दिशानिर्देश तैयार करने के लिए मामले के दायरे को बढ़ाया था। अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने न्यायालय को बताया कि केंद्र सरकार नए दिशानिर्देश तैयार कर रही है और हितधारकों से परामर्श कर रही है। मेहता ने कहा कि यह मामला केवल अश्लीलता से नहीं, बल्कि यूट्यूब और समान प्लेटफॉर्म पर प्रकाशित उपयोगकर्ता-जनित सामग्री में मौजूद विकृति से भी संबंधित है। मुख्य न्यायाधीश ने स्वतंत्र कंटेंट क्रिएटर्स के लिए किसी भी नियामक ढांचे की अनुपस्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए टिप्पणी करते हुए कहा, तो मैं अपना चैनल बनाता हूं, मैं किसी के प्रति जवाबदेह नहीं हूं... किसी को तो जवाबदेह होना चाहिए! उन्होंने कहा कि बोलने की स्वतंत्रता महत्वपूर्ण है, लेकिन इसे विकृति को सही ठहराने के लिए नहीं बढ़ाया जा सकता।

इंडियन ब्रॉडकास्ट एंड डिजिटल फाउंडेशन की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता अमित सिब्बल ने कहा कि आईटी नियम, 2021 पहले से ही एक नियामक ढांचा प्रदान करते हैं। उन्होंने बताया कि ओटीटी प्लेटफॉर्म न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) गीता मित्तल की अध्यक्षता वाले निकाय के माध्यम से स्वेच्छा से कंटेंट लेबलिंग, आयु वर्गीकरण और शिकायत निवारण लागू करते हैं। मुख्य न्यायाधीश ने हालांकि इस मॉडल पर गहरी आपत्ति व्यक्त करते हुए कहा, स्व-घोषित निकाय मदद नहीं करेंगे। एक तटस्थ स्वायत्त निकाय की आवश्यकता है। उन्होंने सवाल किया कि अगर स्व-नियमन प्रभावी है, तो उल्लंघन क्यों जारी हैं। न्यायमूर्ति बागची ने भी चिंता को दोहराते हुए हानिकारक कंटेंट के तेजी से फैलने की चेतावनी दी। उन्होंने पूछा, एक बार निंदनीय सामग्री अपलोड हो जाने के बाद, जब तक अधिकारी प्रतिक्रिया करते हैं, तब तक वह लाखों लोगों तक वायरल हो चुकी होती है। आप उसे कैसे नियंत्रित करेंगे? मुख्य न्यायाधीश ने हाशिए पर रहनेवाले समुदायों पर आपत्तिजनक सामग्री के प्रभाव पर भी प्रकाश डाला।

प्रदूषण पर कहा- एक न्यायिक मंच कौन-सी जादुई छड़ी घुमा सकता है

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में लगातार खराब होती वायु गुणवत्ता से संबंधित एक याचिका पर तीन दिसंबर को सुनवाई करने पर गुरुवार को सहमति जताई। न्यायालय ने कहा कि इस मुद्दे की नियमित रूप से निगरानी की आवश्यकता है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता अपराजिता सिंह के उस अभ्यावेदन पर गौर किया कि दिल्ली-एनसीआर में चिंताजनक स्थिति है और यह एक स्वास्थ्य आपातकाल है। अधिवक्ता अपराजिता सिंह वायु प्रदूषण मामले में पीठ के लिए न्यायमित्र की भूमिका निभा रही हैं। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, एक न्यायिक मंच कौन-सी जादुई छड़ी घुमा सकता है? मुझे पता है कि यह दिल्ली-एनसीआर के लिए खतरनाक स्थिति है। हम सब समस्या जानते हैं। मुद्दा यह है कि समाधान क्या है? हमें कारणों की पहचान करनी होगी और समाधान तो केवल विशेषज्ञ ही दे सकते हैं। हमें उम्मीद है और अपेक्षा भी कि दीर्घकालिक समाधान खोजे जाएंगे। उन्होंने कहा, मुझे बताइए कि हम क्या निर्देश दे सकते हैं? हम कुछ दिशानिर्देश जारी करें और तुरंत साफ हवा में सांस लेने लगें। हमें यह भी देखना होगा कि प्रत्येक क्षेत्र में क्या समाधान हो सकते हैं। आइए देखें कि सरकार ने क्या समिति गठित की है। न्यायालय ने 19 नवंबर को वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) से कहा था कि वह दिल्ली-एनसीआर के स्कूलों को नवंबर-दिसंबर में निर्धारित, खुले में होने वाले खेल आयोजनों को जहरीली हवा को देखते हुए स्थगित करने का निर्देश देने पर विचार करे। न्यायालय ने ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) के तहत सालभर पाबंदियां लगाने से इनकार कर दिया था। ग्रैप एक आपातकालीन ढांचा है जिसके तहत प्रदूषण के गंभीर स्तर पर कुछ गतिविधियों पर रोक लगाई जाती है।

कांग्रेस ने आंतरिक कलह और सीट बंटवारे में देरी को बताया हार का कारण

नई दिल्ली, एजेंसी

- खरगे और राहुल ने प्रत्याशियों को दिल्ली बुलाकर जानी हार के पीछे की कहानी
- सरकार द्वारा महिलाओं को 10 हजार रुपये दिए जाने को भी बताया वजह

कांग्रेस नेतृत्व ने बृहस्पतिवार को बिहार विधानसभा में निर्वाचित अपने विधायकों तथा हारे उम्मीदवारों के साथ चुनाव नतीजों पर समीक्षा बैठक की, जिसमें कई नेताओं यह कहा कि महागठबंधन में समय पर सीट बंटवारा नहीं होने, 'आंतरिक कलह' और नीतीश कुमार सरकार द्वारा महिलाओं को 10-10 हजार रुपये दिया जाना करारी हार के मुख्य कारण रहे।

कांग्रेस मुख्यालय 'इंदिरा भवन' में हुई इस बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने नेताओं के साथ 10-10 के समूह में बातचीत की तथा उनसे हार के कारणों के बारे में जाना। इस बैठक में कांग्रेस के बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरू और प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम भी थे। बैठक के दौरान कांग्रेस के एक उम्मीदवार और सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव के एक समर्थक नेता के बीच पर कहासुनी की भी खबर है। बैठक के बाद अररिया से कांग्रेस के विधायक आबिदुर रहमान ने बताया कि हार के कई कारण थे। पहला कारण है कि आचार संहिता का उल्लंघन करते हुए 10-10 हजार रुपये दिए गए। गठबंधन में सीट बंटवारा सही समय पर नहीं हो सका। 10-11 सीटों पर दोस्ताना मुकाबला हुआ, जिससे जनता में अलग संदेश गया।

खेती के नए तरीके अपनाने के लिए सात किसानों को पुरस्कार

नई दिल्ली। खेती में नवाचार और उद्यमशीलता के लिए सात किसानों को पुरस्कार दिया गया है। किसान ऑफ इंडिया सम्मान के अंतर्गत जैविक/प्राकृतिक खेती, संरक्षित खेती, खाद्य प्रसंस्करण, कृषि स्टार्ट-अप, डेयरी फार्मिंग, मत्स्यपालन और खेती में नई प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में बेहतर काम करने वाले किसानों को सम्मानित किया गया। राजस्थान के जोधपुर के एक उद्यमी, अमित सोनी ने बताया कि कैसे संसद में उनके बाजरे से बने चॉकलेट ट्रफल केक को काटा गया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उसकी तारीफ की। सना खान को प्रधानमंत्री मोदी द्वारा 'मन की बात' प्रोग्राम में वर्मीकम्पोस्ट में उनके प्रयासों की तारीफ किए जाने के बाद ख्याति मिली।

जसीर बिलाल वानी 7 दिन के लिए एनआईए की हिरासत में

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली की एक अदालत ने हाल ही में लाल किले के नजदीक हुए विस्फोट मामले के मुख्य आरोपी जसीर बिलाल वानी को बृहस्पतिवार को सात दिनों के लिए राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की हिरासत में भेज दिया।

वानी को एनआईए ने इसलिए पेश किया क्योंकि प्रधान सत्र एवं जिला न्यायाधीश अंजू बजाज चंदना द्वारा 18 नवंबर को दी गई 10-दिवसीय हिरासत आज समाप्त हो रही थी। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग के काजीगुंड निवासी वानी को 17 नवंबर को एनआईए ने श्रीनगर में गिरफ्तार किया था। उस पर 10 नवंबर के धमाके से पहले ड्रोन को संशोधित करके आतंकवादी हमले करने और रॉकेट बनाने का प्रयास करने में तकनीकी सहायता प्रदान करने का आरोप है।

कश्मीर के विभिन्न इलाकों में छापेमारी

श्रीनगर। कश्मीर में प्रतिबंधित संगठन जमात-ए-इस्लामी (जेईआई) के खिलाफ कार्रवाई के तहत पुलिस ने कई जगहों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने बताया कि ये छापेमारी श्रीनगर, अनंतनाग, पुलवामा, शोपियां, कुलगाम, बडगाम और कुपवाड़ा जिलों में की गई। आतंकी तंत्र और उसका समर्थन करने वालों को खत्म करने के प्रयासों के तहत जेईआई सदस्यों और उनके सहयोगियों से जुड़े परिसरों व अन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया।

प. बंगाल में अवैध सुनवाई के दौरान टीएमसी कार्यकर्ता की हत्या

बंगाल। मालदा जिले में कंगारू कोर्ट (अवैध अदालत) में हिंसा हो जाने के बाद बृहस्पतिवार को तृणमूल कांग्रेस के एक कार्यकर्ता की कथित तौर पर हत्या कर दी गई और पांच अन्य घायल हो गए। कालियाचक थाना क्षेत्र के राजनगर में खेत में ट्रैक्टर चलाने को लेकर विवाद को सुलझाने के लिए हो रही कंगारू कोर्ट के दौरान यह घटना हुई। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान इकरामुल शेख (45) के रूप में हुई है। इकरामुल और टीएमसी बूथ अध्यक्ष समसुल शेख के बीच कई दिनों से विवाद था तथा दोनों ने पहले पुलिस से संपर्क किया था, लेकिन उनके परिवारों का दावा है कि कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं की गई।

निर्णायक क्षण था ऑपरेशन सिंदूर की सफलता : मुर्मू

- चाणक्य डिफेंस डायलॉग के तीसरे संस्करण सत्र को राष्ट्रपति ने किया संबोधित

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता देश की आतंकवाद निरोधक और रोकथाम रणनीति के लिए निर्णायक क्षण थी। उन्होंने कहा कि इससे दुनिया ने न सिर्फ भारत की सैन्य क्षमता पर, बल्कि शांति की तलाश में मजबूती से, लेकिन जिम्मेदारी से काम करने की उसकी नैतिक स्पष्टता पर भी ध्यान दिया।

यहां सेना की मेजबानी में आयोजित 'चाणक्य डिफेंस डायलॉग' के तीसरे संस्करण के उद्घाटन सत्र में अपने भाषण में मुर्मू ने इस बात पर जोर दिया कि भारत के 'वसुधैव कुटुम्बकम' के सभ्यतागत लोकाचारों से निर्देशित होकर हमने दिखाया है कि वैश्विक जिम्मेदारी के साथ रणनीतिक स्वायत्तता अस्तित्व में रह सकती है। मुर्मू ने कहा, 'हमारी कूटनीति, हमारी अर्थव्यवस्था और हमारे सशस्त्र बल मिलकर ऐसा भारत प्रस्तुत करते हैं जो शांति चाहता है, लेकिन अपनी सीमाओं और अपने नागरिकों की मजबूती और दृढ़संकल्प के साथ रक्षा करने के लिए तैयार है। राष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों ने भारत की संप्रभुता की रक्षा में पेशेवर तरीके और देशभक्ति की मिसाल पेश की है। मुर्मू ने कहा, हर सुरक्षा चुनौती के दौरान, चाहे वह परंपरागत हो, उग्रवाद रोधी हो या मानवीयता से जुड़ी हो, हमारी सेनाओं ने उल्लेखनीय तरीके से अनुकूलनशीलता और संकल्प प्रदर्शित किया है। मंचासीन सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने भी इस मौके पर संबोधन दिया। राष्ट्रपति मुर्मू ने अपने भाषण में ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख किया, जो मई में पहलगाम हमले के बाद भारत की अहम सैन्य कार्रवाई थी। उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर की हालिया सफलता हमारी आतंकवाद निरोधक और रोकथाम रणनीति में एक अहम मोड़ है।

नेपाल ने 100 रुपये के जारी नए नोट में भारतीय क्षेत्रों को अपना बताया

- भारत ने जताया विरोध, मानचित्र में विवादास्पद कालापानी, लिपुलेख व लिंपियाधुरा क्षेत्र शामिल

काठमांडू, एजेंसी

नेपाल के केंद्रीय बैंक ने गुरुवार को 100 रुपये के नए नोट जारी किए, जिन पर देश का संशोधित मानचित्र छपा है, जिसमें विवादास्पद कालापानी, लिपुलेख और लिंपियाधुरा क्षेत्र भी शामिल हैं। भारत ने इस कदम को कृत्रिम विस्तार करार दिया है।

नेपाल राष्ट्र बैंक (एनआरबी) के नए नोट पर पूर्व गवर्नर महाप्रसाद अधिकारी के हस्ताक्षर हैं। बैंक नोट पर जारी करने की तिथि 2081 बीएस अंकित है, जो गत वर्ष 2024 को दर्शाती है। तत्कालीन प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली के नेतृत्व वाली सरकार के दौरान, नेपाल ने मई 2020 में संसद के अनुमोदन के माध्यम से कालापानी, लिपुलेख और लिंपियाधुरा क्षेत्रों को शामिल करते हुए मानचित्र को अद्यतन किया था। मानचित्र के अद्यतन संस्करण के बारे में स्पष्टीकरण देते हुए, एनआरबी के एक प्रवक्ता ने कहा कि यह मानचित्र पुराने 100 रुपये के बैंक नोट में पहले से ही मौजूद है और सरकार के निर्णय के अनुसार इसे संशोधित किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि 10 रुपये, 50 रुपये, 500 रुपये और 1,000 रुपये जैसे विभिन्न नोटों में से केवल 100 रुपये के बैंक नोट पर ही नेपाल का मानचित्र अंकित है।

भारत का कहना है कि लिपुलेख, कालापानी और लिंपियाधुरा उसके क्षेत्र हैं। नेपाल पांच भारतीय राज्यों - सिक्किम, पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के साथ 1850 किलोमीटर से अधिक लंबी सीमा साझा करता है।

कमजोर प्रवासन नीतियां राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा: ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ने व्हाइट हाउस के पास नेशनल गार्ड के दो कर्मियों पर हुए हमले के बाद की टिप्पणी

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि बुधवार को व्हाइट हाउस के पास नेशनल गार्ड के दो कर्मियों पर हुआ 'जघन्य हमला' यह साबित करता है कि कमजोर प्रवासन नीतियां हमारे राष्ट्र के समक्ष सबसे बड़ा राष्ट्रीय सुरक्षा खतरा हैं। ट्रंप ने कहा कि कोई भी देश अपनी अस्तित्व के लिए ऐसे खतरे को बर्दाश्त नहीं कर सकता। सोशल मीडिया पर जारी एक वीडियो में ट्रंप ने यह बात कही। ट्रंप की यह टिप्पणी इस बात को रेखांकित करती है कि वह देश की आव्रजन प्रणाली में बदलाव लाने और यहां पहले से मौजूद प्रवासियों की जांच-पड़ताल को और सख्त करने का इरादा रखते हैं। अमेरिका में पहले ही आक्रामक निर्वासन कार्रवाइयां

जारी हैं और गोलीबारी की घटना पर उनकी इस कड़ी प्रतिक्रिया से माना जा रहा है कि इस मुद्दे से उनका ध्यान नहीं हटेगा। ट्रंप और दो कानून प्रवर्तन अधिकारियों के अनुसार गोलीबारी का संदिग्ध एक अफगान नागरिक माना जा रहा है। वह 2021 में 'ऑपरेशन अलाइज वेलकम' के तहत अमेरिका पहुंचा था। यह बाइडन प्रशासन का कार्यक्रम था जिसके तहत अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना की वापसी के बाद वहां से निकाले गए हजारों अफगान नागरिकों को यहां बसाया गया था। इस पहल के तहत करीब 76,000 लोग अमेरिका लाए गए।

कहा- हर उस व्यक्ति को हटाना चाहते हैं जो बाहरी

राष्ट्रपति ने कहा कि वह हर उस व्यक्ति को हटाना चाहते हैं 'जो यहां का नहीं है या जो हमारे देश के लिए लाभकारी नहीं है। ट्रंप ने कहा, अगर वे हमारे देश से प्यार नहीं कर सकते, तो हमें उनकी जरूरत नहीं है।

मियामी में 2026 के जी20 शिखर सम्मेलन में दक्षिण अफ्रीका को नहीं किया जाएगा आमंत्रित

न्यूयॉर्क। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका को अगले वर्ष फ्लोरिडा में उनके देश की अध्यक्षता में आयोजित होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने का निमंत्रण नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि दक्षिण अफ्रीका कहीं भी सदस्यता के लिए योग्य नहीं है। अमेरिका ने दक्षिण अफ्रीका से जी-20 की अध्यक्षता ग्रहण की है और वह एक दिसंबर, 2025 से 30 नवंबर, 2026 तक इस समूह का नेतृत्व करेगा। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा, अमेरिका ने दक्षिण अफ्रीका में जी-20 में भाग नहीं लिया क्योंकि दक्षिण अफ्रीकी सरकार अफ्रीकी लोगों और पुर्तगाली, फ्रांसीसी तथा जर्मन प्रवासियों के वंशजों द्वारा झेले गए भयावह मानवाधिकार हनन को स्वीकार करने या उस पर ध्यान देने से इनकार करती है। उन्होंने कहा कि दक्षिण अफ्रीका ने दुनिया को दिखा दिया है कि वे इस योग्य नहीं हैं कि उन्हें कहीं भी सदस्यता दी जाए और हम तुरंत प्रभाव से उन्हें दिए जाने वाले सभी भुगतान और रियायत बंद कर रहे हैं। ट्रंप ने कहा, दक्षिण अफ्रीका ने शिखर सम्मेलन के समाप्त होने पर जी-20 की अध्यक्षता हमारे अमेरिकी दूतावास के एक वरिष्ठ प्रतिनिधि को सौंपने से इनकार कर दिया था। इसलिए मेरे निर्देश पर दक्षिण अफ्रीका को 2026 जी-20 के लिए निमंत्रण नहीं मिलेगा, जिसकी मेजबानी अगले साल फ्लोरिडा के बड़े शहर मियामी में की जाएगी।

वर्ल्ड ब्रीफ

चीन में ट्रेन दुर्घटना में 11 की मौत, दो घायल

बीजिंग। चीन के दक्षिण-पश्चिमी शहर कुनमिंग में बृहस्पतिवार तड़के रेल पटरी पर काम कर रहे कर्मचारी एक ट्रेन की चपेट में आ गए जिससे 11 लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। रेलवे अधिकारियों ने यह जानकारी दी। चीन रेलवे कुनमिंग ग्रुप कंपनी लिमिटेड के अनुसार, यह दुर्घटना युन्नान प्रांत की राजधानी कुनमिंग के लुयांगझेन स्टेशन पर हुई। सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' के अनुसार, दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है और रेलवे स्टेशन पर परिचालन बहाल हो गया है।

बारिश, भूस्खलन से श्रीलंका में 31 की मौत

कोलंबो। श्रीलंका में बीते 11 दिन में मूसलाधार बारिश, बाढ़ और भूस्खलन के कारण 31 लोगों की मौत हो गई जबकि करीब 4,000 लोग प्रभावित हुए हैं। श्रीलंका के आपदा प्रबंधन केंद्र ने बृहस्पतिवार को कहा कि अकेले मध्य पर्वतीय जिलों में 18 लोगों की मौत होने की जानकारी मिली है। डेली मिरर ऑनलाइन की खबर के अनुसार एक भयावह घटना में, कुंबुक्कना में बढ़ते जलस्तर के बीच एक यात्री बस फंस गई, जिसके बाद आपात दलों ने 23 यात्रियों को सफलतापूर्वक बचा लिया।

गिनी बिसाऊ को सैन्य शासक किया घोषित

बिसाऊ। गिनी-बिसाऊ के सैनिकों ने राष्ट्रपति चुनाव के बाद सत्ता पर अपने जबरन कब्जे को मजबूत करते हुए बृहस्पतिवार को देश के नए सैन्य शासक की घोषणा की। सेना के शीर्ष नेतृत्व ने जनरल होर्ता एनटा को सैन्य शासन का प्रमुख घोषित किया।

भारत-इंडोनेशिया मुक्त, शांतिपूर्ण व समृद्ध हिन्द प्रशांत के लिए प्रतिबद्ध

रक्षा मंत्री राजनाथ ने इंडोनेशिया के समकक्ष संग की बैठक, दोनों देशों ने रक्षा संबंधों पर सहमति जताई

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली में इंडोनेशिया के समकक्ष के साथ बैठक करते केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह। एजेंसी

भारत और इंडोनेशिया ने अंतर्राष्ट्रीय कानून और संप्रभुता के अधिकार पर आधारित मुक्त, खुले, शांतिपूर्ण और समृद्ध हिन्द प्रशांत के महत्व को दोहराते हुए इसके लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की है। दोनों देशों ने रक्षा संबंधों को और अधिक मजबूत बनाने पर भी सहमति व्यक्त की है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को यहां इंडोनेशिया के रक्षा मंत्री सजाफरी सजामसोएद्दीन के साथ तीसरे भारत-इंडोनेशिया रक्षा मंत्री संवाद की सह-अध्यक्षता की। बैठक में दोनों देशों ने दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी और द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को और मजबूत करने की पुष्टि की।

रक्षा मंत्रालय ने एक वक्तव्य जारी कर कहा कि दोनों पक्षों ने हिंद-प्रशांत में शांति और सुरक्षा पर रणनीतिक दृष्टिकोण स्पष्ट करते हुए कहा कि भारत और इंडोनेशिया ऐसे मुक्त, खुले, शांतिपूर्ण, स्थिर और समृद्ध हिंद-प्रशांत के पक्षधर हैं जो अंतर्राष्ट्रीय कानून और संप्रभुता के सम्मान पर आधारित हो। इंडोनेशिया ने 'हिन्द प्रशांत पर आसियान के दृष्टिकोण' और भारत के 'हिन्द प्रशांत महासागर पहल' के साझा सिद्धांतों का उल्लेख करते हुए क्षेत्र में शांति और सहयोग को बढ़ावा देने में भारत को एक प्रमुख भागीदार बताया। दोनों पक्षों ने 'इंडियन ओसियन रिम एसोसिएशन' सहित बहुपक्षीय ढांचों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की। दोनों देशों ने समुद्री क्षेत्र जागरूकता, साइबर और संयुक्त संचालन तैयारी में व्यवहारिक सहयोग बढ़ाने का संकल्प जताया। दोनों देशों ने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग की मजबूत नींव, रक्षा सहयोग समझौता और संयुक्त रक्षा सहयोग समिति के प्रति वचनबद्धता को दोहराया। इंडोनेशिया ने रक्षा उद्योग सहयोग समिति बनाने के भारत के प्रस्ताव का स्वागत किया, जिसका उद्देश्य तकनीक हस्तांतरण, संयुक्त अनुसंधान एवं विकास, समन्वयन और आपूर्ति श्रृंखला संबंधों को मजबूत करना है। उन्होंने सुपर गरुड़ शील्ड, गरुड़ शक्ति, समुद्र शक्ति, मिलन और एयर मैन्यूवर जैसे अभ्यासों की सराहना की।

दोनों देशों ने समुद्री सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई

दोनों पक्षों ने अधिकारी आदान-प्रदान, संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रमों और रक्षा शिक्षा संस्थानों के दौरे जारी रखने पर भी सहमति व्यक्त की। दोनों देशों ने हिंद महासागर में समन्वय सहित समुद्री सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने फिलिस्तीन में न्यायपूर्ण और स्थायी शांति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और मानवीय सहायता, संघर्षोत्तर पुनर्निर्माण और बहुपक्षीय शांति प्रयासों में सहयोग की संभावनाओं पर विचार किया। इंडोनेशिया ने संयुक्त राष्ट्र के कानूनों के तहत गाजा में शांति सैनिक भेजने की अपनी तत्परता व्यक्त की। भारत ने सेना की रिमाउंट वेटरनरी कोर द्वारा इंडोनेशिया को घोड़े और एक पारंपरिक बग्गी भी भेंट करने की घोषणा की। दोनों मंत्रियों ने कहा कि उनके बीच उच्च स्तरीय संवाद से हिंद-प्रशांत क्षेत्र की शांति, स्थिरता और समृद्धि में योगदान मिलेगा।

भ्रष्टाचार के 3 मामलों में हसीना को 21 साल सजा

ढाका, एजेंसी

- बांग्लादेश की एक अदालत ने भूमि आवंटन में गड़बड़ी से जुड़े मामले में सुनाई सजा
- हसीना के बेटे जॉय और बेटी साइमा को भी पांच-पांच साल कैद की सजा

बांग्लादेश की एक अदालत ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को एक सरकारी आवास परियोजना के लिए भूमि आवंटन में अनियमितताओं से जुड़े भ्रष्टाचार के तीन मामलों में गुरुवार को 21 साल की जेल की सजा सुनाई। ढाका विशेष न्यायाधीश न्यायालय-5 के न्यायाधीश मोहम्मद अब्दुल्ला अल मामून ने हसीना (78) को पूर्वांचल स्थित राजुक न्यू टाउन परियोजना में भ्रष्टाचार के तीन मामलों में सात-सात साल की सजा सुनाई। न्यायाधीश ने कहा कि हसीना को ये सजाएं एक के बाद एक काटनी होंगी और कुल सजा 21 साल की होगी। न्यायाधीश ने हसीना पर प्रत्येक मामले में एक लाख टका का जुर्माना भी लगाया और राशि जमा न करने पर 18 महीने अतिरिक्त जेल में रहने की सजा सुनाई। न्यायाधीश मामून ने हसीना के बेटे साजिब वाजेद जॉय और बेटी साइमा वाजेद पुतुल को भी राजधानी के पास स्थित आवासीय परियोजना में उनके खिलाफ दर्ज मामलों में पांच-पांच साल कैद की सजा सुनाई। जॉय और पुतुल पर एक-एक लाख टका का जुर्माना लगाया गया और इसका भुगतान न करने पर एक महीने अतिरिक्त जेल की सजा सुनाई गई। न्यायाधीश ने अपने फैसले में कहा, भूखंड शेख हसीना को बिना किसी आवेदन के और गैरकानूनी तरीके से आवंटित किया गया था। दस दिन पहले एक विशेष न्यायाधिकरण ने पिछले वर्ष छात्रों के नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शनों पर हसीना सरकार की क्रूर कार्रवाई को लेकर 'मानवता के विरुद्ध अपराध' के लिए पूर्व प्रधानमंत्री की अनुपस्थिति में उन्हें मौत की सजा सुनाई थी। हसीना ने आरोपों को पक्षपातपूर्ण और राजनीति से प्रेरित बताया था। हसीना पिछले साल हुए विरोध प्रदर्शनों के चलते अपनी पार्टी की सरकार गिरने के बाद अगस्त में भारत चली गई थीं।

वहीं, भारत ने कहा था कि वह हसीना के प्रत्यर्पण के अंतरिम सरकार के अनुरोध पर गौर कर रहा है। वह बांग्लादेश के लोगों के सर्वोत्तम हितों को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

19 अन्य को भी सुनाई सजा

हसीना परिवार के अलावा, पूर्व आवास राज्य मंत्री शरीफ अहमद तथा आवास मंत्रालय और राजधानी उन्नयन कर्तीपक्का के अधिकारियों सहित कुल 20 अन्य लोगों के खिलाफ भी मुकदमा चलाया गया। इनमें से एक को छोड़कर सभी को विभिन्न अवधि के कारावास की सजा सुनाई गई। इस मामले में मंत्रालय के एक कनिष्ठ अधिकारी को बरी किया गया। केवल एक आरोपी ने अदालत में व्यक्तिगत रूप से मुकदमे का सामना किया और उसे तीन वर्ष की सजा सुनाई गई।

हांगकांग: इमारत में आग से मरने वालों की संख्या 65 हुई

हांगकांग, एजेंसी

- 279 अब भी लापता, शहर के आधुनिक इतिहास की सबसे भयावह घटनाओं में से एक

हांगकांग के एक बहुमंजिला आवासीय परिसर में लगी भीषण आग में मरने वालों की संख्या बढ़कर 65 हो गई है। दमकलकर्मी दूसरे दिन भी बहुमंजिला आवासीय परिसर लगी आग को बुझाने में जुटे रहे। इस अग्निकांड को शहर के आधुनिक इतिहास की सबसे भयानक आग की घटनाओं में से एक बताया जा रहा है।

ताई पो जिले में हांगकांग की सीमा से सटे उत्तरी उपनगर में स्थित वांग फुक कोर्ट परिसर के कुछ फ्लैट से गुरुवार शाम तक घना धुआं उठता देखा गया। इमारतों के अंदर आग की लपटें भी दिखाई दे रही थीं। इस परिसर में कई बहुमंजिला इमारतें हैं जहां हजारों लोग रहते हैं। हांगकांग के नेता जॉन ली ने बताया कि गुरुवार सुबह तक 279 लोगों के लापता होने की सूचना थी। कुछ इमारतों में बचाव कार्य जारी है, लेकिन संवाददाता सम्मेलन में अधिकारियों ने यह नहीं बताया कि कितने लोग अभी भी लापता हैं या कितने अंदर फंसे हुए हैं। दमकलकर्मी बुधवार दोपहर से ही आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे हैं। आग सबसे पहले बांस की मचान और निर्माण जालियों में लगी जिसके बाद परिसर की आठ में से सात इमारतों में तेजी से फैल गई। चार इमारतों में आग लगभग बुझाई जा चुकी है।

शंघाई में भारतीय राजदूत ने चीनी प्रोफेसर के साथ की बैठक

बीजिंग। शंघाई में भारतीय राजदूत प्रतीक माथुर ने संस्कृत, पाली और भारतीय संस्कृति में विशेषज्ञता रखने वाले चीनी शिक्षाविदों से मुलाकात की तथा सहयोग के अवसरों पर चर्चा की। वाणिज्य दूतावास ने बताया कि माथुर ने बीजिंग फॉरेन स्टडीज विवि में संस्कृत और पाली के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. झोउ लीकुन तथा नरसिंह वर्कशॉप के संस्थापक ली हांसी के साथ बैठक की। बैठक में संस्कृत अध्ययन, बौद्ध साहित्य और नवीन सांस्कृतिक परियोजनाओं को बढ़ावा देने में सहयोग के अवसरों पर चर्चा हुई। डॉ. झोउ ने भारतीय खगोल विज्ञान, कैलेंडर और साहित्य पर अपने शोध से प्राप्त अंतर्दृष्टि साझा की।

रूस से भ्रामक झंडों वाले 30 जहाजों के जरिये भारत को 2.1 अरब यूरो का तेल हुआ निर्यात

नई दिल्ली, एजेंसी

- यूरोपीय शोध संस्थान सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयरने दी जानकारी

भारत ने वर्ष 2025 के पहले नौ महीनों में रूस से 54 लाख टन कच्चे तेल का आयात किया, जिसका मूल्य 2.1 अरब यूरो रहा। यह तेल पहचान छुपाने के मकसद से भ्रामक झंडों के तहत संचालित 30 जहाजों के जरिये भेजा गया था। यूरोपीय शोध संस्थान 'सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर' (सीआरईए) ने बृहस्पतिवार को अपनी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी।

भ्रामक झंडे का मतलब है कि जहाज अपने असली देश का झंडा न लगाकर किसी दूसरे देश का झंडा लगाकर चलता है, ताकि उसकी पहचान एवं स्वामित्व का पता न चल सके। रिपोर्ट के मुताबिक, रूस का लगातार बढ़ता हुआ 'छद्म जहाजी बेड़ा' अब उसके तेल निर्यात का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। हेलसिंकी स्थित सीआरईए ने कहा कि जनवरी-सितंबर, 2025 के दौरान 113 रूसी जहाजों ने इन गलत झंडों का इस्तेमाल किया।

सितंबर में 90 रूसी छद्म जहाज नकली झंडों के तहत हुए संचालित

सितंबर 2025 के अंत में 90 रूसी छद्म जहाज नकली झंडों के तहत संचालित हो रहे थे। यह संख्या दिसंबर 2024 के मुकाबले छह गुना है। सीआरईए ने कच्चा तेल लेकर भारत आने वाले जहाजों की संख्या के बारे में पूछे जाने पर कहा कि इनमें से 30 जहाज भारत तेल लेकर आए। भारत को 2.1 अरब यूरो मूल्य का तेल भेजा गया, जो इस श्रेणी में सबसे बड़ा आयात है। फरवरी, 2022 में यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद रूस पर लगे प्रतिबंधों और यूरोपीय मांग कम होने से भारतीय कंपनियों को तेल काफी रियायती दरों पर मिलने लगा।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 28 नवंबर, शुक्रवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, अष्टमी 29 नवंबर 00.15 तक तत्पश्चात नवमी।

आज का पंचांग

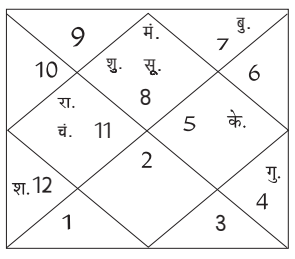

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, कन्या, धनु, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, कृतिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- शतभिषा 29 नवंबर 02.49 तक तत्पश्चात पूर्व भाद्रपद।

मेष - आज धर्म-कर्म के प्रति आपकी आस्था बढ़ेगी। परिजनों का भरपूर सहयोग मिलेगा। दांपत्य संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। कार्यक्षेत्र में आप महत्वपूर्ण मीटिंग में सम्मिलित हो सकते हैं। रचनात्मक कार्यों में आप रुचि लेंगे।

वृष - आज कारोबार में अपेक्षा से अधिक धन लाभ मिलेगा। आय के नए स्रोत विकसित होंगे। युवा जातक अपने करियर को लेकर अत्यंत सक्रिय रहेंगे। आपकी आर्थिक स्थिति बहुत ही अच्छी रहेगी। परिवार में सुख-शांति का वातावरण रहेगा।

मिथुन - आज बड़े बुजुर्ग लोगों की सलाह आपके लिए अत्यंत शुभ रहेगी। नई उपलब्धियां मिलने से आप उत्साहित रहेंगे। जीवनसाथी को कार्यक्षेत्र में उत्तम परिणाम मिलेंगे। आपके काम की गुणवत्ता में वृद्धि होगी। घर में मांगलिक कार्यक्रम हो सकते हैं।

कर्क - आज आपके काम समय पर पूरे न होने से नुकसान होगा। रुका हुआ धन आपको वापस मिलने में परेशानी होगी। नया कार्य आरंभ करने में जल्दबाजी न करें। मन में नकारात्मक विचार उत्पन्न होंगे। बच्चे पढ़ाई को लेकर लापरवाही कर सकते हैं।

सिंह - आज विदेश में रहने वाले लोगों को अच्छी जॉब मिल सकती है। सरकारी कार्यों में आपको सफलता मिलने की संभावना है। दांपत्य संबंधों के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। रिश्तेदारों के माध्यम से आपको धन लाभ हो सकता है।

कन्या - आज काम की अधिकता के बावजूद आप परिवार को समय देंगे। उन्नति के अवसर प्राप्त होंगे। रचनात्मक कार्यों में मन लगेगा। आपका स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। घर की मरम्मत की योजना बना सकते हैं। आपकी प्रतिभा की कार्यक्षेत्र में प्रशंसा होगी।

तुला - आज पैतृक धन-संपदा में वृद्धि होगी। धर्म-कर्म में आपका विश्वास बढ़ेगा। कानूनी मामलों में आपको विजय मिलने की संभावना है। आपकी आर्थिक स्थिति बहुत ही अच्छी रहेगी। संतान की उन्नति से आपका मन प्रसन्न होगा।

वृश्चिक - आज अपना व्यवहार किसी के प्रति खराब न करें। अपनी कार्यक्षमता पर विश्वास रखें। माता की सेहत को लेकर चिंता हो सकती है। आपको अपने क्रोध पर नियंत्रण रखना चाहिए। छात्र पढ़ाई को लेकर थोड़ी लापरवाही कर सकते हैं।

धनु - आज जॉब कर रहे लोगों को उच्च पद प्राप्त होगा। आपकी कोई महत्वाकांक्षा पूर्ण हो सकती है। आप काफी मेहनत करेंगे। धार्मिक विषयों पर आप विशेष रुचि लेंगे। आप अपने काम को लेकर समर्पित रहेंगे। ऑनलाइन शॉपिंग में धन खर्च कर सकते हैं।

मकर - आज खर्चीली वृत्ति के कारण आपकी बचत पर बुरा असर पड़ेगा। मित्रों के साथ छोटी सी बात पर झगड़ा हो सकता है। पारिवारिक सदस्यों के साथ पर्यटन की योजना बनाएंगे। रिश्तेदारों के ऊपर आपको धन खर्च करना पड़ सकता है।

कुंभ - आज नौकरीपेशा लोगों को यात्रा करनी पड़ेगी। मनोरंजन में आप काफी समय बिताएंगे। समाज में आपका सम्मान बढ़ेगा। पैतृक संपत्ति को लेकर विवाद कम होंगे। रुकी हुई धनराशि आपको वापस मिल सकती है। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी।

मीन - आज बेरोजगारों के ऊपर परिवार का दबाव बढ़ेगा। अति-आत्मविश्वास के कारण आप परिस्थितियों का आकलन करने में चूक कर सकते हैं। सरकारी जॉब करने वाले लोगों को परेशानी होगी। सहकर्मी आपको नीचा दिखाने का प्रयास करेंगे।

सुडोकू -174

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

			2					
							5	
3								
		7		3				
				1				
					5			
								4
	2				8			

सुडोकू - 173 का हल

1	2	3	9	8	7	6	4	5
8	6	7	4	5	1	3	2	9
5	9	4	6	3	2	1	7	8
2	3	5	8	1	4	7	9	6
9	8	6	3	7	5	2	1	4
4	7	1	2	9	6	5	8	3
7	1	8	5	6	9	4	3	2
6	4	9	1	2	3	8	5	7
3	5	2	7	4	8	9	6	1

मुख्य कोच केवल टीम को तैयार कर सकता है । कोच टीम को तैयार कर सकता है और वह अपने अनुभव से खिलाड़ियों को बता सकता है । लेकिन मैदान में जाकर प्रदर्शन करना खिलाड़ियों का ही काम है ।
– सुनील गावस्कर

स्टेडियम

कानपुर, शुक्रवार, 28 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में भारतीय महिला बधिर क्रिकेट टीम की सदस्यों को मिठाई खिलाई, जिन्होंने हाल ही में पहला टी-20 वर्ल्ड कप जीता था। एजेंसी

गृहमंत्री ने बधिर टीम को बधाई दी

नई दिल्ली : गृहमंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को भारतीय टीम को तोक्यो में 25वें ग्रीष्मकालीन बधिर ओलंपिक 2025 में नौ स्वर्ण समेत 20 पदक जीतने पर बधाई दी है । शाह ने एक्स पर लिखा हमारे बधिर ओलंपियनों का शानदार प्रदर्शन। भारतीय टीम को तोक्यो में 25वें ग्रीष्मकालीन बधिर ओलंपिक 2025 में नौ स्वर्ण, सात रजत और चार कांस्य समेत 20 पदक जीतने पर बधाई। उन्होंने लिखा आपकी अप्रतिम सफलता से हमारे खिलाड़ियों में नये उत्साह का संचार होगा। भविष्य के लिये मेरी शुभकामनायें।

भव्या ने तैराकी में जीता सातवां स्वर्ण पदक

जयपुर : जैन यूनिवर्सिटी की भव्या सचदेवा ने बृहस्पतिवार को यहां खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी खेलों (केआईयूजी) में व्यक्तिगत तैराकी स्पर्धाओं में दो स्वर्ण पदक जीतने के बाद महिलाओं की चार गुणा 100 मीटर मेडले रिले में एक और सोने का तमगा जीता जिससे उनके कुल पदकों की संख्या सात हो गई। भव्या ने पहले दो दिनों में एक व्यक्तिगत व एक रिले स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने सवाई मानसिंह स्टेडियम में महिलाओं के 800 मी फ्रीस्टाइल वर्ग में 9 :37 .41 सेकेंड के समय से स्वर्ण जीतने की शुरुआत की।

घरेलू स्तर के सीनियर खिलाड़ियों को टेस्ट टीम में मिल सकती है जगह

दक्षिण अफ्रीका से दोनों मैचों में करारी हार के बाद चल रहा मंथन, तीसरे नंबर की बल्लेबाजी पर सबसे ज्यादा चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला में दोनों मैच में करारी पराजय झेलने के बाद घरेलू स्तर के कुछ विशेषज्ञ खिलाड़ियों को भारतीय टेस्ट टीम में जगह मिल सकती है क्योंकि अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति बल्लेबाजी क्रम में तीसरे नंबर जैसे महत्वपूर्ण स्थान के प्रति अपने रवैये में बदलाव करने के लिए तैयार है। पिछले तीन दशक में राहुल द्रविड़ और चेतेश्वर पुजारा जैसे बल्लेबाजों ने नंबर तीन पर अपनी भूमिका बखूबी निभाई थी लेकिन अब यह स्थान दांव पर लगा है।

करुण नायर इंग्लैंड में चार टेस्ट मैच खेलने के बावजूद प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे जबकि बी साई सुदर्शन ने 11 पारियों में 27 की औसत से यह दिखा दिया है कि वह अभी भी प्रगति की राह पर हैं। सुदर्शन के साथ तकनीक से जुड़ी कुछ समस्याएं हैं विशेष कर उपमहाद्वीप की पिचों पर स्पिन गेंदबाजों के सामने उनकी कमजोरी खुलकर उजागर हो गई है। उन्हें टेस्ट मैचों के लिए तैयार होने के लिए घरेलू क्रिकेट और भारत ए के साथ समय बिताने की जरूरत है। टेस्ट क्रिकेट ऐसी जगह नहीं है जहां प्राथमिक स्तर की छोटी-छोटी गलतियों को सुधारा जाए और यह खिलाड़ी लगातार गलतियों को दोहरा रहे हैं जिसके कारण बदलाव जरूरी हो गया है।

इस बात की प्रबल संभावना है कि चयन समिति अब बल्लेबाजी को मजबूत करने के लिए घरेलू स्तर के कुछ सीनियर खिलाड़ियों के नाम पर गंभीरता से विचार करेगी। सरफराज खान और अभिमन्यु ईश्वरन के लिए दरवाजे लगभग बंद हो चुके हैं, लेकिन घरेलू क्रिकेट में अनुभवी तीन खिलाड़ी रुतुराज गायकवाड़, रजत पाटीदार और रिंकू सिंह टीम प्रबंधन का ध्यान अपनी तरफ खींच सकते हैं। लाल गेंद के नए खिलाड़ियों में स्मरण रविचंद्रन (प्रथम श्रेणी औसत 78) और यश राठौड़ (पिछले रणजी सत्र में 960 रन) ने मध्यक्रम में अच्छा प्रदर्शन किया है।

पीटीआई ने इसके बारे में जानकारी रखने वाले एक पूर्व चयनकर्ता से जब इस बारे में पूछा तो उन्होंने कहा लोग अभिमन्यु और सरफराज को नहीं चुनने के लिए अजीत और उनकी समिति को दोषी ठहरा सकते हैं, लेकिन क्या मुख्य कोच (गौतम गंभीर) और नए कप्तान (शुभमन गिल) को उनकी क्षमता पर भरोसा है। अगर नहीं, तो अकेले अजीत क्या करेंगे। लेकिन संभवतः अब समय आ गया है कि एक बार फिर से रणनीति बनाई जाए और ऑलराउंडरों के बजाय विशेषज्ञ खिलाड़ियों पर भरोसा किया जाए। उन्होंने कहा 'एक बात स्पष्ट कर दूं कि कपिल देव अंतिम विश्वस्तरीय ऑलराउंडर थे और टेस्ट स्तर पर अंतिम सक्षम ऑलराउंडर मनोज प्रभाकर थे जो बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में आगाज कर सकते थे। जहां तक हार्दिक पांड्या का सवाल है तो उनका शरीर उन्हें टेस्ट क्रिकेट में खेलने की अनुमति नहीं दे रहा है। उन्होंने कहा लेकिन नितीश रेड्डी टुकड़ों में खेलने वाले खिलाड़ी हैं। वह ज़्यादा से ज़्यादा टी20 खेल सकते हैं, वनडे नहीं और गौतम को यह बात समझने की ज़रूरत है। रेड्डी का 10 टेस्ट मैचों में बल्लेबाजी औसत 26 है, जो मुख्य रूप से ऑस्ट्रेलिया में लगाए गए शतक के कारण है। उन्होंने 15 पारियों में केवल 86 ओवर गेंदबाजी की है, जो औसतन छह ओवर प्रति पारी भी नहीं है। वर्तमान में भारत को नंबर तीन पर एक मजबूत बल्लेबाज की जरूरत है। इसके अलावा उसे नंबर पांच पर भी एक अच्छे रिजर्व बल्लेबाज की जरूरत है। जहां तक नंबर तीन का सवाल है तो रुतुराज गायकवाड इस स्थान के लिए अच्छे विकल्प हो सकते हैं। उन्होंने अभी तक 43 प्रथम श्रेणी मैच में 45 से अधिक की औसत से रन बनाए हैं। वह इस सत्र में पहले ही दो शतक और रणजी ट्रॉफी में 90 से अधिक की औसत से रन बना चुके हैं। वह तीसरे स्थान के लिए सही मानसिकता वाले खिलाड़ी नजर आते हैं। दूसरा नाम रजत पाटीदार का है, जिनका टेस्ट मैचों में पहला प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उनका औसत भी 45 से अधिक है और वह भारतीय मध्य क्रम को मजबूती प्रदान कर सकते हैं। एक और खिलाड़ी रिंकू सिंह है जिन्होंने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में लगभग 60 की औसत से रन बनाए हैं। दक्षिण अफ्रीका से हारने के बाद भारतीय टेस्ट टीम में काफी बदलाव की संभावना है और यह देखना दिलचस्प होगा की टीम प्रबंधन किन खिलाड़ियों पर अपना भरोसा जताता है।

पंत ने दक्षिण अफ्रीका से हार के लिए माफी मांगी

नई दिल्ली। भारतीय टेस्ट टीम के उपकप्तान ऋषभ पंत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खिलाड़ियों के खराब प्रदर्शन के लिए माफी मांगी और वादा किया कि टीम मजबूत वापसी के लिए फिर से संगठित होगी, अपना ध्यान केंद्रित करेगी और खुद को फिर से व्यवस्थित करेगी। भारत को मंगलवार को गुवाहाटी में दूसरे टेस्ट के साथ समाप्त हुई सीरीज में 0-2 से हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में पंत ने भारतीय टीम की अगुवाई की क्योंकि नियमित कप्तान शुभमन गिल गर्दन की चोट के कारण इस मैच में नहीं खेल पाए थे। भारत यह मैच रिकॉर्ड 408 रन से हार गया था जिससे उसकी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने की संभावना को भी करारा झटका लगा है। पंत को इस सीरीज के दौरान शॉट चयन में लापरवाही बरतने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा था। पंत ने एक्स पर अपनी एक पोस्ट में कहा इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि पिछले दो सप्ताह में हमने अच्छी क्रिकेट नहीं खेली। एक टीम और व्यक्तिगत खिलाड़ी के रूप में हम हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहते हैं और करोड़ों भारतीयों के चेहरे पर मुस्कान लाना चाहते हैं। उन्होंने कहा माफी चाहता हूं कि हम इस बार उम्मीदों पर खरे नहीं उतर सके, लेकिन खेल आपको एक टीम और खिलाड़ी के तौर पर सीख देता है, परिस्थितियों से सामंजस्य से बिठाना और आगे बढ़ना सिखाता है। हम जानते हैं कि यह टीम क्या करने में सक्षम है। हम एक टीम और एक खिलाड़ी के रूप में मजबूत और बेहतर वापसी करने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे, फिर से संगठित होंगे, फिर से ध्यान केंद्रित करेंगे और फिर से तैयार होंगे। पंत ने कहा कि भारत का प्रतिनिधित्व करना खिलाड़ियों के जीवन का सबसे बड़ा सम्मान है। भारत को अब अगले साल तक कोई टेस्ट मैच नहीं खेलना है।

गंभीर के बचाव में उतरे अश्विन, कहा- कोच क्या कर सकता है?

नई दिल्ली : पूर्व ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में 0-2 से मिली हार के बाद आलोचनाओं से घिरे भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर का बचाव करते हुए कहा कि ऐसे समय में उन्हें बर्खास्त करने की मांग करना सही नहीं है, जब खिलाड़ियों ने पर्याप्त जिम्मेदारी नहीं उठाई है। भारत को मंगलवार को गुवाहाटी में समाप्त हुए दूसरे टेस्ट मैच में रिकॉर्ड 408 रन से हार का सामना करना पड़ा। गंभीर की आलोचना टीम में अधिक से अधिक ऑलराउंडर को शामिल करने को लेकर हो रही है जिससे टीम का संतुलन प्रभावित हो रहा है। अश्विन ने हालांकि इस पूर्व सलामी बल्लेबाज का समर्थन करते हुए कहा कि उन्हें हटाया नहीं जाना चाहिए। गंभीर का कार्यकाल 2027 तक है। अश्विन ने अपने यूट्यूब कार्यक्रम 'ऐश की बात' में कहा हम ऐसा क्यों कर रहे हैं। यह एक खेल है। टीम का प्रबंधन करना इतना आसान नहीं होता है और उन्हें भी इस परिणाम से निराशा है। हमें यह समझना होगा। किसी को बर्खास्त करना अच्छा लग सकता है, लेकिन ऐसा नहीं होना चाहिए।

रांची के जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच एकदिवसीय सीरीज़ से पहले मैच के लिए अभ्यास करते विराट कोहली। एजेंसी

श्रीकांत और उन्नति अंतिम आठ में

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप

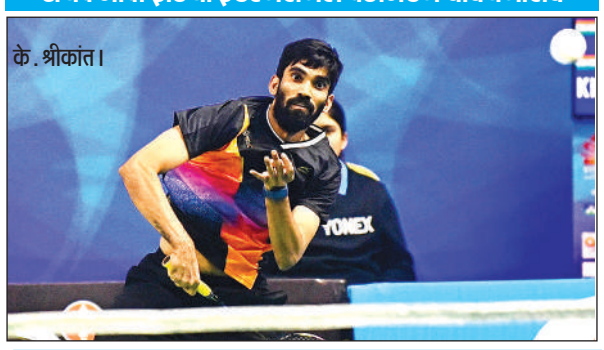

के. श्रीकांत।

- तन्वी शर्मा और मनराज सिंह ने किया बड़ा उलटफेर
- प्रियांशु ने भी क्वार्टर फाइनल में स्थान पक्का किया

अमृत विचार : सैयद मोदी बैडमिंटन चैंपियनशिप में गुरुवार भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। पूर्व चैंपियन के. श्रीकांत, प्रियांशु राजावत और शीर्ष वरीय उन्नति हुड्डा जहां क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए वहीं तन्वी शर्मा और मनराज सिंह ने बड़ा उलटफेर कर दिया। तन्वी ने जापान की नोजोमी ओकुहारा और मनराज ने हमवतन एचएस प्रणय पराजित कर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया।

पांचवीं वरीयता प्राप्त के. श्रीकांत ने प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले में हमवतन सनीथ दयानंद को एकतरफा मुकाबले में 21-6, 21-16 से हराया। 2016 के चैंपियन श्रीकांत ने नेट पर बेहतरीन नियंत्रण और आक्रामक खेल दिखाया। क्वार्टर फाइनल में उनका मुकाबला प्रियांशु राजावत से होगा। प्रियांशु ने कड़े संघर्ष में बीएम राहुल भारद्वाज को 21-16, 10-21, 21-12 से मात दी। दिन का सबसे बड़ा उलटफेर उभरते भारतीय खिलाड़ी मनराज सिंह ने किया। युगांडा इंटरनेशनल चैलेंज के विजेता मनराज ने तीसरी वरीयता प्राप्त 2023 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता एचएस प्रणय को 21-15, 21-18 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया।

इसी तरह भारतीय युवा स्टार तन्वी शर्मा ने रोमांचक मुकाबले में 2023 की चैंपियन दूसरी वरीयता प्राप्त जापान की नोजोमी ओकुहारा को 13-21, 21-16, 21-19 से शिकस्त दी। जूनियर विश्व चैंपियनशिप 2025 और यूएस ओपन की उपविजेता तन्वी ने आक्रामक सर्विस और सटीक शॉट्स से ओकुहारा को लगातार दबाव में रखा। शीर्ष वरीय भारतीय खिलाड़ी उन्नति हुड्डा ने भारत की तस्नीम मीर को आसानी से 21-15, 21-10 से हराकर अंतिम आठ में जगह पक्की की। हांगकांग की लो सिन यान हैप्पी ने भारत की अनुपमा उपाध्याय को हराया।

उन्नति हुड्डा। अमृत विचार

नवी मुंबई व वडोदरा में नौ जनवरी से आयोजित होगा डब्ल्यूपीएल

नई दिल्ली : महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) का चौथा चरण नौ जनवरी से नवी मुंबई और वडोदरा में आयोजित किया जाएगा। आमतौर पर फरवरी-मार्च की विंडो में होने वाली इस लीग को सात फरवरी से शुरू होने वाले पुरुषों के टी-20 विश्व कप के कारण इस साल आगे बढ़ा दिया गया है। डब्ल्यूपीएल अध्यक्ष जयेश जॉर्ज ने यहां नीलामी के पहले भाषण में घोषणा की आगामी डब्ल्यूपीएल नवी मुंबई में खेली जाएगी और फाइनल वडोदरा में आयोजित होगा। लीग एक बार फिर कारवां मॉडल में खेली जाएगी। टूर्नामेंट का पहला चरण डी वाई पाटिल स्टेडियम में होगा जहां इस महीने की शुरुआत में भारत ने महिला वनडे विश्व कप जीता था। उसके बाद मुकाबले वडोदरा में होंगे और पांच फरवरी को फाइनल खेला जाएगा। डब्ल्यूपीएल के अभी तक तीन चरण खेले गए हैं जिसमें मुंबई इंडियंस मौजूदा चैंपियन है।

दीप्ति तीन करोड़ 20 लाख रुपये में यूपी वारियर्स में लौटीं

नई दिल्ली, एजेंसी

डब्ल्यूपीएल नीलामी

- चरणी, एमेलिया केर और लैनिंग को भी अच्छे दाम मिले

भारत की स्टार हरफनमौला दीप्ति शर्मा बृहस्पतिवार को महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) की नीलामी में सबसे महंगी खिलाड़ी बनी जबकि वनडे विश्व कप स्टार श्री चरणी और लौरा वोल्वार्ट को भी अच्छे दाम मिले।

यूपी वारियर्स ने 'राइट टू मैच' कार्ड का इस्तेमाल करके तीन करोड़ 20 लाख रुपये में खरीदा। अब वह डब्ल्यूपीएल के इतिहास में स्मृति मंधाना के बाद सबसे महंगी भारतीय खिलाड़ी हैं। मंधाना को उनसे 20 लाख रूपये अधिक मिले थे। यूपी वारियर्स के क्रिकेट संचालन निदेशक क्षेमल वैंगनकर ने कहा हमें इसी के आसपास बोली लगने की उम्मीद थी। इसमे कोई शक नहीं था कि हम दीप्ति को वापिस चाहते थे। मुंबई इंडियंस ने पिछले साल संयुक्त रूप से सर्वाधिक विकेट लेने वाली न्यूजीलैंड की हरफनमौला एमेलिया केर को तीन करोड़ रूपये में खरीदा। केर 2023 और 2025 में खिताब जीतने वाली मुंबई टीम का हिस्सा थी। यूपी वारियर्स ने अनुभवी हरफनमौला शिखा पांडे को दो करोड़ 40 लाख रूपये में खरीदा जिन्होंने आखिरी बार भारत के लिये 2023 में खेला था। विश्व कप में भारत की खिताबी जीत की सूत्रधारों में रही लेग स्पिनर श्री चरणी को दिल्ली कैपिटल्स ने 30 लाख रूपये के उनके बेसप्राइज से कई गुना अधिक एक करोड़ 30 लाख रूपये में खरीदा। विश्व कप उपविजेता दक्षिण अफ्रीका की सलामी बल्लेबाज लौरा वोल्वार्ट को दिल्ली कैपिटल्स ने एक करोड़ 10 लाख रूपये में खरीदा। दिल्ली ने वेस्टइंडीज की बल्लेबाज चिनेले हेनरी को एक करोड़ 30 लाख रूपये में और भारतीय हरफनमौला स्नेह राणा को 50 लाख रूपये में खरीदा। आस्ट्रेलिया की मेग लैनिंग को यूपी वारियर्स ने एक करोड़ 90 लाख रूपये में खरीदा जबकि गुजरात टाइटंस ने न्यूजीलैंड की सोफी डेवाइन को गुजरात टाइटंस ने दो करोड़ रूपये में खरीदा । वारियर्स के पास नीलामी के लिये 14 करोड़ 50 लाख रूपये का पर्स था। उन्होंने एक बार फिर 'राइट टू मैच' कार्ड का इस्तेमाल करके इंग्लैंड की स्पिनर सोफी एक्सेलेटन को 85 लाख और तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ को 50 लाख में खरीदा।

एमबाप्पे के चार गोल से रियल मैड्रिड जीता

पेरिस, एजेंसी

चैंपियंस लीग

काइलियन एमबाप्पे ने अपने जादुई खेल का शानदार नजारा पेश करते हुए चैंपियंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट में दूसरी सबसे तेज हैट्रिक सहित चार गोल दागकर अपनी टीम रियाल मैड्रिड को जीत दिलाई। जबकि पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) और आर्सेनल भी जीत हासिल करने में सफल रहे।

एमबाप्पे ने रियल मैड्रिड की ओलंपियाकोस पर 4-3 की जीत में 22वें और 29वें मिनट के बीच तीन गोल किए। उन्होंने 60वें मिनट में अपना चौथा गोल किया। एमबाप्पे ने छह मिनट 42 सेकंड के अंतराल में तीन गोल किए लेकिन वह मामूली अंतर से चैंपियंस लीग की सबसे तेज हैट्रिक बनाने से चूक गए। रिकॉर्ड लिवरपूल के मोहम्मद सलाह के नाम है जिन्होंने अक्टूबर 2022 में रेंजर्स के खिलाफ छह मिनट 12 सेकंड में तीन गोल किए थे। एमबाप्पे की मौजूदा सत्र में चैंपियंस लीग में यह दूसरी हैट्रिक है।

वह वर्तमान सत्र में इस प्रतियोगिता में नौ गोल कर चुके हैं जो सर्वाधिक हैं। आर्सेनल ने बायर्न म्यूनिख को 3-1 से हराकर तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। मौजूदा चैंपियन पेरिस सेंट जर्मेन ने विटिना की हैट्रिक की मदद से टॉटेनहैम को 5-3 से हराया लेकिन लिवरपूल को एनफील्ड में पीएसवी आइंडहोवन के हाथों 4-1 से हार का सामना करना पड़ा। इंटर मिलान को भी एटलेटिको मैड्रिड के हाथों 2-1 से हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद केवल आर्सेनल ऐसी टीम रह गई है जिसने चैंपियंस लीग में अभी तक अपने सभी पांच मैच जीते हैं।

डब्ल्यूबीबीएल के बचे सत्र में नहीं खेलेंगी जेमिमा

ब्रिसबेन । भारत की महिला विश्व कप विजेता स्टार जेमिमा रोड्रिग्स ने अपनी साथी खिलाड़ी स्मृति मंधाना के साथ रहने के लिए ऑस्ट्रेलिया में चल रही डब्ल्यूबीबीएल (महिला बिग बैश लीग) के बचे हुए सत्र में नहीं खेलने का फैसला किया है। मंधाना की शादी टल गई है।

जेमिमा कुछ दिन पहले मंधाना की शादी में शामिल होने के लिए भारत लौटी थीं। उन्हें शादी में शामिल होने के बाद ब्रिसबेन हीट के साथ अपना सत्र पूरा करने के लिए वापस जाना था। लेकिन शादी से ठीक पहले मंधाना के पिता की तबीयत खराब हो गई जिसके कारण शादी को टालना पड़ा। इसके बाद जेमिमा ने उनके साथ रुकने का फैसला किया। ब्रिसबेन हीट ने एक बयान में कहा ब्रिसबेन हीट ने जेमिमा रोड्रिग्स के डब्ल्यूबीबीएल के बचे हुए सत्र से रिलीज करने के अनुरोध को स्वीकार कर लिया है।

जूनियर हॉकी विश्व कप | दो बार की चैंपियन भारतीय टीम पहले पूल मैच में चिली के खिलाफ आज बड़ी जीत दर्ज करना चाहेगी

नौ साल बाद घरेलू धरती पर खिताब जीतने उतरेगा भारत

चेन्नई, एजेंसी

टूर्नामेंट के इतिहास में संयुक्त रूप से दूसरी सबसे सफल टीम मेजबान भारत शुक्रवार को यहां पुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप के अपने पहले पूल मैच में चिली के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करके नौ साल बाद घरेलू धरती पर खिताब हासिल करने के अपने अभियान का शानदार आगाज करने की कोशिश करेगा। दो बार के चैंपियन भारत ने पिछली बार 2016 में लखनऊ में वर्तमान में सीनियर महिला टीम के कोच हरेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में यह टूर्नामेंट जीता था। मौजूदा टूर्नामेंट में भारत को पूल बी में रखा गया है और वह इस ग्रुप से आगे बढ़ने का प्रबल दावेदार है।

भारत और चिली के अलावा, ओमान और स्विट्जरलैंड पूल बी में शामिल अन्य टीमें हैं। पाकिस्तान ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए भारत का दौरा करने से इनकार कर दिया था जिसके बाद उसकी जगह पर ओमान को शामिल किया गया था।

भारत ने 2001 में होबार्ट में और 2016 में लखनऊ में खिताब जीता था। 46 साल पहले 1979 में शुरू हुए इस टूर्नामेंट में जर्मनी सबसे सफल टीम है, जिसने सात खिताब जीते हैं। भारत के अलावा अर्जेंटीना ने भी दो बार 2005 और 2021 में जूनियर विश्व कप जीता था। पाकिस्तान ने 1979 में वर्सेल्स (फ्रांस) में खेला गया पहला विश्व कप अपने नाम किया था, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने 1997 में मिल्टन कीन्स में भारत को हराकर यह खिताब जीता था। भारत 2023 में कुआलालंपुर में खेले गए पिछले जूनियर विश्व कप में चौथे स्थान पर रहा था। वह कांस्य पदक के मैच में स्पेन से 1-3 से हार गया था। जर्मनी तब चैंपियन बना था।

इस बार विश्व कप चेन्नई और मदुरै में खेला जाएगा जिसमें रिकॉर्ड 24 टीम खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। टीमों को छह ग्रुप में बांटा गया है। प्रत्येक ग्रुप में चार टीमों को रखा गया है जो राउंड रोबिन आधार पर एक दूसरे का सामना करेंगी। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष पर रहने वाली टीम तथा दूसरे स्थान पर रहने वाली दो सर्वश्रेष्ठ टीम क्वार्टर फाइनल में जगह बनाएंगी। विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज भारत खिताब का प्रबल दावेदार है। जर्मनी अंडर-21 वर्ग में दुनिया की शीर्ष रैंकिंग वाली टीम है। श्रीजेश टीम की इस कमजोरी से वाकिफ हैं और उन्होंने इसके लिए उचित कदम भी उठाए हैं। श्रीजेश ने मलेशिया से लौटने पर कहा था, ''मलेशिया में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल नहीं कर पाना चिंता का विषय था, लेकिन हमने इस समस्या का समाधान कर लिया है। हमने पेनल्टी कॉर्नर और पेनल्टी कॉर्नर डिफेंस, दोनों पर विशेष ध्यान दिया है। हमारे पास अच्छे ड्रैग-फ्लिकर हैं, जो दिन में 200-300 बार फ़्लिक करते हैं। उन्होंने टूर्नामेंट से अनुभव हासिल किया है और अब बेहतर तरीके से तैयार हैं।'' भारतीय कप्तान रोहित को पेनल्टी कॉर्नर पर अतिरिक्त जिम्मेदारी लेनी होगी, क्योंकि सबसे अनुभवी ड्रैग फ्लिकर अरिजीत सिंह हुंडल कंधे की चोट के कारण बाहर हैं। लंबे कद के फारवर्ड हुंडल ने सीनियर स्तर पर 21 मैच खेले हैं और पांच गोल किए हैं। वह जूनियर स्तर पर भी गोल करने वाले खिलाड़ी रहे हैं।

हमें अपना स्वाभाविक खेल दिखाना होगा : श्रीजेश

चेन्नई : भारत के मुख्य कोच पी आर श्रीजेश ने एफआईएच जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप से पहले अपनी टीम की कमियों को स्वीकार किया, लेकिन कहा कि नौ साल बाद अपनी धरती पर खिताब जीतने के लिये टीम को अपना स्वाभाविक खेल दिखाना होगा। अर्जेंटीना के साथ टूर्नामेंट की दूसरी सबसे कामयाब टीम भारत ने होबर्ट में 2001 के बाद लखनऊ में 2016 में खिताब जीता था। भारत को पूल बी के पहले मैच में शुक्रवार को चिली से खेलना है। अंडर 21 वर्ग में भारत दूसरी रैंकिंग वाली टीम है जबकि सात बार की और पिछली चैम्पियन जर्मनी शीर्ष पर है। चिली विश्व रैंकिंग में 18वें स्थान पर है। उन्होंने कहा रैंकिंग से कुछ पता नहीं चलता और मैच के दिन प्रदर्शन ही मायने रखता है।